- प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान की टिप्पणी- 12

- आरबीआई की डिप्टी गर्वनर पूनम गुप्ता ने कहा-मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं- 12

- आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, पूरी मानव जाति के लिए अभिशाप - 13

- भारत की सबसे बड़ी हार दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी 12:30 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 27 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 97, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

जर्जर पोल ने ली राष्ट्रीय खिलाड़ी की जान

रोहतक के लखनमाजरा स्थित सरकारी स्टेडियम में राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी 16 वर्षीय हार्दिक राठी की उस समय मौत हो गई जब अभ्यास के दौरान उनकी छाती पर बॉस्केटबॉल हूप का लोहे का भारी खंभा गिर गया। सीसीटीवी की फुटेज में दिखा कि हार्दिक हूप तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, हूप से लटकने के दौरान उनके ऊपर खंभा गिर गया। हार्दिक के पिता ने कहा, खंभे की जर्जर हालत के बारे में अधिकारियों को कई बार बताया था लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया।

भारत को मिली मेजबानी, अहमदाबाद में होंगे राष्ट्रमंडल खेल- 2030

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत बीस साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। बुधवार को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई । पिछले महीने 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट (राष्टमंडल खेल)' के कार्यकारी बोर्ड की ओर से शताब्दी चरण के प्रस्तावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद की सिफारिश के बाद 74 सदस्यों की जनरल असेंबली के लिए भारत की बोली पर मुहर लगाना सिर्फ एक औपचारिकता रह गई थी। इससे पहले भारत ने 2010 में दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी।

राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी । राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने अफ्रीका के इस शहर के 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए नाम पर विचार करने का फैसला किया।

ग्लासगो में हुई राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में लगी मुहर, नाइजीरिया का दावा खारिज

सौ साल भी पूरे करेंगे राष्ट्रमंडल खेल

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने सौ साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह सत्र विशेष रहने वाला है । भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है । भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जहां पिछले एक दशक में खेल ढांचा नए स्तर तक पहुंचा है। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया था।

... इसलिए मजबूत पड़ा अहमदाबाद का दावा

अहमदाबाद ने हाल ही में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन, एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप और फुटबॉल के एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की मेजबानी की है। यहां अगले साल एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप और एशिया पैरा-तीरंदाजी कप होगा। इसके अलावा 2029 में विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में होंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल खेल परिसर को इन खेलों के लिए तैयार किया जा रहा है। इनमें नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम भी शामिल है। इसी परिसर में एक जलक्रीड़ा केंद्र और एक फुटबॉल स्टेडियम के साथ इनडोर खेलों के लिए दो मैदान बनेंगे।

"यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए नए सुनहरे दौर की शुरुआत है। भारत में व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति और अपार खेल जुनून है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के अगले सौ वर्षों की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं। - **डॉ. डोनाल्ड रुकारे**, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष

"कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने जो भरोसा दिखाया है, उससे हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 2030 खेलों से हम सिर्फ कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 साल पूरे होने का जश्न ही नहीं मनाएंगे, बल्कि अगली सदी की नींव भी रखेंगे। - **पीटी उषा**, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष

ब्रीफ न्यूज

आईएफएफआई के समापन समारोह में शोले का प्रदर्शन रद्द

पणजी। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद 56वां अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) इस सप्ताहांत अपने समापन समारोह में उन्हें एक विशेष श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। आईएफएफआई में 26 नवंबर को शोले का 4 के 'रीस्टोर्ड' (उन्नत) संस्करण का प्रदर्शन किया जाना था लेकिन आयोजकों ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए इसे भी रद्द कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया, सोमवार को धरमजी के निधन की दुखद खबर मिलने के बाद सम्मान स्वरूप फिल्म बाजार के समापन समारोह में एक मिनट का मौन रखा गया।

गुजरात: शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत

गिर सोमनाथ। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के गिर गढडा तालुका में बुधवार सुबह एक शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाद में लड़की का शव बरामद कर लिया गया, जिसे शेरनी ने आधा खा लिया था। वहीं शेरनी को भी पकड़ लिया गया। यह जिला गिर राष्ट्रीय उद्यान का घर है, जो एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है। रेंज वन अधिकारी बी. बी. वाला ने बताया कि उन्होंने बताया कि बच्ची सुबह करीब 10 बजे अपनी मां के साथ बरामदे में खेल रही थी, तभी अचानक जंगल से एक शेरनी निकली और बच्ची को उठाकर करीब एक किलोमीटर जंगल में ले गई।

दिल्ली: स्कूल बंद करने की याचिका पर शिक्षा सचिव तलब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर स्कूलों को बंद करने के अनुरोध वाली याचिका पर बुधवार को दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय के सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मुद्दे पर वजीरपुर जेजे कॉलोनी एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी और शिक्षा विभाग तथा केंद्र सहित अन्य प्रतिवादियों द्वारा जवाब दाखिल न करने पर नाराज थी।

संवैधानिक कर्तव्य निभाएं नागरिक क्योंकि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव

संविधान दिवस पर मोदी ने महात्मा गांधी के विचारों को याद करते हुए दिया संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नागरिकों से अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने का आग्रह करते हुए कहा कि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। संविधान दिवस पर नागरिकों को संबोधित पत्र में प्रधानमंत्री ने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया और सुझाव दिया कि स्कूल-कॉलेज 18 वर्ष की आयु पूरी करके पहली बार मतदाता बनने वालों का सम्मान करते हुए संविधान दिवस मनाएं। प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी के इस विचार को याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कर्तव्यों का निर्वहन सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने संविधान का मसौदा तैयार करने में राजेंद्र प्रसाद, बीआर आंबेडकर और अन्य लोगों के योगदान को याद करने के साथ स्वतंत्रता संग्राम में वल्लभभाई पटेल, बिरसा मुंडा और महात्मा गांधी के नेतृत्व को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने कहा, ये सभी व्यक्तित्व और उपलब्धियां हमें अपने कर्तव्यों की प्रधानता की याद दिलाती हैं, जिस पर संविधान के अनुच्छेद 51ए में मौलिक कर्तव्यों पर एक विशिष्ट अध्याय के माध्यम से भी बल दिया गया है। ये कर्तव्य हमें सामूहिक रूप से सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्गदर्शन देते हैं।

"हमारे देश ने हमें बहुत कुछ दिया है और इससे हमारे भीतर कृतज्ञता की एक गहरी भावना जागृत होती है, और जब हम इस भावना के साथ जीते हैं, तो अपने कर्तव्यों को पूरा करना हमारे स्वभाव का अभिन्न अंग बन जाता है। अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रत्येक कार्य में अपनी पूरी क्षमता और समर्पण लगाना अनिवार्य हो जाता है। - प्रधानमंत्री मोदी

उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी हमेशा एक नागरिक के कर्तव्यों पर जोर देते थे। मोदी ने कहा, उनका मानना था कि कर्तव्य का अच्छी तरह से पालन करने से एक समान अधिकार का सृजन होता है और वास्तविक अधिकार कर्तव्य पालन का परिणाम होते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नीतियां और आज लिए गए निर्णय आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगे। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए वे अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें।

संविधान भारत के गौरव का आधार: मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि संविधान देश की पहचान का आधार है और साथ ही औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने तथा राष्ट्रवादी सोच को अपनाने के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज भी है। उन्होंने 'संविधान सदन' (पुराना संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत दुनिया के लिए विकास का एक नया मॉडल पेश कर रहा है और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

कर्तव्य के बिना अधिकार सुरक्षित नहीं: मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर लोकभवन में बुधवार को संविधान की उद्देशिका का सशपथ पाठन कराया। इस दौरान योगी ने कहा कि स्वतंत्रता की वास्तविक कीमत विस्मृत की जा रही है, क्योंकि हमने स्वाधीनता की लड़ाई को आंखों से नहीं देखा। हमने क्रूर यातनाओं को नहीं सहा। परिणामस्वरूप हर व्यक्ति केवल अधिकार की बात करता है।योगी के अनुसार, अधिकार तब सुरक्षित होते हैं, जब व्यक्ति कर्तव्यों के निर्वहन की आदत डाले। कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता।

खीरी के सोती साइफन में गिरी कार, बहराइच के पांच लोगों की मौत

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: लखीमपुर खीरी जिले में मंगलवार देर रात भीषण हादसा हो गया। पढुआ थाना क्षेत्र में पारस पुरवा गांव के पास शारदा नहर के किनारे मोड़ पर अनियंत्रित हुई कार रेलिंग तोड़ते हुए सोती नदी के साइफन में जा गिरी। इस हादसे में कार में सवार पांचों लोगों की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल हुए चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उसकी हालत भी नाजुक बताई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

हादसा मंगलवार की रात करीब 12 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक घटना में जान गंवाने वाले लोग बहराइच जिले के थाना सुजौली क्षेत्र में स्थित गिरिजापुरी बैराज के कर्मचारी सर्वेश की भतीजी की शादी में शामिल होने लखीमपुर आए थे। शादी में शामिल होकर कार से बहराइच लौट रहे थे। ढखेरवा-गिरजापुरी बैराज मार्ग पर शारदा नहर पर बने सुतिया साइफन के पास मोड़ पर कार अचानक बेकाबू होकर साइफन की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 30 फुट नीचे पानी में जा गिरी।

सूचना पर तमाम ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार के गेट तोड़कर सभी को रस्से के सहारे बाहर निकाला और सीएचसी रमियाबेहड़ भेजा, जहां डॉक्टरों ने जितेंद्र (23), घनश्याम (25), लालजी मल्लाह (45), अजीमुल्ला (45), सुरेंद्र (56) को मृत घोषित कर दिया। ये सभी बहराइच के सुजौली के निवासी थे। कार चालक सूरज उर्फ बब्बू (28) की हालत गंभीर है।

सायफन के पानी में पड़ी कार।

- ढखेरवा-गिरजापुरी हाईवे पर मंगलवार रात हुआ भीषण हादसा
- शादी में शामिल होकर लौट रहे थे पांचों, चालक की भी हालत गंभीर

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, मोहाली में लॉरेंस विश्नोई गैंग के चार गुर्गे गिरफ्तार

मोहाली, एजेंसी

- अंबाला हाईवे पर हुई मुठभेड़ में दो को लगी गोली, सात पिस्टल व 70 कारतूस बरामद

पंजाब एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एसएएस नगर (मोहाली) पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में डेरा बस्सी-अंबाला राजमार्ग पर स्टील स्ट्रिप्स टावर्स के पास बुधवार दोपहर गोलीबारी के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के विदेशी गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के चार गुर्गों की गिरफ्तारी के साथ एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया है। मुठभेड़ में इनमें से दो को गोली भी लगी है। इनसे .32 कैलिबर की सात पिस्टल और 70 कारतूस बरामद किए गए हैं।

पंजाब के डीजीबी गौरव यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान राजपुरा, पटियाला के ढकनसू कलां निवासी हरविंदर सिंह उर्फ भोला उर्फ हनी और लखविंदर सिंह तथा राजपुरा, पटियाला निवासी मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये लोग अपने विदेशी आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे थे और ट्राइसिटी एवं पटियाला क्षेत्र में लक्षित हमलों की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। आतंकवादियों की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर घेराबंदी की थी।

दो करोड़ से ज्यादा आधार नंबरों को निष्क्रिय किया गया

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार के डेटाबेस को निरंतर सटीक बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मृत व्यक्तियों के दो करोड़ से अधिक आधार नंबरों को निष्क्रिय कर दिया है।

आधिकारिक सूचना के अनुसार यूआईडीएआई ने भारत के महापंजीयक (आरजीआई), राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम आदि से मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के बाद यह कार्रवाई की है। यूआईडीएआई मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संस्थानों और अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग करने पर भी विचार कर रहा है। नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति को आधार संख्या कभी दोबारा आवंटित नहीं की जाती है।

भाजपा ने 14 जिलाध्यक्षों के नाम घोषित किए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में भाजपा ने कई जिलों में नए जिलाध्यक्षों के नाम की घोषणा की है। प्रदेश चुनाव अधिकारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने बुधवार को 14 निर्वाचित जिलाध्यक्षों के नाम घोषित किए। चौदह जिला अध्यक्षों में छह नेता पिछड़े वर्ग के हैं। इसमें पश्चिम क्षेत्र के मेरठ से हरवीर पाल को जिलाध्यक्ष बनाया है। पश्चिम क्षेत्र के हापुड़ जिले से अनुसूचित वर्ग से कविता माधरे को हापुड़ का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। बृज क्षेत्र से 5, कानपुर से 4 और अवध क्षेत्र से 1 एवं काशी क्षेत्र से 2 जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई। क्षेत्रवार देखें तो पश्चिम क्षेत्र में मेरठ से पिछड़ा वर्ग के हरवीर सिंह पाल, हापुड़ से अनुसूचित वर्ग से कविता माधरे, बृज क्षेत्र के फिरोजाबाद से सामान्य वर्ग के उदय प्रताप सिंह, हाथरस से प्रेमसिंह कुशवाहा पिछड़ा, अलीगढ़ महानगर से सामान्य वर्ग से राजीव शर्मा और अलीगढ़ जिला से सामान्य वर्ग के ही कृष्णपाल सिंह लाल एवं एटा से सामान्य वर्ग से प्रमोद गुप्ता को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है।

कानपुर क्षेत्र के जालौन से पार्टी ने सामान्य वर्ग से आने वाली उर्विजा दीक्षित पर और झांसी महानगर से सुधीर सिंह एवं हमीरपुर से पिछड़ा वर्ग से आने वाली शकुंतला निषाद एवं फतेहपुर से सामान्य वर्ग से अन्नू श्रीवास्तव के नाम की घोषणा की है।

अवध क्षेत्र के बाराबंकी जिले में पिछड़ा वर्ग से आने वाले रामसिंह वर्मा को पार्टी ने नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। इसी तरह काशी क्षेत्र के जौनपुर से अजीत प्रजापति पिछड़ा वर्ग और कौशांबी से धर्मराज मौर्या जो पिछड़ा वर्ग से आते हैं उनका नाम शामिल किया है। भाजपा ने जिन 14 जिलाध्यक्षों की लिस्ट जारी की है। इसमें दो महिलाएं भी हैं। हापुड़ से अनुसूचित वर्ग से आने वाली कविता माधरे का नाम शामिल है। वहीं कानपुर क्षेत्र के जालौन से उर्विजा दीक्षित और हमीरपुर से पिछड़ा वर्ग से आने वाली शकुंतला निषाद को भी मौका दिया है।

दिल्ली विस्फोट : उमर को पनाह देने वाला फरीदाबाद का शख्स गिरफ्तार

कामयाबी

- विस्फोट से पहले उमर को जरूरी साजोसामान भी कराया था मुहैया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लाल किले के पास विस्फोटक से भरी कार चलाने वाले डॉ. उमर उन नबी को पनाह देने के मामले में फरीदाबाद के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के मुताबिक शोएब नाम के इस शख्स ने विस्फोट करने से डॉ. उमर को साजोसामान भी मुहैया कराया था। साथ ही सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा था।

आत्मघाती हमवलावर के तौर पर पहचाना गया डॉ. उमर उस कार को चला रहा है जिसमें गत 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर विस्फोट हुआ था और इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी। एनआईए के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि एजेंसी ने हरियाणा के फरीदाबाद के धौज निवासी शोएब को दिल्ली आतंकी बम विस्फोट से पहले आतंकवादी उमर उन नबी" को साजो-सामान मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। शोएब एनआईए के हाथों गिरफ्तार किया गया इस मामले में सातवां आरोपी है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से उजागर किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा है।

दुर्लभ चुंबक विनिर्माण के लिए 7280 करोड़ की योजना

आत्मनिर्भर भारत

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया भूरणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने बुधवार को दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7,280 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इस कदम से देश को चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में 'ठोस दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के विनिर्माण की प्रोत्साहन योजना' को स्वीकृति प्रदान की गई। यह खनिज इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, वैमानिकी और रक्षा जैसे कई क्षेत्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

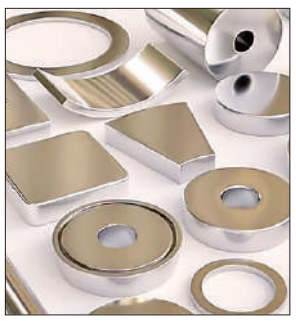

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह योजना दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबक के विनिर्माण को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य 6,000 टन प्रति सालाना क्षमता सृजित करना है। यह योजना एकीकृत विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण में सहायता करेगी। इसमें दुर्लभ खनिज ऑक्साइड को धातुओं में, धातुओं को मिश्र धातुओं में और मिश्र धातुओं को तैयार चुंबकों में परिवर्तित करना शामिल है।

पुणे मेट्रो के विस्तार के लिए 9,858 करोड़ रुपये

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने 9,858 करोड़ रुपये की लागत से पुणे मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के तहत लाइन 4 (खराडी-हडपसर-स्वारगेट-खड़कवासला) और लाइन 4ए (नल स्टॉप-वारजे-माणिक बाग) को मंजूरी दी गई। मंत्री ने बताया कि लाइन 2ए (वनाज-चांदनी चौक) और लाइन 2बी (रामवाड़ी-वाघोली/विट्ठलवाड़ी) को मंजूरी मिलने के बाद, दूसरे चरण के तहत स्वीकृत यह दूसरी बड़ी परियोजना है। सरकार ने कहा कि इस नवीनतम मंजूरी के साथ, पुणे मेट्रो का नेटवर्क 100 किलोमीटर से आगे बढ़ जाएगा। कुल 28 'एलिवेटेड' स्टेशनों के साथ 31.636 किलोमीटर लंबी, लाइन 4 और 4ए पूर्व, दक्षिण और पश्चिम पुणे में आईटी केंद्रों, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय समूहों को जोड़ेगी।

श्री योगी आदित्यनाथ
माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
श्री राकेश सचान
कैबिनेट मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
स्मार्ट उद्यम के लिए, हर सुविधा से लैस
फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स- दादा नगर, कानपुर
Now for all white-category industries
(समस्त प्रदूषण रहित उद्योगों के लिए)
सुविधा केंद्र
प्रदर्शनी क्षेत्र
वाणिज्य केंद्र
सुरक्षित परिसर
प्रशासनिक कार्यालय
सम्मेलन कक्ष
अग्निशमन सुविधाएँ
पार्किंग
• यूनिट साइज 600 वर्गफुट से प्रारंभ
• ₹3000/वर्गफुट की दर से प्रारंभ
• बेसमेंट/स्टिल्ट पार्किंग (अतिरिक्त दरों पर उपलब्ध)
• पहले आओ, पहले पाओ की सुविधा
• प्लग एंड प्ले आधार पर उद्योग की स्थापना
• लीडिंग बैंकों से अनुमोदित (Approved)
• पर्यावरण सहित सभी आवश्यक NOC प्राप्त
• एकमुश्त भुगतान पर 5% की छूट
• प्रदेश की प्रथम फ्लैटेड फैक्ट्री (शीघ्र पजेशन)
• कुछ यूनिट शेष
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड
(उत्तर प्रदेश सरकार का उपक्रम)
110, इंडस्ट्रियल एस्टेट, फजलगंज, कानपुर - 208012
HQUPSIC@upsic.in | +91-8009001688
वेबसाइट: www.msme@connect.up.gov.in | फॉलो करें: @uprampofficial | UP RAMP | uprampofficial | @UPRAMP | UP RAMP
Extra GST as per govt norms*
Scan here for Google Location
Scan here to Connect

न्यूज ब्रीफ

रेप के आरोपी को 10 साल का कारावास

कानपुर देहात। शादी का झांसा देकर युवती के शारीरिक शोषण और शिकायत पर युवती के भाई को धमकाने के मामले में बुधवार को कोर्ट का फैसला आ गया। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के नौ साल पुराने मामले में अदालत ने आरोपी चन्द्रपाल पुत्र हनुमान पाल को दोष सिद्ध ठहराया और उसे 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 15 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया। न्यायालय एडीजे/एफटीसी प्रथम ने कहा कि अर्थदंड अदा न करने की दशा में अभियुक्त चन्द्रपाल को 10 माह के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी।

दहेज हत्या के मामले में 7 साल की सजा

कानपुर देहात। एडीजे चार की न्यायालय ने बुधवार को दहेज हत्या के मामले के आरोपी को सात साल की सजा और 15 हजार के अर्थदंड से दंडित किया है। कोर्ट ने कहा कि अर्थदंड अदा नहीं किया तो आरोपी को 4 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। बताया गया कि 16 फरवरी 2023 को भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव हांसेमऊ में विवाहिता की मौत हुई थी। मामले को लेकर विवेक कुमार पुत्र योगेंद्र के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा कायम कराया गया था। आरोप था कि विवाहिता को मारपीट कर नशीला पदार्थ खिलाया गया। बाद में उसकी हत्या कर दी गई।

अकबरपुर कॉलेज में हुआ युवा उत्सव

कानपुर देहात। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग की ओर से बुधवार को अकबरपुर डिग्री कॉलेज में जनपद स्तरीय युवा उत्सव हुआ। इसमें जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने संविधान की प्रस्तावना की सामूहिक शपथ दिलाई। युवाओं एवं नागरिकों को संविधान के प्रति आस्था, मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता तथा नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन का संकल्प दिलाया गया। अपर जिलाधिकारी दिग्विजय सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक ब्रजभूषण चौधरी, जिला युवा कल्याण अधिकारी देवेंद्र कुमार, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी हिमेंद्र गौतम, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी आदि रहे।

विवाहिता ने निगला जहर, हालत गंभीर

रसूलाबाद। मायाराम निवादा असालतगंज निवासी एक विवाहिता ने घरेलू कलह से दुखी होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज के बाद हैलट रेफर कर दिया गया। मयाराम निवादा असालतगंज निवासी रोहित की पत्नी ममता 26वर्ष ने आए दिन होने वाले पारिवारिक कलह से दुखी होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर पति समेत अन्य परिजन आनन फानन सीएचसी ले गए वहां ईएमओ डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ने इलाज के बाद हालत चिंता जनक देखते हुए हैलट रेफर कर दिया।

समस्याओं को लेकर किसानों का धरना

कानपुर देहात। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को माती मुख्यालय में भारतीय किसान यूनियन जिलाध्यक्ष हुकूम सिंह के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया गया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम ज्ञापन भेजा गया। बाबू बुंदेला, कृपाल सिंह आदि ने कहा कि किसानों को 1350 की डीएपी 1800 व यूरिया 265 वाली 450 में बेची जाती है। जिलाध्यक्ष हुकुम सिंह ने कहा कि जिले का किसान मजदूर परेशान हैं। प्रधान ओम सिंह ने कहा कि किसानों की सभी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो बड़े आंदोलन की शुरुआत करेंगे। घनश्याम सिंह, राम नारायण, धर्मवीर सिंह, नाथू सिंह, फौजी श्याम सिंह, परशुराम आदि रहे। कार्यक्रम के बाद अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा गया।

घर में घुसकर की मारपीट, मुकदमा

मंगलपुर। कस्बा निवासी संजय सिंह ने पुलिस को तहरीर में बताया कि वह अपने घर में था, तभी गांव के रौनक सिंह, प्रदुम सिंह, इमाम व फैजान लाठी-डंडा लेकर आए और गालीगलौज करते हुए पुत्र दिगविजय के साथ मारपीट शुरू कर दी। पुत्र बचने के लिए घर में घुसा तो आरोपियों ने घर में घुसकर उसके साथ मार-पीट की। बचाने पर संजय सिंह और पत्नी नीलेश के साथ पड़ोसी रवि को भी मारा-पीटा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू की है।

तेज रफ्तार वाहन ने रौंदा सिर में फंस गया हेलमेट

रसूलाबाद-बेला रोड पर कन्हईपुर मोड़ के पास हादसा, सीएचसी में निकाला हेलमेट

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः बेला रोड पर कन्हईपुर मोड़ के पास बुधवार शाम तेज रफ्तार वाहन बाइक सवार युवक को टक्कर मारने के बाद रौंदता हुआ निकला गया। सिर के ऊपर पहिया चढ़ने से हेलमेट चिपक गया, जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बड़ी मुश्किल से निकाला जा सका। हेलमेट निकलने के बाद युवक की पहचान हो सकी। हादसे की सूचना पर ससुराल वाले बदहवाश हालत में सीएचसी पहुंचे, जहां कोहराम मचा रहा।

रविंद्र कुमार।

हादसे में रविंद्र कुमार की मौत के बाद रोती-बिलखतीं महिलाएं। अमृत विचार

पड़ोसी औरैया जनपद के बिधूना थाना क्षेत्र के नगला पिपरा रठिगांव निवासी रविंद्र कुमार (42) पुत्र सोनेलाल शिवली कोतवाली क्षेत्र के वाचीपुर निवासी अपने चचिया ससुर रामचरन की मृत्यु पर संवेदना व्यक्त करने आया था। वापस लौटते समय रसूलाबाद-बेला रोड पर कन्हईपुर मोड़ के समीप तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह उछलकर सड़क पर गिरे और वाहन उन्हें रौदता हुआ निकल गया। सिर पर पहिया चढ़ने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई और हेलमेट सिर पर चिपक सा गया। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हेलमेट निकालने की कोशिश की, लेकिन चिपक जाने की वजह से हेलमेट नहीं निकल सका। इससे पहचान करना भी मुश्किल था। पुलिस उन्हें लेकर रसूलाबाद सीएचसी पहुंची,

- **चचिया ससुर के निधन पर औरैया जिले से वाचीपुर आया था युवक**

जहां डॉ. शैलेंद्र ने उन्हें मृत बताया। इसके बाद कड़ी मशक्कत के बाद हेलमेट निकाला जा सका। शिनाख्त होने के बाद हादसे की सूचना परिजनों को दी गई।

हादसे की सूचना पर रविंद्र कुमार की मां भागवती, पत्नी सीमा, पुत्र आशीष व नैतिक, भाई संतोष, राजेंद्र, अवधेश और बहनें पुष्पा व मीरा रोती-बिलखती पहुंचीं। सीएचसी पहुंचे रविंद्र के साले सतीश ने बताया कि वह वाचीपुर गांव से शाम करीब 5:15 बजे अपने गांव जाने के लिए निकले थे। कुछ देर बाद ही उन्हें हादसे की सूचना मिली। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने कहा कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सूचना लीक, नहीं मिली अवैध शराब

रसूलाबाद। थाना क्षेत्र के यादव नगर गांव में अवैध शराब की बिक्री की सूचना मिलने पर जिला आबकारी विभाग की टीम ने एक घर पर छापा मारा, लेकिन छापे की सूचना पहले ही लीक हो जाने के कारण टीम को मौके पर कुछ भी माल नहीं मिला।

इस संबंध में जिला आबकारी अधिकारी संजय यादव ने बताया कि उन्हें यादव नगर गांव स्थित एक घर से अवैध शराब बिक्री की जानकारी मिली थी। इसी सूचना के आधार पर उन्होंने एक संयुक्त टीम गठित की। इसकी किसी को बिना किसी पूर्व सूचना के टीम ने यादव नगर में देर रात छापेमारी की। इस टीम में जिला आबकारी अधिकारी संजय यादव के साथ रसूलाबाद आबकारी प्रभारी रणविजय सिंह भी शामिल थे। छापेमारी के दौरान टीम को घर में कोई अवैध सामग्री नहीं मिली और उनके हाथ खाली रहे। अधिकारियों ने आशंका जताई कि या तो टीम के आने की सूचना पहले ही लीक हो गई थी या फिर अवैध शराब बिक्री की जानकारी ही गलत दी गई थी। इस पर नजर रहेगी।

शैलेंद्र की सांसें थमीं तो श्रवण ने भी छोड़ी दुनिया

दोस्ती की मिसाल

- **बुधवार को दोनों लोगों का हुआ अंतिम संस्कार, परिचित स्तब्ध**

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः अकबरपुर में शैलेंद्र द्विवेदी और श्रवण कुमार कौशल की दोस्ती मिसाल रही। ऐसे दोस्त, जिन्होंने दोस्ती की हर कसम, हर रश्म और हर वायदा निभाया। अक्सर कहते थे, दोस्ती का रिश्ता अंतिम सांस तक चलेगा। कुदरत का खेल देखिए, एक की सांसें थमीं तो 14 घंटे बाद दूसरे ने भी दुनिया को अलविदा कह दिया।

बेमिसाल दोस्ती की ऐसी नजीरें कम ही देखने को मिलती हैं। शहर के अयोध्या नगर निवासी शैलेंद्र द्विवेदी भाजपा नेता थे। उनके घर से कुछ दूर श्रवण कुमार कौशल रहते थे। करीब हमउम्र थे। एक ने 70 बरस का आंकड़ा पार कर लिया था, जबकि दूसरे भी इसके करीब थे। करीबी लोगों का कहना है कि दोनों के बीच दोस्ती का रिश्ता लगभग आधी सदी पुराना था। साथ खेले और बड़े हुए। व्यस्तता के बाद भी एक-दूसरे से मिलते थे। इधर रोज मिलने का सिलसिला बंद था। शैलेंद्र द्विवेदी अस्वस्थ थे, सो मुलाकातें कम हो गई थीं। उनका हाल जानने श्रवण उनके घर जाते रहे। उपचार के बाद भी शैलेंद्र की हालत में सुधार नहीं हुआ और मंगलवार की दोपहर उनका निधन हो गया। दोस्त के बिछड़ने से श्रवण टूट सा गए। रात में काफी परेशान रहे। बुधवार तड़के दिल का दौरा पड़ा। कोशिशों के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। एक ही मोहल्ले में महज 14 घंटे के भीतर दो दोस्तों की मौत की खबर से लोग अवाक रह गए। बुधवार को अलग-अलग अंतिम संस्कार हुआ।

समन बजरत इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5, कायदा 1 व 5 मसमूआ जाब्दा दावानी सन 1907 ई0)

नम्बर मुकदमा– न्यायिक उपजिलाधिकारी का0देहात

बअदालत मुकाम जिला का0देहात मुद्दई

वाद संख्या– T202203400702866 सन 2025 ई

धीरेन्द्र सिंह

बनाम

उर्मिला देवी

बनाम साकिन मुददाअले

1 नरायन सिंह पुत्र रतीराम , 2 ओमेंद्र सिंह पुत्र स्वर्गीय तेज सिंह, 3 श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी स्वर्गीय तेज सिंह, 4 सुनीला देवी पत्नी नरेंद्र सिंह, सभी निवासी भगवंतपुर मजरा आंट,तहसील मैथा,जनपद कानपुर देहात

बाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है, लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 11 सन् 2025 ई0 बवक्त बमुकाम असलिता या मार्फत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई तार्किफ किया गया हो और कुल उमर अहम मुतालिका मुकदमा का जवाब दे सकें या जिसके साथ कोई गौर शख्स हो कि जवाब ऐस सवालात का दे सके हाजिर हो ओर जवाब देरी दावाको कीजिए और आपको लाजिम है कि उस रोज अपने जमला गवाही की जिनकी शहादत पर नीव जुमला दस्तावेजात जिस पर आप बत्ताइद अपनी जवाबदेही के इस्तदलात कराना चाहते हो उसी रोज पेश किरए। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज कजकूर आप हाजिर न होगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मसमूआ फैसला होगा।

वसक्न मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 21/11/2025 माह सन् 20 जारी किया गया।

आज्ञा से

दस्तखत असिटेन्ड कलेक्टर दर्जा दोयम

अब्बल

ई रिक्शा पर पलटी ट्रैक्टर ट्रॉली, युवती की मौत

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः क्षेत्र के गाऊपुर गांव के पास धान लदी ट्रैक्टर ट्राली ई-रिक्शा पर पलटने से युवती बुरी तरह घायल हुई। उसे कानपुर ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में घायल मां, भाई समेत तीन लोगों की हालत नाजुक बनी है। सभी लोग शादी समारोह से लौट रहे थे।

जलोटन पुरवा निवासी संजय राठौर की पत्नी रानी (35), छोटी बेटी अंकिता (16) और एकलौता बेटा रजत (15) के साथ गाऊपुर निवासी अपने जीजा शिवराज राठौर की बेटी की शादी में शामिल होने आई थीं। दुल्हन विदा होने के बाद बुधवार की दोपहर रानी बच्चों के साथ ई-रिक्शा पर अपने घर जलोटन पुरवा जा रही थी। इसी दौरान जिनई की तरफ से आए तेज रफ्तार ट्रैक्टर की धान लदी ट्राली ई-रिक्शा के ऊपर पलट गई। हादसे में रानी, अंकिता, रजत व टेरा मंगलपुर निवासी हिमांशु पुत्र दशरथ गंभीर रूप से घायल हो गए। ई-रिक्शा चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंचे चौकी इंचार्ज नारखास शिव बहादुर सिंह ने सभी घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चारों लोगों की हालत नाजुक देखते हुए ईएमओ डॉ. शैलेंद्र कुमार ने हैलट रेफर कर दिया। मामा आर्यन सिंह ने देर शाम कानपुर में इलाज के दौरान अंकिता की मौत होने की जानकारी दी। रानी, रजत और हिमांशु की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। इंटरमीडिएट की छात्रा अंकिता की मौत से बड़ी बहन अंशिका, पिता संजय, मौसा शिवराज, मामा आर्यन फफक-फफक कर रोए। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया था, जहां से चारों लोगों को हैलट कानपुर के लिए रेफर किया गया था। कानपुर में इलाज के दौरान अंकिता की मौत होने की जानकारी मिली है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। ई रिक्शा व टैक्टर ट्रॉली पुलिस की हिरासत में है।

बाइकें फिसलीं, दो लोग गंभीर रूप से घायल

- **रसूलाबाद।** इटावा के भरथना क्षेत्र के नगरिया यादव निवासी अभिषेक (28) अपनी ससुराल मनकी से बाइक पर वापस जा रहे थे, तभी झींझक रोड पर स्टेट बैंक के पास डिवाइडर के कट से निकल रहे ऑटो की टक्कर से घायल हो गए। ससुरालीजन सीएचसी लाए, जहां ईएमओ डॉ. शैलेंद्र कुमार ने हैलट रेफर कर दिया। उधर, लोहिया नगर निवासी टिंकू की पत्नी मुस्कान बेगम (24) परिवार के ही एक युवक के साथ मायके जा रही थी। बिल्हा के पास सड़क के गड्ढे पर बाइक अनियंत्रित हो गई। मुस्कान मुंह के बल गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना पर परिजन इलाज के लिए सीएचसी लाए, जहां ईएमओ डॉ. शैलेंद्र कुमार ने हैलट रेफर कर दिया।

ट्रैक्टर की टक्कर से दो भाई, एक बहन घायल

संवाददाता, रसूलाबाद

- **कोचिंग पढ़कर लौट रहे थे तीनों सिसाही रोड पर हुआ हादसा**

अमृत विचारः कोचिंग पढ़कर बाइक से घर लौट रहे दो भाई और एक बहन ट्रैक्टर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन सीएचसी लाए, जहां दो की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सिसाही ग्राम प्रधान उषा राठौर पत्नी अनिल कुमार का बड़ा बेटा अभिनय (17), बेटी सुषमा (15) और छोटा बेटा अनिकेत (10) रसूलाबाद के आरपीएस इंटर कॉलेज में क्रमशः 12,10 व कक्षा 6 के छात्र हैं। तीनों बच्चे बुधवार शाम को स्कूल में कोचिंग पढ़ने के बाद बाइक से घर लौट रहे थे। इस दौरान बंदरहा व सिसाही मार्ग बनी पानी टंकी के मध्य अनियंत्रित ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीनों भाई बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे पिता अनिल कुमार सभी घायलों को सीएचसी ले गए। वहां ईएमओ डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ने इलाज के बाद बेटी सुषमा व बेटा अभिनय को हैलट रेफर कर दिया।

दस्तावेज ही नहीं, राष्ट्र की आत्मा है संविधान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- **'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान' थीम पर कार्यक्रम**

अमृत विचारः संविधान दिवस पर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' थीम पर कार्यक्रम हुआ। डीएम कपिल सिंह, एडीएम अमित कुमार सहित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान लखनऊ में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया।

शुरुआत जिलाधिकारी कपिल सिंह ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण कर की। इसके बाद सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना की सामूहिक शपथ दिलाई गई। संप्रभुता, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, लोकतंत्र और गणराज्य के आदर्शों की शपथ दिलाई गई। अधिकारियों-कर्मचारियों ने संविधान में निहित मूल्योंकृन्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुताकृको अपने कार्यों में सर्वोपरि रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ हुआ। जिलाधिकारी ने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा है, जो प्रत्येक नागरिक को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का संतुलन प्रदान करता है। उन्होंने सभी को संविधान की मूल भावना को व्यवहार में उतारने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान दिवस को जन-जागरूकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रसार का माध्यम बनाने का संकल्प लिया। वहीं जनपद के विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 की अध्यक्षता में तथा जनपद के विभिन्न कार्यालयों, विद्यालयों में भी संविधान दिवस से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

अंबेडकर के आदर्शों पर चलने का आह्वान

मंगलपुर। सबलपुर में बौद्ध कथा के आखिरी दिन क्षेत्रीय विधायक पूनम संखवार ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। संविधान दिवस के बारे में जानकारी दी। बौद्धाचार्य ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।

बौद्धाचार्य बबलू बौद्ध ने बाबा साहब के आदर्श पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें संविधान का पालन करते हुए एक श्रेष्ठ और विकास परक समाज की स्थापना में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने लोगों से नशा मुक्त जीवन जीने का आह्वान किया। रसूलाबाद विधायक पूनम संखवार ने कहा कि आज जो भी है वह बाबा साहब के संविधान की देन है जो आपकी बेटी रसूलाबाद क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती है उन्होंने सभी से सामाजिक समरसता में सद्भावपूर्ण समाज की स्थापना करने का आवाहन किया। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य संतोष प्रताप सिंह ग्राम प्रधान सर्वेश राजपूत सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भंडारा आज | रनियां में आयोजित 19वें धार्मिक अनुष्ठान का समापन

'हंस जब जब उड़ा, अकेला उड़ा'

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः दुनिया में हजारों का मेला जुड़ा, हंस जब जब उड़ा, तब अकेला उड़ा, पिजड़े के पंक्षी रे, तेरा दर्द न जाने कोय आदि भजनों के साथ भजन व लोकगीत गायक पं रविकांत तिवारी ने रनियां में आयोजित 19वें धार्मिक अनुष्ठान में श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कामदगिरि पीठाधीश्वर स्वामी रामस्वरूपार्य महाराज ने भरत चरित्र का सुंदर वर्णन सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया।

बुधवार को कार्यक्रम में कथा का अंतिम दिवस था। सुबह समय यज्ञशाला में पूर्णाहुति दी गई। दोपहर समय भगवताचार्य द्वारा सातवें दिन की कथा श्रवण कराई गई। सांय कालीन बेला में चित्रकूट धाम से पधारे कामदगिरि पीठाधीश्वर स्वामी रामस्वरूपार्य महाराज ने भरत चरित्र का सुंदर वर्णन सुनाया। उन्होंने कहा कि भरत का राम के प्रति अटूट प्रेम मानव जीवन को भातृत्व प्रेम की अनूठी मिसाल देता है, जिन्होंने 14 साल तक राम के वनवास के दौरान उनकी चरण पादुका रखकर राम राज्य चलाया। ऐसा कोई दूसरा भाई न हुआ है और न होगा। उन्होंने कहा कि भरत की माता कैकई ने अपने पुत्र के राज तिलक के लिए राम को वनवास करा दिया। परंतु जैसे ही भरत को राम के वनवास की जानकारी हुई। उन्होंने अपनी मां का परित्याग कर दिया और राजतिलक कराने से भी इंकार कर दिया। कहा कि वर्तमान समय में लोगों को भगवान श्रीराम और भरत के प्रेम से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

पीठाधीश्वर स्वामी रामस्वरूपाचार्य।

उन्होंने कहा कि रामायण हमें जीवन जीने की कला सिखाती है और हमें लोभ लालच न कर प्रेम बनाए रखने की प्रेरणा देती है। भरत के मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के प्रति अटूट प्रेम और वात्सल्य भाव के कई प्रसंग सुनाकर लोगों को भावविभोर कर दिया। कथा के दौरान पप्पू शर्मा, सोनू गुप्ता, विष्णु कुमार गुप्ता, संजय गुप्ता, दयाशंकर गुप्ता, बाबूजी गुप्ता, रोशन शर्मा, अभिषेक शर्मा, डा टी एन पाण्डेय, बाल कृष्ण दीक्षित, गोपाल शुक्ला, अर्पित गुप्ता, उमाकांत कश्यप, सुरेश त्रिपाठी, पप्पू चंदेल, भोले शुक्ला सहित तमाम लोग मौजूद रहे। संयोजक सोनू गुप्ता ने बताया कि गुरुवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

उन्नाव

न्यूज ब्रीफ

रंगदारी व जानलेवा हमले में 3 पर मुकदमा

शुक्लागंज। कानपुर के मनीराम बगिया निवासी अंकित दीक्षित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने दो वर्ष पूर्व पीपरखेड़ा में 150 गज का प्लॉट खरीदा था। प्लॉट पर वह वॉल बाउंड्री का निर्माण कार्य करा रहे थे। आरोप है कि तभी पीपरखेड़ा निवासी सुनील गुप्ता उर्फ मिट्ठू बर्फ ने दो अज्ञात साथियों के साथ मिलकर जबरन निर्माण रुकवा दिया और 3 लाख रुपये रंगदारी मांगी। 18 नवंबर को फिर निर्माण शुरू कराने पर सुनील उर्फ मिट्ठू साथियों के साथ पहुंचा और फिर से रुपये मांगने लगा। पीड़ित ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नियत से उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बुधवार को सुनील गुप्ता उर्फ मिट्ठू बर्फ व उसके दो अज्ञात साथियों पर रंगदारी मांगने, मारपीट करने व धमकी देने आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

बिजली बिल राहत योजना 1 दिसंबर से

शुक्लागंज। विद्युत विभाग के एसडीओ राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि बिजली बिल राहत योजना 2025-26 तीन चरणों में संचालित होगी। पहला चरण 1 से 31 दिसंबर तक चलेगा। जिसमें उपभोक्ताओं को शत-प्रतिशत ब्याज माफी के साथ 25 प्रतिशत मूलधन में छूट मिलेगी। दूसरा चरण 1 से 31 जनवरी 2026 तक रहेगा। जिसमें शत-प्रतिशत ब्याज माफी व 20 प्रतिशत मूलधन छूट का प्रावधान है। तीसरा चरण 1 से 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। इसमें शत-प्रतिशत ब्याज माफी व 15 प्रतिशत मूलधन छूट दी जाएगी। बिजली चोरी के मामलों में भी क्रमशः 50, 45 व 40 प्रतिशत तक की राहत दी जाएगी। योजना में पंजीकरण 2,000 रुपये जमा कर कराया जा सकता है और आसान किस्तों में भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। एसडीओ ने उपभोक्ताओं से अधिकतम लाभ के लिए पहले चरण में ही पंजीकरण कराने की अपील की है।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस की टीमें

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मोतीनगर में रुपये के विवाद को लेकर बीते मंगलवार एक युवक को जानलेवा हमला करने के उद्देश्य से गोली मारी गई थी। इसमें घायल हुए पीतांबर नगर मोहल्ला निवासी सचिन विमल को जिला अस्पताल से कानपुर के हैलट अस्पताल भेजा गया था। परिजनों के मुताबिक वहां उसकी हालत स्थिर है। मां बिटाना की तहरीर पर पुलिस ने बुधवार को मोतीनगर मोहल्ला निवासी भूपेंद्र वर्मा पर रिपोर्ट दर्ज की है। सदर कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया कि मामला रुपये के लेनदेन का बताया गया है। मामले की सभी एंगल से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए हैं। आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें लगी हैं।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

उन्नाव। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बेगमगंज निवासी हिमांशु पुत्र कल्लू की शादी 5 साल पहले अचलगंज थाना व कस्बा निवासी दीक्षा (27) पुत्री स्व. मुन्ना गुप्ता से हुई थी। हिमांशु के मुताबिक दीक्षा की मंगलवार रात अचानक हालत बिगड़ गई। इस पर वह उसे सीएचसी लाया था। डॉक्टर ने इलाज के बाद सुधार होने पर उसे घर भेज दिया और बुधवार को जांच कराने की बात कही थी। वह जांच कराने ले जाता इससे पहले सुबह 11 बजे दीक्षा की हालत बिगड़ी और वह अचेत हो गई। इस पर वह उसे सीएचसी लाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटी की मौत की सूचना पर सीएचसी पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने हत्या का आरोप लगा हंगामे का प्रयास किया। पुलिस ने दोनों पक्षों से बात की और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संविधान दिवस पर बाबा साहब को किया गया नमन

आयोजन समिति ने बाबा साहब द्वारा संविधान के महत्व व सिद्धांतों पर डाला प्रकाश

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। संविधान दिवस पर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जन्मोत्सव समिति ने सिविल लाइन स्थित आंबेडकर पार्क में कार्यक्रम आयोजित किया। अध्यक्षता समिति अध्यक्ष हर्षवर्धन ने की। आयोजन समिति ने बाबा साहब द्वारा संविधान के महत्व व सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। इसमें सदर विधायक पंकज गुप्ता, सफीपुर विधायक बंबालाल दिवाकर, बांगरमऊ विधायक श्रीकांत कटियार, स्नातक विधायक अरुण पाठक व भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने बाबा साहब की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। युवा अधिवक्ता संघ के अधिवक्ता जुलूस के रूप में आंबेडकर पार्क पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान डीजी कुरील, श्याम मोहन गौतम, सूर्यपाल, बीएल गौतम, भारती बौद्ध महासभा शिवपाल गौतम, जेएन भारती, रामखेलावन, नीतू भारती, ज्योत्सना गोयल आदि मौजूद रहे।

आंबेडकर पार्क में मौजूद समिति के लोग। अमृत विचार

संविधान के उद्देशिका की शपथ दिलाते एडीएम। अमृत विचार

पालिका में शपथ ग्रहण करते सभासद और पालिका कर्मी। अमृत विचार

नगर कांग्रेस ने 26/11 शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नगर कांग्रेस कमेटी गंगाघाट के तत्वावधान में बुधवार को इंदिरा नगर में राष्ट्रीय संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। इसमें कांग्रेस नेता मयंक बाजपेयी ने कहा कि भारत का संविधान अधिकारों व कर्तव्यों का संगम है जो पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा व मिसाल है। इसके बाद वर्ष 2008 में मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले में शहीद हुए वीरों को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी स्मृति में 2 मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम में दूधनाथ वर्मा, रामकिशोर पाल, बाबूलाल गुप्ता, संजय सिंह, रामचेतन भास्कर, शिवकिशोर पांडेय मौजूद रहे।

संविधान उद्देशिका की दिलाई शपथ

एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड़ ने संविधान दिवस पर कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में संविधान के उद्देशिका की शपथ दिलाई। इसमें उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 को हमारा संविधान अंगीकृत अधिनियमित आत्मर्पित किया गया था। इसके द्रष्टिगत सरकार द्वारा हर वर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। कहा कि संविधान ने हमें मौलिक कर्तव्य व मूल अधिकार भी दिया। इसके अंतर्गत हमे समानता व स्वतंत्रता का अधिकार मिला है। इसमें उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई। जिसे अधिकारियों-कर्मचारीयों ने दोहराया। इस दौरान एडीएम अमिताभ यादव, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' की रही गूंज

शुक्लागंज। बुधवार को संविधान दिवस पर नगर पालिका परिषद गंगाघाट में 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' थीम के तहत कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसकी शुरुआत ईओ मुकेश मिश्रा के नेतृत्व में बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि से हुई। इसके बाद वहां उपस्थित सभासदों व पालिका कर्मियों ने सामूहिक रूप से भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठ कर संविधान में निहित मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इसमें ईओ ने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं बल्कि हमारी लोकतांत्रिक आत्मा, अधिकारों और कर्तव्यों का आधार है। कार्यक्रम में सभासदगण, स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी, कार्यलिपिक, सफाई निरीक्षक समेत पालिका कर्मचारी भी रहे।

सरोज सरस्वती में मातृशक्ति की भूमिका पर हुआ मंथन

सप्तशक्ति संगम के दौरान शिशु मंदिर में मौजूद मातृशक्ति। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। बुधवार को गोपीनाथपुरम स्थित सरोज सरस्वती शिशु मंदिर में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम विद्यालय के यायावर कक्ष में हुआ। संचालन शिशु वाटिका प्रमुख आशा शुक्ला ने किया। इसका शुभारंभ मां शारदे की प्रतिमा पर पुष्पार्चन से हुआ। इस दौरान महिला सशक्तिकरण, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण व नारी उत्थान जैसे विषयों पर चर्चा की गई। आशा शुक्ला ने सप्तशक्ति कीर्ति, श्री, वाक्, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा का परिचय देते हुए कहा कि इन गुणों से युक्त नारी परिवार व राष्ट्र दोनों की उन्नति का आधार बनती है। मातृ शक्ति की झांकी प्रस्तुत करने पर अनीता, ज्योति, निशा पाल व नीलम को सम्मानित किया गया। वहीं, ज्योतिमा, सीमा, रक्षा मिश्रा, नीलम देवी व रुचि समेत विशिष्ट माताओं को प्रोत्साहन सम्मान से नवाजा गया। प्रधानाचार्य दुर्गेश सिंह सहित आचार्य मौजूद रहे।

मौलिक कर्तव्यों का करें पालन

बांगरमऊ, उन्नाव, अमृत विचार। संडीला रोड स्थित आरएस पब्लिक स्कूल में संविधान दिवस हर्ष के साथ मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद न्यायाधिकारी आकांक्षा अवस्थी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उन्होंने संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के दिन 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपनाया गया। इस पर 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। यह दिन संविधान के महत्व व बाबा साहब के विचारों व आदर्शों को प्रचारित करने के लिए चुना गया। चूंकि सभा का अंतिम सत्र 24 जनवरी 1950 को हुआ था। इसलिए इसी दिन भारतीय संविधान लागू हुआ। अंत में प्रबंधक रिज़वान अहमद द्वारा मुख्य अतिथि का आभार जताया। इसमें विद्यार्थियों के साथ प्रधानाचार्य संतोष सविता व उपप्रधानाचार्य अंजू बाजपेई व अन्य स्टाफ़ उपस्थित रहा।

छात्र-छात्राओं के साथ मौजूद न्यायाधिकारी आकांक्षा अवस्थी। अमृत विचार

संविधान हमारे देश की आत्मा है

उच्च प्राथमिक विद्यालय भानपुर के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों व शिक्षकों ने एक साथ मिलकर भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व समाज में संविधान के मूल सिद्धांतों न्याय, स्वतंत्रता, समानता व बंधुता के प्रति जागरूक करना है। राज्य संदर्भदता समूह सदस्य (एसआरजी) विज्ञान शिक्षिका मसर्रत फातमा ने बच्चों को बताया कि संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं बल्कि हमारे देश की आत्मा है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक रमाकांत वर्मा ने इस पहल को छात्र-नागरिकता व सक्रिय लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सभी का धन्यवाद किया।

भाजयुमो ने आत्मनिर्भर भारत का दिया मंत्र

जिलाध्यक्ष को प्रतीक चिन्ह देते किसान मोर्चा के महामंत्री। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में भगवंतनगर विधानसभा 166 के बदरका मंडल अंतर्गत पोनी रोड स्थित एक विद्यालय में युवा सम्मेलन हुआ। इसमें जिलाध्यक्ष ने क्रांतिवीरों के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता व संविधान लागू होने के बाद देश को स्वावलंबी बनाने की दिशा में अपेक्षित कार्य नहीं हुए। जिससे देश को लंबे समय तक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आह्वान किया कि युवा अपनी ऊर्जा, कौशल व नवाचार को जनहित और राष्ट्र उत्थान के लिए समर्पित करें। कार्यक्रम में उदय प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष धीरज सिंह, नमन बाजपेई, किसान मोर्चा महामंत्री सुरेश शुक्ला, मोहन कश्यप, अनिल निषाद, रेशु निषाद, अमन राजपूत, स्वदेश शुक्ला, कल्पना तिवारी, अमन राजपूत, स्वदेश शुक्ला, कल्पना तिवारी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में युवक की हुई मौत, हंगामा

उन्नाव, अमृत विचार। मौरावां थानाक्षेत्र के मोहल्ला रोशनगंज गांव निवासी अंकित (23) पुत्र विजय शंकर बुधवार को बनखंडी मंदिर गया था। जहां से लौटते समय मंदिर के मोड़ के पास पुरवा से आया तेज रफ्तार लोडर उसे टक्कर मार कर भाग निकला। सड़क पर गिरने से सिर में आई चोटों से उसकी मौके पर मौत हो गई। खबर मिलने पर पहुंचे परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर सड़क पर शव रखकर हंगामा शुरू कर दिया। मौरावां एसओ कुंवर बहादुर सिंह फोर्स के साथ पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन लोगों ने उनकी एक नहीं सुनी। वे आलाधिकारियों को मौके पर बुलाने व टक्कर मारने वाले वाहन को पकड़ने की मांग करने लगे। इस पर सीओ पुरवा तेज बहादुर सिंह पहुंचे और उन्होंने लोगों को शांत कराकर कार्रवाई व सरकार अनुमन्य मुआवजा दिलाने का भरोसा दिलाया। तब पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा। एसओ ने बताया कि आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अंकित (फाइल फोटो)।

युवक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

नवाबगंज। नौकरी की तलाश में आये युवक को बुधवार दोपहर कानपुर-लखनऊ हाईवे पार करते समय अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। सीतापुर जिला के थाना लहरपुर के गांव मनौरा गांव निवासी ब्रजेश (24) पुत्र सियाराम सोहरामऊ क्षेत्र के रसूलपुर गांव के पास वेयरहाउस में नौकरी की तलाश में आया था। बुधवार दोपहर वह रसूलपुर गांव के सामने हाईवे पार कर रहा था। तभी कानपुर से लखनऊ जा रहे अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। एसओ संदीप शुक्ला ने बताया कि युवक हाईवे पार कर रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के कब्बा खेड़ा सिविल लाइन निवासी कौशल किशोर मिश्रा ने अपनी बेटी काजल की शादी बीती 5 मई को लखनऊ के चिनहट निवासी आशीष पुत्र कमलेश चंद्र मिश्रा से की थी। भाई सुंदरम ने बताया कि बहनोई के अपने परिवार की किसी महिला से करीबी थी। इससे वह बहन को दहेज कम लाने का बहाना बनाकर प्रताड़ित करता था। आरोप है कि बीती 24 नवंबर को ससुरालियों ने जहरीला पदार्थ खिला दिया। हालत बिगड़ने पर काजल ने अपनी मायके पक्ष की पास में रहने वाली रिश्तेदार शील दीक्षित को फोन पर इसकी जानकारी दी। सूचना पर वह पहुंची और उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गई। इसके बाद पिता व भाई पहुंचे और उसे उन्नाव लाकर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बुधवार भोरपहर उसकी मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया कि पिता की पीएम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

काजल (फाइल फोटो)।

सिर व चेहरे पर बांका से किए गए थे 7 वार

उन्नाव। आसीवन थानाक्षेत्र के कूरेमऊ गांव निवासी बीडीसी आरती के पति अरविंद कुरील (50) मंगलवार देरशाम गांव के एक डॉक्टर के क्लीनिक के बाहर बैठा था। तभी अचानक गांव निवासी रामनिवास शर्मा बांका लेकर आया और अरविंद पर ताबड़तोड़ हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। चर्चा रही कि रामनिवास को शक था कि अरविंद उसकी पत्नी से बात करता है। इससे वह अरविंद से खुन्नस रखता था। बताते हैं कि रामनिवास इसी के चलते अपनी पत्नी से भी अक्सर मारपीट करता था। इससे ऊब कर वह मायके चली गई थी। पुलिस ने भाई तहरीर पर आरोपी को देररात पकड़ लिया था। पूछताछ में उसने हत्या किए जाने की बात स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त बांका बरामद कर उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से वह जेल भेजा गया। बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें उसके सिर व चेहरे में 7 गंभीर चोटें मिलीं। जो धारदार हथियार से की गई थीं। एसओ अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि आरोपी को जेल भेजा गया है।

सिटी डायरी

विधायक खेल स्पर्धा में वॉलीबॉल में सफीपुर रहा विजेता

सफीपुर, उन्नाव, अमृत विचार। कस्बे के महात्मा गांधी इंटर कॉलेज सफीपुर में सांसद खेल महोत्सव के तहत विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन हुआ। इसमें विधानसभा के युवक/ युवतियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में अपने आयु वर्ग के अनुसार प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर सांसद खेल महोत्सव संयोजक ललित द्विवेदी ने किया और समापन सफीपुर एसडीएम शिवेंद्र वर्मा ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिये और मेडल पहनाए। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी विकास रावत व सचिन सिंह द्वारा संचालित किया गया। प्रतियोगिताओं को संपन्न कराने में कुलदीप कुमार, सुरेन्द्र कुमार, चेतन मिश्रा, अनीता चौधरी, आलोक सैनी आदि का योगदान रहा।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी।

मतदाता सूची सत्यापन की जानकारी लेते नायब तहसीलदार।

मतदाता सूची सत्यापन अभियान तेज

शुक्लागंज। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगर पालिका क्षेत्र में मतदाता सूची सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 72 मतदान केन्द्रों पर बूथ लेवल ऑफिसर तैनात कर मतदाताओं से एसआईआर फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। बुधवार को नायब तहसीलदार परियर धीरज त्रिपाठी ने विभिन्न बूथों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति देखी। उन्होंने बताया कि फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर है लेकिन अभी तक केवल 40 प्रतिशत ही कार्य पूरा हुआ है। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि शेष फॉर्म शीघ्राताशीघ्र जमा कराएं। इस दौरान देखा कि मतदाता सुबह से ही बूथों पर पहुंचकर फॉर्म भरवा रहे थे। बीएलओ द्वारा मतदाताओं को फॉर्म उपलब्ध कराकर उन्हें मौके पर ही भरवाया और जमा किया जा रहा था।

धू-धूकर जलती कार।

नीलगाय से टकराने के बाद लगी आग कार सवारों ने कूदकर बचाई जान

उन्नाव। सफीपुर-मियागंज मार्ग देररात तेज रफ्तार कार अचानक सामने आई नीलगाय से टकराने के बाद सड़क किनारे खंती में पलट गई। इससे कार में आग लग गई। संयोग रहा कि इसमें बैठे 3 लोगों ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली। आसीवन थानाक्षेत्र के कस्बा मियागंज के मोहल्ला बहारबाग निवासी मुख्तार अहमद (30) साथी मोहल्ला सैयद बाग निवासी अमन (25) व हैदराबाद कस्बा निवासी मोहसिन के साथ मंगलवार को सफीपुर में एक मांगलिक कार्यक्रम कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

खेलो इंडिया अस्मिता लीग में अंबिका की आराधना ने जीता कांस्य

प्रमाणपत्र के साथ बैठे अंबिका के बच्चे। अमृत विचार

शुक्लागंज। 24 नवंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेडियम में जिला उन्नाव एथलेटिक संघ द्वारा आयोजित खेलो इंडिया विमेन अस्मिता लीग संपन्न हुई थी। बालिका अंडर-16 शॉटपुट प्रतियोगिता में अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल की छात्रा आराधना ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय व जिले का नाम रोशन किया। विद्यालय प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने खुशी जताते हुए कहा कि बेटियां अवसर मिलने पर हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। प्रधानाचार्या मोनिका तिवारी ने बधाई देते हुए आराधना की इस उपलब्धि को अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी बताया।

बदलाव | एमवी एक्ट छोड़ सभी समन, ट्रायल व संक्षिप्त ट्रायल के मामले क्षेत्राधिकार में होंगे

ग्राम न्यायालय के बढ़ाए गए अधिकार, अधिवक्ताओं में खुशी

रामसेवक यादव, बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। जिला जज ने बांगरमऊ नगर में नव स्थापित ग्राम न्यायालय के अधिकारों में बढ़ोत्तरी करते हुए बांगरमऊ कोतवाली के अलावा बेहटा मुजावर, आसीवन व औरास थाने के वाद शामिल करने का आदेश दिए हैं। साथ ही इन थानों से संबंधित सभी मुकदमों की पत्रावलियों को गुरुवार तक यहां स्थानांतरित करने को कहा गया है। जिला जज के आदेश से तहसील अधिवक्ताओं में हर्ष का माहौल है।

जिला जज अनिल वर्मा प्रथम ने बांगरमऊ की ग्राम न्यायालय की पीठासीन अधिकारी आकांक्षा अवस्थी के क्षेत्राधिकार बढ़ाते हुए कोतवाली बांगरमऊ के अलावा बेहटा मुजावर, आसीवन व औरास थानों को संबद्ध किया है। दिसंबर माह से एमवी एक्ट को छोड़कर सभी समन, ट्रायल व संक्षिप्त ट्रायल के मामले इस ग्राम न्यायालय के क्षेत्राधिकार में शामिल किए हैं। सीजीएम ने इसके लिए पत्र भेजकर आदेश दिया है कि आगामी 27 नवंबर तक क्षेत्राधिकार में शामिल किए गए थानों से संबंधित पत्रावलियां को इस न्यायालय में भेजा जाए। इस पत्र की जानकारी मिलने पर तहसील बार एसोसिएशन अध्यक्ष सतीश द्विवेदी, सपा अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय महासचिव संजीव त्रिवेदी, रामपाल यादव, मनोज गौतम, मुजम्मिल व गरिमा दीक्षित आदि अधिवक्ताओं ने बताया कि अभी तक वे सिर्फ राजस्व संबंधी मुकदमे देख रहे थे जो अपर्याप्त थे। अब इस न्यायालय के क्षेत्राधिकार बढ़ने से जहां उनके पास मुक़दमों में इजाफा होगा वहीं वाद से संबंधित व्यक्तियों को भी 60 से 70 किमी मुख्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

न्यायालय परिसर में अस्थाई तौर पर बैठे अधिवक्ता। अमृत विचार

1500 मुकदमों की हो सकती है बढ़ोत्तरी : ग्राम न्यायालय में करीब 400 से अधिक मुकदमों की फाइलें भेजी गई थीं। वहीं मंगलवार को भी अलग-अलग न्यायालयों से करीब 300 मुकदमों की फाइलें भेजी गई हैं। तीन थानाक्षेत्रों को संबद्ध किए जाने के बाद 1500 मुकदमों की बढ़ोत्तरी हो सकती है।

अधिवक्ताओं में मची है बस्ते लगाने की होड़ : बीती 4 नवंबर से ग्राम न्यायालय का संचालन शुरू है। इसके बाद से तहसील के अधिवक्ताओं में न्यायालय परिसर में बैठने के लिए अस्थाई बस्तों को लेकर होड़ चल रही है। इसके लिए तखत व कुर्सी मेज डालकर हर कोई अपना स्थान सुरक्षित कर रहा है।

आज का मौसम

गुरुवार को दिन में धुंध होने के साथ धूप में थोड़ी नरमी रहने की संभावना है।

27.0°	11.0°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 37	सूर्यास्त 05 : 16

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS •MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

सिटी ब्रीफ

संविधान के मूल्यों को आत्मसात करें

कानपुर। गुरुदेव चौराहा स्थित कानपुर मेट्रो डिपो के परियोजना निदेशक कार्यालय एवं वर्कशॉप में संविधान की उद्देशिकावाचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मेट्रो अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की मूल भावना, मूल्य और सिद्धांतों को आत्मसात करने की शपथ ली। प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि कानपुर मेट्रो डिपो सहित लखनऊ मुख्यालय और आगरा मेट्रो परियोजनाओं में संविधान दिवस सम्मानपूर्वक मनाया गया।

जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

कानपुर। उम्मीद केंद्रीय पोर्टल पर पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाए जाने के संबंध में बुधवार को शहर काजी कानपुर ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ जिलाधिकारी कानपुर जितेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री को संबोधित ज्ञापन में कहा गया कि केंद्र सरकार द्वारा उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों को पारदर्शी तरीके से दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं परंतु लोगों का इस प्रक्रिया से अनजान होना तथा कुछ तकनीकी बाधाओं के कारण भी विवरण अपलोड करना समय से मुमकिन नहीं हो पा रहा है। इस दौरान मौलाना मुफ्ती साकिब अदीब, सगीर आलम, असगर अली यार अल्वी, महबूब आलम खान, इस्लाम खान आजाद आदि रहे।

150 ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया

कानपुर। यूपीसीए की ओर से प्रदेश की अंडर-15 टीम की चयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कमला क्लब में बुधवार को दो दिवसीय ट्रायल के पहले दिन पश्चिमी उप्र की 150 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। वूमेंस चयन समिति की प्रियंका शैली, करिश्मा जैन, श्वेता सिंह, सीमा सिन्हा ने बारी-बारी खिलाड़ियों के प्रदर्शन को नेट्स पर परखा। ट्रायल में बल्लेबाजी में क्लास और गेंदबाजी में सटीक लेंथ डालकर कई महिला खिलाड़ी चयन समिति की पसंद बनीं। जिन्हें फाइनल ट्रायल के लिए सुरक्षित किया गया।

जेसीपी विनोद कुमार सिंह ने नोटिस भेजकर कहा- थानों की निरीक्षण से बचा जाए

महिला आयोग की सदस्य को पुलिस ने भेजा नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बर्रा थाने में महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता द्वारा निरीक्षण करने के मामले में ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर (जेसीपी मुख्यालय एवं अपराध) विनोद कुमार सिंह ने नोटिस जारी किया है। उन्होंने महिला आयोग की सदस्य को नोटिस भेजकर कहा है कि कानूनी प्रावधानों एवं निर्धारित क्षेत्राधिकारों के अनुसार राज्य महिला आयोग के सदस्यों को पुलिस थानों का सीधे निरीक्षण करने का अधिकार नहीं है। इसलिए ऐसे किसी भी निरीक्षण से बचा जाए। आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता ने पत्र पर कड़ी आपत्ति जाहिर करते हुए महिला आयोग से कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि महिला आयोग कि सदस्य अनीता गुप्ता ने 22 नवंबर को बर्रा थाने में पहुंचकर महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया था।

आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता।

- 22 नवंबर को बर्रा थाने पहुंचकर आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता ने किया था निरीक्षण

जेसीपी ने कहा-अधिकारों एवं शक्तियों के अंतर्गत ही कार्य करें: जेसीपी मुख्यालय एवं अपराध विनोद कुमार सिंह ने पत्र में लिखा है कि ऐसे निरीक्षणों के फलस्वरूप दैनिक पुलिस कार्य में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होता है, जिससे जनता को उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएं तथा आपातकालीन दायित्वों का निर्वहन प्रभावित होता है। यह स्थिति पुलिस व्यवस्था की निरंतरता के लिए बाधक सिद्ध होती है। आगे लिखा कि दृढ़तापूर्वक अपेक्षा की जाती है कि आप अपने प्रदत्त अधिकारों एवं शक्तियों के अंतर्गत ही कार्य करें। पुलिस विभाग के कार्य, व्यवस्था एवं आंतरिक कार्यप्रणाली से संबंधित निरीक्षण कार्य आपके क्षेत्राधिकार में सम्मिलित नहीं है, अतः भविष्य में ऐसे किसी भी निरीक्षण से बचा जाना अपेक्षित है, ताकि पुलिस विभाग अपनी सवैधानिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से कर सके।

अनीता गुप्ता बोलीं यह व्यक्ति मानसिक रूप से पीड़ित

पत्र मिलने के बाद अनीता गुप्ता ने कहा कि वह मुझे नोटिस देने के अधिकृत ही नहीं हैं। उन्होंने पूछा किस अधिकार से यह नोटिस जारी किया गया? मुझे तो लगता है कि यह व्यक्ति मानसिक रूप से पीड़ित है। अनीता गुप्ता ने कहा कि जब वह घर पर नहीं थी तब उनके आवास पर नोटिस पहुंचाया गया है। जिसमें अभद्र भाषा का उपयोग किया गया है, उससे स्पष्ट होता है कि उस व्यक्ति की आम महिलाओं के प्रति मानसिकता क्या है। अनीता गुप्ता ने बताया कि नोटिस मिलने के बाद उन्होंने आयोग की सदस्य बबीता चौहान को इसकी जानकारी दी है। जिन्होंने आयोग स्तर पर कार्रवाई करने की बात कही है। अनीता गुप्ता ने कहा कि जेसीपी इतने बड़े पद पर है तो कुछ योग्यता रही होगी। मैं उन्हें जानती नहीं, न उनकी शक्ल देखी और न उनका नाम सुना है। जनसुनवाई में महिला अपराधों का पूरा विवरण हम थानेवार ही लेते हैं। उन्होंने कहा कि अब यह तय करेंगे कि हमारे अधिकार क्या हैं? और किस सीमा तक हैं। इसका अधिकार सरकार और आयोग के पास है।

महापौर ने 29 को बुलाया नगर निगम सदन, कई प्रस्तावों पर लगेगी मुहर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महापौर प्रमिला पांडेय ने 29 नवंबर को दोपहर 12 बजे नगर निगम के सदन की बैठक बुलाई है। इस दौरान 1 नवंबर को हुई नई कार्यकारिणी की बैठक में पास किए गए प्रस्तावों पर चर्चा के बाद आखिरी मुहर लगेगी। चकेरी एयरपोर्ट का नाम पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रखने के साथ ही नानाराव में बने श्री श्याम महोत्सव पंडाल के शुल्क को लेकर अंतिम निर्णय होगा। वहीं, नए नगर आयुक्त के आने के बाद से ही विकास कार्य रुके हुए हैं। पार्षद भी लगातार अपनी समस्या महापौर को बता रहे हैं। अब सदन में नगर आयुक्त व अन्य अधिकारियों के सामने शहर की समस्याओं पर चर्चा हो सकेगी।

नगर निगम के समिति कक्ष में नई कार्यकारिणी व अधिकारियों के साथ महापौर प्रमिला पांडेय ने बैठक कर नानाराव पार्क फूलबाग स्थित श्री श्याम महोत्सव स्थल के संचालन और आवंटन के शुल्क निर्धारण पर चर्चा हुई थी। यहां धार्मिक, महापुरुषों की जयंती कार्यक्रम होते हैं। किसी भी तरह के व्यवसायिक, वैवाहिक कार्यक्रमों की अनुमति नहीं है। 51 हजार रुपये में महोत्सव स्थल का आवंटन होता है। लेकिन, कार्यक्रम की तैयारी और सामान हटाने के लिए आयोजक एक दिन पहले और एक दिन बाद तक पार्क का उपयोग करता है। ऐसी स्थिति में उसे दो दिनों का अतिरिक्त शुल्क देना पड़ जाता है। महापौर प्रमिला पांडेय ने बताया कि कार्यकारिणी ने सामान हटाने और तैयारी के लिए निशुल्क सहमति दी है और प्रस्ताव पास कर दिया है। अब यह सदन में जाएगा। पार्षद कोटे के 20 लाख के 7 कार्यों के लिए कार्यकारिणी ने स्वीकृति दी है हालांकि यह सभी कार्य हो चुके हैं इसपर भी सदन में चर्चा होगी। इसके साथ ही गृहकर को लेकर चल रहे विवाद पर भी हंगामा होने के आसार है।

- एक सितंबर को हुई कार्यकारिणी की बैठक में रखे प्रस्ताव व टेबुल प्रस्तावों पर चर्चा
- नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के आने के बाद पहली बाद होगा सदन, ठप हैं कार्य

नगर निगम की संपत्तियों पर भी होगी चर्चा

- नगर निगम पार्क, रैन बसेरा, बारातशाला जो भी गोद दिए गए हैं नगर निगम सबको कब्जे में लेगा। जो ठेका दिया गया है वह सभी कैंसिल कर दिया गया है। 1200 पार्कों की सूची मांगी जा रही है। सभी को नगर निगम अपने नाम दर्ज कराएगा। अधिकारी सदन में अपनी रिपोर्ट देंगे। नामकरण के कई प्रस्ताव पिछली बैठक में पास किए गए हैं उसपर भी सदन की सहमति होनी है।

मकानों में दुकानें चलाने पर 150 लोगों को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केडीए की ओर से शहर के लगभग 150 व्यावसायिक स्वामियों को नोटिस दिया गया है। यह नोटिस ऐसे भवन मालिकों को दिया गया है जो अपने आवासीय भूखंड पर व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। नोटिस में उन्हें यह बताया गया है कि जिस भवन में वे व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे हैं असल में वह आवासीय प्लॉट हैं। व्यापारिक संगठनों की ओर से नोटिस दिए जाने को गलत बताया है। उनका कहना है कि इसका रणनीति बनाकर अधिकारियों से सामना किया जाएगा।

केडीए की ओर से सबसे ज्यादा नोटिस जोन एक व चार में दी गई हैं। यह मुख्य रूप से शहर व शहर के दक्षिण इलाकों मे आते हैं। खासतौर पर नोटिस की जद में 24 मीटर या उससे अधिक सड़क से लगी हुई प्रॉपर्टी के मालिकों को लाया गया है। केडीए उनसे शमन शुल्क की मांग कर रहा है। यह नोटिस शहर के कई प्रतिष्ठित गेस्ट हाउस, शोरूम और कॉमर्शियल कार्यालयों का अपने भवन में संचालन करने वाले भवन मालिकों को दिया गया है। उधर नोटिस हासिल होने के बाद भवन मालिकों में केडीए के प्रति आक्रोश व्याप्त है। शहर में व्यापारिक बैठकों के बीच यह मामला काफी चर्चा में बना हुआ है। भवन मालिकों ने यह मामला व्यापारिक संगठनों तक भी पहुंचा है। अब व्यापारिक संगठन नोटिसों का जवाब देने की तैयारियों में लगे हुए हैं। व्यापारी प्रतिनिधियों का कहना है कि नोटिस के जरिए अचानक शमन शुल्क मांगा जाना नियम से परे हैं। लंबे समय बाद अब अधिकारियों को इल भवनों से शमन शुल्क वसूले जाने की बात कही जा रही है। व्यापारियों ने यह भी कहा कि यह पुराने अधिकारियों की नाकामी है जो इतने लंबे समय से व्यापारियों को इस तरह से किसी नियम की जानकारी नहीं दी गई। अब जब लंबा समय हो गया है तब केडीए अधिकारियों को शमन शुल्क याद आ रहा है। प्रदेश प्रभारी एवं अध्यक्ष कानपुर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल कपिल सब्बरवाल ने कहा कि केडीए की ओर से नोटिस भेज कर शहर के प्रतिष्ठित और स्थापित व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। इसे किसी भी दशा में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- व्यापारियों में उबाल, बोले रणनीति बनाकर करेंगे विरोध
- केडीए ने शमन शुल्क मांगा, पूरे शहर में ऐसे हजारों भूखंड

डंपर ने टक्कर मार पल्लेदार को कुचला

कानपुर। बिधनू में तेज गति डंपर ने बाइक सवार पल्लेदार को टक्कर मार दी। सड़क पर गिरने पर पीछे से आए दूसरे डंपर ने कुचल दिया। नौबस्ता के दयालपुरम निवासी स्व. राजकुमार का 30 वर्षीय बेटा अर्जुन गुप्ता गल्लामंडी में पल्लेदारी करता था। परिवार में मां राममूर्ति व दो भाई अनुज और रामजी हैं। बड़े भाई अनुज ने बताया कि मंगलवार रात पौने नौ बजे अर्जुन मंडी से बाइक से घर के लिए निकला था। रास्ते में उजियारी चौराहा के पास खड़ा था, तभी पीछे से आए डंपर ने टक्कर मार दी। जिससे वह बाइक से सड़क पर गिर गया। टक्कर मारने वाला डंपर भाग निकला, तभी पीछे से आए दूसरे ने उसे कुचल दिया। सूचना पर पुलिस ने उसे समीप के अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर पर परिजनों में कोहराम मच गया।

पनकी में शराबी डंपर चालक ने दो युवकों को रौंदा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पनकी भवसिंह प्लांट के सामने बुधवार सुबह डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को पीछे से टक्कर मारकर रौंद दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने भाग रहे डंपर का पीछा कर चालक को दबोच लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजा। दोनों युवक पनकी स्थित पान-मसाला फैक्ट्री में नौकरी करते थे और ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे।

कानपुर देहात के शिवली लालपुर निवासी 20 वर्षीय धनंजय सिंह और 18 वर्षीय हिमांशु पनकी स्थित पान-मसाला फैक्ट्री में पैकिंग का काम करते थे। परिजनों के अनुसार बुधवार सुबह दोनों 8.05 पर फैक्ट्री से घर के लिए निकले थे। 20 मिनट बाद भवसिंह प्लांट के पास पीछे से आ रहे तेज गति डंपर ने बाइक में टक्कर मारी और रौंद दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद भाग रहे चालक को आसपास के लोगों ने दौड़ाकर पकड़ा और पुलिस के हवाले किया। धनंजय के बड़े भाई धर्मेंद्र ने बताया कि वह भी फैक्ट्री में काम करते हैं। भाई के साथ ही दूसरी बाइक से निकले थे, लेकिन आगे चले गए थे। उनके साथ गांव का दूसरा लड़का छोटू था। गांव पहुंचने पर पुलिस ने हादसे की खबर दी। धनंजय तीन भाइयों में छोटा था और पिता शिवपाल की मौत हो चुकी है। परिवार में मां कांती, बड़े भाई संजय व धर्मेंद्र हैं। वहीं हिमांशु भी धनंजय का पारिवारिक है और चार भाइयों में बड़ा था। उसके पिता रामआसरे मजदूरी करते हैं। हादसे की खबर पर मां लक्ष्मी बेसुध हो गई। भीड़ का आरोप है कि शराब के नशे में वाहन चला रहा था।

पोस्टमार्टम हाउस पर हादसे की जानकारी देते परिजन। अमृत विचार

- पनकी के भवसिंह प्लांट के सामने मारी टक्कर, नशे में चला रहा था डंपर
- भीड़ ने डंपर चालक को घेरकर पकड़ा, ड्यूटी से लौट रहे थे दोनों युवक

धनंजय सिंह।

हिमांशु।

बेलगाम भागते हैं मौरंग लदे डंपर

धर्मेंद्र ने बताया कि भाई धनंजय उनके साथ ही निकला था, इसलिए हादसे का यकीन ही नहीं हुआ। बिलखते हुए कहा कि रोज भाई के साथ ही जाता था, आज आगे निकल गया। साथ होता तो उसे बचा लेता। धर्मेंद्र के अनुसार मौरंग लदे सभी डंपर बेलगाम और बेतरतीब दौड़ते हैं। चालक गति नहीं धीमी करते हैं और नशे में ड्राइविंग करते हैं। पनकी पुलिस ने मौरंग लदा डंपर कब्जे में लिया है।

गहने का झांसा दे सर्राफ से 10 लाख ठगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चांदी के थोक कारोबारी को गुजरात के शातिर ने 10 लाख की चपत दी। दीपावली पर 25 लाख के चांदी के गहने भेजने का झांसा देकर 10 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराया और माल नहीं भेजा। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

दस ब्लॉक निवासी जितेंद्र कुमार चौक में चांदी का थोक कारोबार करते हैं। उन्होंने बताया कि सराफा कारोबारी के एक व्हाटसअप ग्रुप से वह जुड़े हैं। गुजरात के राजकोट का रहने वाला मनीष छगनभाई मकवाना भी जुड़ा हैं। मनीष छगनभाई ने अक्टूबर माह में कुछ गहनों की फोटो उसी ग्रुप पर भेजी थीं। पसंद आने पर उससे व्यापार के सिलसिले में बातचीत हुई। इसके बाद उसने 25 लाख के माल भेजने का वादा किया। बातचीत में उसने कहा कि दीपावली होने के कारण कम से कम 10 लाख रुपये का भुगतान कर दें। 15 लाख रुपये का भुगतान बाद में हो जाएगा। कारोबारी के अनुसार उसकी बात पर भरोसा करके 17 अक्टूबर को 10 लाख रुपये का आरटीजीएस कर दिया। इसके बाद जब माल नहीं आया तो उसे संपर्क किया, लेकिन मोबाइल स्विचऑफ मिला। जो रुपये खाते में जमा किए थे, वह अगले दिन एक साथ निकाल लिए गए।

- गुजरात के शातिर ने चांदी के थोक कारोबारी को बनाया शिकार

बीएलओ गीता देवी और मंजूषा देवी का सम्मान किया गया। अमृत विचार

हाथ टूटा, पर आठ दिन पहले पूरा किया काम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र की दो बीएलओ ने अपने दायित्व का निर्वहन समय से पहले कर एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया। बूथ संख्या 423 हजरतपुर की बीएलओ गीता देवी और बूथ संख्या 454 सिकटीहा की बीएलओ मंजूषा देवी ने अपने-अपने बूथों पर गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत वितरण, संग्रह और बीएलओ एप के माध्यम से डिजिटाइजेशन का कार्य अंतिम तिथि से आठ दिन पूर्व ही पूर्ण कर लिया। गीता देवी के हाथ में फ्रैक्चर है फिर भी वह सक्रिय रहीं। दोनों बीएलओ को सम्मानित किया गया। इस कार्य में गीता देवी का योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा। 7 नवंबर को उनके हाथ में गंभीर चोट लगने से फ्रैक्चर हो गया था, इसके बावजूद उन्होंने अवकाश लेने के बजाय लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई और कार्य को समयबद्ध रूप से पूरा किया। दोनों बीएलओ के उत्कृष्ट कार्य पर एसडीएम नर्वल विवेक मिश्रा ने तहसील सभागार में उन्हें सम्मानित किया। उन्हें बीएलओ ऑफ द डे चुना गया। इस उपलब्धि पर जिला निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने उन्हें बधाई दी।

सहायक आयुक्त से स्पष्टीकरण तलब: जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने एसआईआर कार्य में रुचि न लेने और पर्यवेक्षण में शिथिलता पाए जाने पर सहायक आयुक्त वाणिज्य कर, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विराट प्रताप सिंह से स्पष्टीकरण तलब किया है। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को आर्यनगर विधानसभा क्षेत्र के मतदेय स्थल संख्या 131 से 187 तक के कार्यों के पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी दी गई थी।

- गीता देवी और मंजूषा देवी बनीं बीएलओ ऑफ द डे

नई पहल

मुखबिरतंत्र की मजबूती के लिए चौकीदारों को पहनाई पगड़ी और किया सम्मान

चौकीदार होशियार, जागते रहो और आंखें रखो हजार

शैलेश अवस्थी, कानपुर

अमृत विचार। अरसे बाद बुधवार को जिले के सैकड़ों गांवों में तैनात चौकीदारों को पुलिस लाइन में आमंत्रित कर उन्हें उनके दायित्वों और कर्तव्यों से अवगत कराते हुए सक्रियता बढ़ाने को कहा गया। चौकीदारों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया, जैकेट और आवश्यक सामग्री भी वितरित की गई। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें साथ जलपान और फिर भोजन भी करवाया। बड़े पुलिस अफसरों के बीच अपने लिए ऐसा सम्मान और व्यवहार देख चौकीदार गदगद दिखे और जीतोड़ मेहनत कर कंधे से कंधा मिलाकर साथ काम करने का भरोसा दिलाया। कुल 703 में 389 चौकीदार मौजूद रहे।

पुलिस आयुक्त रघुवीरलाल ने कहा कि ग्राम पुलिसिंग में चौकीदार बेहद मजबूत कड़ी है। अपने तय दायित्व के तहत वे अपने गांव क्षेत्र की निगरानी रखें, अवैध गतिविधियों की सूचना तत्काल थाने को दें। गोपनीय सूचना क्षेत्र पुलिस या फिर तत्काल उच्च अधिकारियों को दें। पुलिस के साथ ही बीएलओ और राजस्व विभाग के भी संपर्क में रहें। चल रहे मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के मद्देनजर यह महत्वपूर्ण है। अपने रजिस्टर में घटनाओं का विवरण दर्ज करते रहें। जरूरी रजिस्टर और अभिलेख सुरक्षित रखें। आने-जाने वाले अनजान लोगों पर नजर रखें और सूचना दें। अपराध की रोकथाम में उनकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। दिल्ली ब्लास्ट के बाद चौकीदारों का यह सम्मलेन बेहद अहम माना जा रहा है। पुलिस के कमजोर पड़ते मुखबिर तंत्र के मद्देनजर चौकीदार मजबूत कड़ी बन सकते हैं। इस मौके पर संयुक्त पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार, विनोद कुमार सिंह और पुलिस आयुक्त एसएम आबदी भी मौजूद रहे।

चौकीदारों को पगड़ी पहनाते पुलिस कमिश्नर। अमृत विचार

703	चौकीदार हैं कानपुर जिले में कुल
389	चौकीदार मौजूद रहे समारोह में
50	पैसे वेतन था 1952 में चौकीदारों को

अंग्रेजों की हुकूमत से है यह व्यवस्था

- अंग्रेजों की हुकूमत के दौरान आवागमन के इतने साधन-वाहन और संचार व्यवस्था नहीं थी। थाने गांवों से कई किलोमीटर दूर होते थे। तब चौकीदारों का जलवा और बड़ी भूमिका होती थी। सूचना के लिए पुलिस इन पर निर्भर होती थी। गांव के मुखिया और चौकीदार वहां के सर्वेसर्वा होते थे। 1952 में चौकीदार का वेतन अठन्नी और फिर रुपइया होता था।

पुलिस रेगुलेशन में इनके दायित्व

- 1861 में पुलिस के गठन के साथ आईपीसी बनी। रेगुलेशन के पैरा 89 से 96 तक चौकीदारों के दायित्वों की व्याख्या है। इसके मुताबिक चौकीदार को एक पेटी में क्राइम रिकार्ड, हाजिरी तख्ता, जीवन-मृत्यु रजिस्टर और अन्य अभिलेख रखने होंगे जो जरूरत पर पेश करने होंगे। वह थानेदार के संपर्क में रहते हुए सूचनाएं देते रहेंगे और गांव की देखरेख करेंगे। अब चौकीदार का वेतन बढ़ा है। इनकी नियुक्ति जिलाधिकारी करते हैं।

> चौकीदार पुलिस सिस्टम की पुरानी और महत्वपूर्ण व्यवस्था है। इनके सक्रिय रहने से अपराध रोकथाम में बहुत सहयोग मिल सकता है। अब कमिश्नर साहब के निर्देश पर इन्हें तेजी से सक्रिय किया जा रहा है और थानेदारों को निर्देश है कि इनके संपर्क में रहें।
>
> आशुतोष कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

सिटी ब्रीफ

39 भूखण्डों का लाटरी के माध्यम से आवंटन

कानपुर। कालपी नगर योजना के आवंटित विवाद ग्रसित भूखंडों के सापेक्ष बुधवार को केडीए ने 39 भूखण्डों का लाटरी के माध्यम से आवंटन कर दिया। योजना में भूखण्ड विवाद हो जाने के कारण आवंटियों को कब्जा प्राप्त नही कराया जा सका था। ऐसे आवंटियों की समस्या के दृष्टिगत उपाध्यक्ष मदन सिंह गब्र्याल ने योजना में समस्त विवाद ग्रसित भूखण्डों को सूचीबद्ध कराया था। विवाद वाले कुल 39 भूखण्डों के सापेक्ष 39 नये भूखण्ड सृजित किये गये। टाईप-बी, सी तथा ई श्रेणी के नवसृजित 39 भूखण्डों के आवंटियों को बुधवार को लाटरी के माध्यम से आवंटित कर दिया गया। कालपी नगर योजना में समस्त विवाद ग्रसित भूखण्डों के आवंटियों की समस्या का निराकरण हो गया। लाटरी में विशेष कार्याधिकारी सत शुक्ला, सहायक अभियंता दिनेश कुमार, प्रथम श्रेणी लिपिक दिनेश बाजपेई आदि रहे।

प्रेमी पर बेटी से दुष्कर्म का आरोप

कानपुर। मूलरूप से दिल्ली पश्चिमी नजबगढ़ निवासी महिला के अनुसार करीब 15 साल पहले उसका विवाह हुआ था। आठ साल बाद पति ने उसे छोड़ दिया, लेकिन बेटा अपने साथ ले गया। इस पर वह बेटी को लेकर जाजमऊ में आकर रहने लगीं। इस दौरान उनकी मुलाकात वहीं के रहने वाले अजीत नाम के युवक से हुई। कुछ दिन के बाद वह उनके साथ लिव इन में रहने लगी। आरोप है कि जब काम पर जाती तो प्रेमी उनकी 13 साल की नाबालिग बेटी का शारीरिक शोषण करता। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देता। बेटी ने एक दिन उन्हें घटना के बारे में जानकारी दी। पीड़ित मां ने जाजमऊ थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है। साथ ही पीड़िता का मेडिकल कराया गया है।

हादसे में अधेड़ की गई जान

कानपुर। बिठूर में तेज गति वाहन ने ठेला फेरी लगाने वाले दुकानदार को टक्कर मार दी। इलाज के दौरान उसकी डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नारामऊ नानकारी निवासी 50 वर्षीय जगदीश पाल मूंगफली का ठेला लगाते थे। परिवार में पत्नी व दो बच्चे मोहित व बऊआ हैं। परिजनों ने बताया कि मंगलवार शाम सात बजे वह ठेला लेकर घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में नारामऊ व मंधना के बीच किसी वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल हो अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हादसे की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया।

वृद्धा ने फांसी लगा कर दी जान

कानपुर। कर्नलगंज में बड़ी बहन के साथ रह रही वृद्धा ने अकेलेपन और मजबूरियों से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फंदे से शव लटका देख बहन चीख पड़ी। पहुंचे पड़ोसियों ने पुलिस को खबर दी और पोस्टमार्टम के बाद शव दफनवाया।

गम्मू खां हाता निवासी 60 वर्षीय वृद्धा भोली ने विवाह नहीं किया था। वह अपनी बड़ी बहन रफत के साथ रहती थीं। दोनों बहनों के अलावा परिवार में कोई नहीं है। मोहल्ले के भाजपा वार्ड अध्यक्ष इराजुल हसन ने बताया कि बुजुर्ग होने के कारण दोनों बहनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। भोली अस्वस्थ भी रहती थीं। इसी से परेशान होकर मंगलवार रात अंगौछा से उन्होंने फांसी लगा ली। सुबह बहन का शव फंदे से लटका देखकर रफत ने अंगौछा काटकर शव नीचे उतारा और पुलिस को खबर दी।

मारपीट, तोड़फोड़ के तीन आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के नई शिवली रोड पर स्थित मां चाइल्ड केयर हास्पिटल में घुसकर संचालक मनीष वर्मा और सहयोगी रितिक कटियार के साथ मारपीट और हास्पिटल में तोड़फोड़ के आरोपी बेबी पैराडाइज हास्पिटल के संचालक के फरार साथी पवन राजपूत,सुमित यादव उर्फ गोलू और अनुज कनौजिया को बुधवार को गिरफ्तार पुलिस ने जेल भेज दिया।

जवाहर नगर निवासी मनीष कुमार वर्मा सोमवार देर रात नई शिवली रोड पर स्थित अपने हॉस्पिटल मां चाइल्ड केयर में अपने मित्र रितिक कटियार और स्टाफ के साथ बैठे थे। तभी उनके पूर्व पार्टनर और बेबी पैराडाइज हास्पिटल के संचालक अमित कनौजिया अपने साथी सुमित उर्फ गोलू यादव, पवन राजपूत और अनुज कनौजिया करीब 30 अन्य साथियों के साथ अस्पताल पहुंचे और गाली गलौज करते हुए ऑफिस का गेट तोड़कर उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने मनीष वर्मा और रितिक कटियार पर बेल्ट, लात-घूंसों और लोहे की कुर्सी से हमला जिससे युवक का सिर फट गया, वहीं अस्पताल में मौजूद मेडिकल उपकरण, काउंटर, शीशे का गेट और अन्य सामान तोड़ दिया। घटना में मनीष वर्मा और रितिक कटियार को काफी चोट आई थी वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपित फरार हो गए। मारपीट और तोड़फोड़ की घटना के कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। मामले में चार नामजद और तीस अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने मंगलवार को मुख्य आरोपित बेबी पैराडाइज हास्पिटल संचालक अमित कनौजिया के खिलाफ कार्रवाई की। बुधवार को बाकी अन्य नामजद सुमित उर्फ गोलू यादव, पवन राजपूत और अनुज कनौजिया को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। कल्याणपुर थाना प्रभारी राजेंद्र कांत शुक्ला ने बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये टीमें गठित की गईं है।

खुले नाले में गिरने से तीन साल की बच्ची की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जाजमऊ में बैडमिंटन खेल रही तीन वर्षीय बच्ची की खुले नाले में गिरकर मौत हो गई। शोर सुनकर मोहल्ले के युवक ने किसी तरह बच्ची को नाले से निकाला और अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एसीपी कैंट, जाजमऊ पुलिस ने जांच-पड़ताल की। हालांकि बच्ची के परिजनों व नाले की देखरेख करने वाली कपंनी के बीच समझौता हो गया है। मूलरूप से लखनऊ के मोजमनगर निवासी जकी अहमद जाजमऊ स्थित एक चमड़ा फैक्ट्री में काम करता है। परिवार में पत्नी मुस्तरा और चार बेटियों अलीवा, अलीशा, तीन वर्षीय सानिया व अलफिजा के साथ बुढ़ियाघाट पर रहता है। बुधवार शाम को सानिया दो बच्चों के साथ घर के वाहर बैडमिंटन खेल रही थी। तभी सानिया के हाथ से बैडमिंटन छूटकर नाले में जा गिरा। बैडमिंटन उठाने के चक्कर में सानिया का पैर फिसल गया और नाले में जा गिरी। यह देख बच्चों ने भागकर घटना की जानकारी सानिया की मां को दी। उसकी मां मुस्तरा ने शोर मचाया। मोहल्ले के सलमान ने नाले में कूदकर उसे बाहर निकाला। लोग उसे समीप के निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने सनिया को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एसीपी कैंट आकांक्षा पांडेय, जाजमऊ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। थाना प्रभारी जाजमऊ जितेंद्र सिंह ने बताया कि बच्ची के परिजनों व जटेटा कंपनी के अधिकारियों के बीच समझौता हो गया।

इसी खुले नाले में गिरी बच्ची। अमृत विचार

डायरेक्टर को फटकारतीं एसीपी कैंट। अमृत विचार

- शिकायत के बाद भी नाले पर नहीं उठवाई जाली-दीवार
- एसीपी कैंट ने की जांच-पड़ताल परिजनों में मचा कोहराम

एसीपी ने डायरेक्टर को फटकारा

- सानिया की मौत की सूचना पर पहुंची एसीपी कैंट आकांक्षा पांडेय ने मौके पर जांच की। लापरवाही मिलने पर उन्होंने मौके पर मौजूद जटेटा के डायरेक्टर रिजवान नादरी को जमकर फटकारा। साथ ही दो दिन का समय देते हुए नाले के आसपास बाउंडीवाल कराने की बात कही।

करीब बारह फिट गहरा है नाला

- क्षेत्रीय लोगों के अनुसार नाला करीब दस से बारह फीट गहरा है। इस नाले से फैक्टियों से निकलने वाला गंदा पानी ट्रीटमेंट प्लांट में जाता है।

पहले भी गिर चुका है एक बच्चा

- सानिया के पिता जकी अहमद ने बताया कि इससे पहले में भी एक बच्चा नाले में गिर गया था। जिसके बाद से क्षेत्रीय लोगों ने कई बार इसकी शिकायत अधिकारियों से की, लेकिन नाले के आसपास न तो जाली लगवाई और न ही दीवार खड़ी कराई। अगर नाले के बगल में जाली-दीवार होती तो मेरी बच्ची बच जाती।

पटाखे की चिंगारी से प्लास्टिक गोदाम खाक

10 दमकल गाड़ियों ने तीन घंटे में आग पर पाया काबू ,गोदाम में नहीं मिले आग से बचाव के उपकरण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हनुमंत विहार में बुधवार दोपहर पटाखे की चिंगारी से रिहाइशी इलाके में प्लास्टिक गोदाम में भीषण आग लग गई। आग की लपटें उठती देख लोग घरों से निकलकर बाहर भागे और दमकल के साथ पुलिस को सूचना दी। करीब आधे घंटे बाद किदवईनगर, फजलगंज, पनकी फायर स्टेशनों से 10 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दमकल कर्मियों ने बताया कि गोदाम में आग से बचाव का कोई सुरक्षा उपकरण नहीं था।

खाड़ेपुर के बजरंग विहार निवासी रंजीत सिंह भदौरिया तीन मंजिला मकान में प्लास्टिक रैपर का गोदाम बनाए हैं। मकान की छत पर रैपर का ढेर जमा रहता है। गोदाम और रंजीत के घर के बीच में स्थित मकान में रहने वाले पुत्तन सिंह भदौरिया के बेटे भानू की सोमवार को फतेहपुर बारात गई थी। मंगलवार दिन को शुभ न मानकर बुधवार दोपहर बहू विदा होकर घर आई तो परिजन घर के बाहर आतिशबाजी करने लगे। पटाखे की चिंगारी तीसरी मंजिल की छत पर जमा पन्नी के ढेर पर जा गिरी और लपटें उठने लगीं। लोग कुछ समझ पाते तब तक आग ने तीनों खंड को अपनी चपेट में ले लिया। करीही रोड में जाम लगा होने के कारण दमकल गाड़ियां संकरी गलियों से होते किसी तरह मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि दमकल की दस गाड़ियों ने आग पर काबू पाया है। पटाखे की चिंगारी से आग लगी थी।

खाड़ेपुर में प्लास्टिक रैपर गोदाम में उठतीं लपटें। अमृत विचार

कबाड़ के गोदाम में लगी आग।

आग से ढही ऊपरी मंजिल की छत

- तीन मंजिला गोदाम के तीनों खंडों के साथ छत पर भी प्लास्टिक का ढेर लगा था। जिसके चलते कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण किया। छत पर प्लास्टिक की मात्रा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्लास्टिक जलकर राख होती, उससे पहले ही तीसरे खंड की छत आग की तपिश से ढह गई। आग से पड़ोसी सुरेश बाजपेई के घर की दीवारें भी दरकीं और टंकी, पाइप आदि जल गए।

खुशियों के बीच महिलाएं रो पड़ीं

- नई बहू आने की खुशियां मना रहे परिजन आग लगने के बाद डरे व सहमे नजर आए। महिलाएं घरों से निकलकर बाहर भागीं और गृहस्थी का सामान जलने से बिलखती नजर आईं।

कबाड़ के 12 गोदाम व दो झोपड़ियों में लगी आग

- **कानपुर।** अफीम कोठी के पास राखी मंडी में बुधवार तड़के कबाड़ के 12 गोदाम व दो झोपड़ियों में आग लगने से अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंची फायर स्टेशन की 10 दमकल ने ढाई घंटे मशक्कत कर आग पर काबू पाया। व्यापारी राख के ढेर में सामान तलाशते रहे। इससे पहले 2024 को भी इसी राखी मंडी में आग लगी थी। तब करीब 60 गोदाम व झोपड़ियां जली थीं। राखी मंडी में करीब 40 साल से सैकड़ों परिवार झोपड़ी बनाकर रह रहे हैं। लेकिन उन झोपड़ियों के बीच दर्जनों कबाड़ के गोदाम भी हैं। बुधवार तड़के 4 .30 बजे एक गोदाम में आग लगी। इसके बाद देखते ही देखते लपटों ने आसपास की 11 और गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। चीख-पुकार मचने पर लोग झोपड़ियों से निकलकर बाहर भागे। करीब पांच बजे सूचना मिलने पर किदवई नगर, फजलगंज, कर्नलगंज, लाटूश रोड समेत अन्य फायर स्टेशनों से करीब 10 दमकल गाड़ियां पहुंचीं और आग बुझाना शुरू किया। ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से बिहार के मोतिहारी के रहने वाले इब्राहिम खान, नेक मोहम्मद के गोदाम समेत 12 गोदाम व दो झोपड़ी जल गई। किदवई नगर फायर स्टेशन के अधिकारी कामता प्रसाद ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। अगर आग बढ़ती तो कई और गोदाम चपेट में आ सकते थे।

दुधमुंहे को छोड़कर भागी पत्नी, पति फंदे से लटका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- डेढ़ साल पहले किया प्रेम विवाह नशे की लत के कारण हुआ विवाद

अमृत विचार। चकेरी में घरेलू कलह में गर्भवती पत्नी पति से विवाद के बाद दुधमुंहे बच्चे को छोड़कर घर से चली गई। आधे घंटे बाद लौटी तो पति को फंदे पर लटका पाया। युवक की बहन ने भाभी पर कलह का आरोप लगाया है।

लाल बंगला के काजी खेड़ा निवासी शिवानंद शर्मा का 25 वर्षीय बेटा मोनू चूड़ी की दुकान पर काम करता था। डेढ़ साल पहले उसने इलाके की पूजा से प्रेम विवाह किया था। परिजनों की नाराजगी के कारण वह पत्नी के साथ किराए पर रहता था। उनके एक 10 माह का बेटा अंश है और पत्नी गर्भवती भी है। पूजा के अनुसार पति के नशे की लत के कारण बुधवार सुबह विवाद हुआ था। वह डिलीवरी के लिए रखे पैसे ले जा रहे थे। मोनू को गुस्से में देखकर वह बाहर चली गई थी। लौटने पर फंदे पर लटका पाया। मोनू की बहन पिंकी ने आरोप लगाया कि आएदिन की कलह के कारण भाई परेशान था।

पोस्टमार्टम में भी भिड़े परिजन

- पिंकी ने भतीजे अंश को जब पूजा को देने से मना किया तो पोस्टमार्टम हाउस पर भी उनके बीच जमकर कहासुनी हुई। पिंकी ने कहा कि अगर पूजा बच्चे को छोड़कर न भागती तो उनका भाई जिंदा होता। अंश हमारे परिवार का है, इसलिए अब वह उनके साथ रहेगा। दोनों पक्षों में कहासुनी होती देख अन्य परिजनों ने उन्हें किसी तरह समझाकर शांत कराया।

पोस्टमार्टम हाउस पर अंश को लिए परिजन। अमृत विचार

मत्स्य विभाग की महानिदेशक के धनलक्ष्मी ने किया निरीक्षण। अमृत विचार

सोलर पैनल के साथ कैमरों को बढ़ाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मत्स्य विभाग की महानिदेशक ने देखी कान्हा गौशाला
- गोवंशों को गुड़ और मिठाई खिलाई, पौधा लगाया

अमृत विचार। मत्स्य विभाग की महानिदेशक व नोडल अधिकारी के धनलक्ष्मी ने बुधवार को नगर निगम द्वारा संचालित की जा रही कान्हा गौशाला, किशनपुर का निरीक्षण किया। गौशाला में विद्युत आपूर्ति के लिए सोलर पैनल लगाये जाने के साथ सीसीटीवी कैमरों की संख्या में वृद्धि किये जाने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त, अर्पित उपाध्याय, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, डॉ. चतुर्वेदी, डॉ. अनिल गहलोत, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके निरंजन के साथ गौशाला प्रभारी केयरटेकर ऋषीकेश आदि रहे। नोडल अधिकारी ने गौ-पूजन के साथ ही गोवंशों को गुड़ व मिष्ठान खिलाया। इसके बाद गौशाला में बनी 9 ग्रीन बेल्ट में से ग्रीन बेल्ट नं. 1 में पौधारोपण किया। उन्होंने गौशाला में बन रहे गौ-उत्पादों गौ-मय दीपक, गौ-काष्ठ, मूर्ति, वर्मीकम्पोस्ट का अवलोकन किया। नगर आयुक्त ने उन्हें बताया कि कान्हा गौशाला, किशनपुर उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी गौशाला है और यह आईएसओ प्रमाणित है। गौशाला में इस समय 5693 गौवंश संरक्षित है, जिनके खान-पान हेतु पर्याप्त मात्रा में भूसा, चोकर व हराचारा उपलब्ध है। इस समय गौशाला में 10500.00 कुंतल भूसा एवं 35 कुंतल चोकर उपलब्ध है। गौशाला में प्रतिदिन 300-350 कुंतल हराचारा लाया जाता है।

सुविधा | केडीए की जूही कला योजना डब्ल्यू ब्लाक केशवनगर में करीब पांच हजार वर्ग मीटर जमीन पर कब्जा

जूही में अवैध बसे लोगों को फ्लैट देने का ऑफर दिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केडीए की जूही कला योजना के तहत डब्ल्यू ब्लाक केशवनगर में करीब पांच हजार वर्ग मीटर जमीन पर कब्जा है। यहां वर्षो से लोग कच्चे-पक्के घर बनाकर रहते हैं। कोर्ट के आदेश के बाद भी केडीए जमीन को खाली नहीं करा पा रहा है। जिसके बाद अब केडीए ने यहां अवैध रूप से रह रहे लोगों को अपनी ही योजना में फ्लैट का ऑफर दिया है। यहां सैकड़ों की संख्या में रह रहे परिवार केडीए से फ्लैट का आवंटन करा सकेंगे, आवंटन के साथ ही उन्हें नियमानुसार कब्जा भी देने की योजना है।

डब्लू ब्लाक जूही कला स्कीम-द्वित्तीय में भूखण्ड संख्या-439, 439बी एवं 440 कानपुर विकास प्राधिकरण की सम्पत्ति है, जिस पर कई व्यक्तियों द्वारा अवैध कब्जा कर निवास किया जा रहा हे। उच्च न्यायालय में पारित आदेश के तहत भूखण्डों पर रह रहे लोगों को प्राधिकरण की निर्मित योजनाओं में आवास देने के लिए केडीए को आदेशित किया गया है। भूखण्डों में रह रहे लोगों के हटाने के लिए केडीए ने विभिन्न योजनाओं में निर्मित रिक्त फ्लैटों के आवंटन का अवसर दिया है। शताब्दी नगर सुलभ आवास टाईप-3 यमुना, मन्दाकिनी, रामगंगा इन्क्लेव, रामगंगा इन्क्लेव टाईप-1, टाईप-3 गंगा, टाईप-2 हिमगिरी, नीलगिरी, सरस्वती में फ्लैट देने की ऑफर दिया है। यहां 27 वर्गमीटर से 34.60 वर्गमीटर तक के फ्लेट बने हैं। जिसकी कीमत 9.40 लाख से 18.20 लाख तक हैं। केडीए के अधिकारियों के अनुसार नियमानुसार काबिज लोग यहां फ्लैट ले सकेंगे। बता दें कि स्थानीय लोग भी बस्ती को खाली कराना चाहते है इसको लेकर लगातार अधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं, ताकि बस्ती को खाली कराया जा सके। केडीए के अधिकारियों के अनुसार जमीन की कीमत 50 करोड़ रुपये है।

केडीए की रामगंगा इन्क्लेव टाईप-1 योजना में बने फ्लैट। अमृत विचार

- कोर्ट के आदेश पर भी खाली नहीं करा पा रहा जमीन, अब अपनी योजना में बने फ्लैटों में दिया मौका

30 तक मौका, उसके बाद चलेगा अभियान

- केडीए के सचिव अभय कुमार पांडेय के अनुसार मोतीझील परिसर में फ्लैट आवंटन के लिए आवेदन पत्र किया जा सकता है। 30 नवंबर तक स्थानीय काबिज लोग आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद नियमानुसार केडीए जमीन को खाली कराने की कार्रवाई को आगे बढ़ाएगा। केडीए इससे पहले भी बस्ती को खाली कराने की कार्रवाई कर चुका है लेकिन लोगों के विरोध के बीच बस्ती को खाली नहीं कराया।

संदिग्ध हालात में दो युवकों की मौत

कानपुर। चकेरी जवाहरपुरम निवासी 38 वर्षीय ज्ञानदीप सिंघल अविवाहित और अकेला रहता था। वंदना के पति आलोक ने बताया कि मोहल्ले के लोगों ने 23 नवंबर को ज्ञानदीप को देखा था। उसके बाद किसी ने नहीं देखा। संदेह होने पर लोगों ने उन्हें खबर दी। मंगलवार सुबह वह कमरे पर पहुंचे तो दरवाजा खटखटाने पर कोई जवाब नहीं मिला। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव निकलवाया। पुलिस के अनुसार ठंड के कारण मौत की आशंका है। वहीं गोविंदनगर में रायबरेली के इचौली गांव निवासी 35 वर्षीय रामजीवन की मौत हो गई। बड़े भाई रामसमुझ ने बताया कि रामजीवन दादानगर में रहकर पल्लेदारी करता था। मंगलवार रात वहीं फुटपाथ पर सो गया था, जहां बुधवार सुबह मृत मिला।

फैक्ट्री में बॉयलर फटने से कर्मचारी की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ओवरटाइम करते समय मंगलवार रात आठ बजे हुआ हादसा

अमृत विचार। हनुमंत विहार में साइकिल फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मजदूर की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल दूसरे साथी का आईसीयू में इलाज रहा है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

सुनील कुमार।

राजेंद्रनगर निवासी 42 वर्षीय सुनील कुमार बौधनगर स्थित पुष्पा साइकिल में काम करते थे। परिवार में पत्नी किरन व बेटा शिवा उर्फ सक्षम हैं। भाई अखिलेश ने बताया कि मंगलवार शाम को ड्यूटी खत्म होने के बाद सुनील ओवरटाइम करने लगे थे। इसी बीच रात करीब आठ बजे फैक्ट्री में अचानक बॉयलर फट गया। उसकी चपेट में आकर सुनील की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी विनोद सिंह गंभीर रूप से घायल है। जिसे समीप के निजी अस्पताल की आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है। घायल विनोद सनिगवां का रहने वाला है। हनुमंत विहार थाना प्रभारी ने बताया कि फैक्ट्री में बॉयलर फटने से कर्मचारी की मौत हुई है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

तारीख पर तारीख, पर स्मार्ट सिटी के कार्य आज भी अधूरे

कचहरी में मल्टीलेवल पार्किंग और खाऊ गली विकसित करने का कार्य पूरा नहीं हो सका, कन्वेंशन सेंटर बनकर तैयार पर हैंडओवर नहीं किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर स्मार्ट सिटी लि. के अधूरे कार्य को मार्च 2025 तक हर हाल में पूरे करना था, लेकिन आज भी कई कार्य पूर नहीं हुए हैं। कचहरी मल्टी लेवल पार्किंग, ब्रजेंद्र स्वरूप में खाऊ गली का कार्य अधूरा है। परमट मंदिर कॉरिडोर के दूसरे चरण का कार्य भी स्मार्ट सिटी के तहत करने की योजना थी, लेकिन यह कार्य भी पूरा नहीं हुआ है। इसी तरह चुन्नीगंज कन्वेंशन सेंटर का कार्य तो पूरा हो गया है लेकिन नगर निगम को हस्तांतरित नहीं हुआ।

कानपुर स्मार्ट सिटी लि. ने योजना के तहत 72 परियोजनाओं पर काम किया गया। इसमें 68 योजनाओं को पूरा किया जा चुका है। तहसील के पीछे कैंपस में कलेक्ट्रेट के पास मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कार्य जलनिगम की संस्था सीएंडडीएस कर रही है। पिछले दिनों एजेंसी सीएंडडीएस ने तय समय से 5 महीने और मांगा है। एजेंसी ने 14.8.2025 तक योजना का कार्य पूरा करने का दावा किया था। लेकिन आज भी कार्य पूरा नहीं हो सका है। बता दें कि 47.83 करोड़ रुपये से मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण होना है।

कचहरी परिसर में बन रही मल्टीलेवल पार्किंग। अमृत विचार

निर्माण कार्य में खामियां पकड़ीं

- कचहरी मल्टीलेवल पार्किंग के निर्माण में पिछले दिनों डीएम ने खामियां पकड़ी थीं। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने अपर जिलाधिकारी के नेतृत्व में 3 सदस्सीय कमेटी गठित की थी। इस कमेटी को जांच के दौरान कंक्रीट में मौजूद रिक्त स्थान व गुहायें मिलीं, बीम की आरसीसी भी बाहर फैली हुई मिली।

खाऊ गली ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क वीरान पड़ी है। अमृत विचार

बड़ी-बड़ी झाड़ियों और गंदगी में गुम हो गए कियोस्क

- ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क में फूड कोर्ट के लिए बनाए गये वेंडर कियोस्क बड़ी-बड़ी झाड़ियों और गंदगी में गुम हो गए हैं। योजना पूरी तरह ठप पड़ी है। दिनभर नगर निगम के बड़े अधिकारी यहां से निकलते हैं, लेकिन स्मार्ट फूड कोर्ट बनाने पर किसी का ध्यान नहीं है। कानपुर स्मार्ट सिटी की ओर से मोतीझील स्थित कारगिल पार्क के पास फूड कोर्ट बनाने की योजना थी। यहां 1.8 करोड़ रुपये से 60 कियोस्क बनाए जाने थे। इनमें 29 कियोस्क बनकर तैयार हुए, लेकिन फिर कियोस्क को ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क ले जाना तय किया गया था। लेकिन यहां 11 ही कियोस्क बनकर तैयार हुए। कई कियोस्क आज भी मोतीझील में सड़ रहे हैं। सरकारी धन का जमकर अधिकारियों ने दुरुपयोग किया।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

परमट कॉरीडोर में दूसरे चरण का काम आज भी शुरू नहीं हुआ। अमृत विचार

परमट मंदिर कॉरिडोर अभी अधूरा

- परमट मंदिर कॉरिडोर के प्रथम चरण का कार्य तो हो गये। लेकिन दूसरे चरण का कार्य आज भी अधूरा है। स्मार्ट सिटी मिशन का कार्यकाल खत्म होने के बाद नगर निगम ने चुप्पी साध ली है। जिससे भक्तों व स्थानीय लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत अभी आनंदेश्वर मंदिर धाम परमट का काम 6 करोड़ रुपये से किया गया है। वीआइपी रोड पेट्रोल पंप से मंदिर तक जाने वाले रास्ते के चौड़ीकरण के साथ ही नाले को पूरी तरह ढका गया है। पार्किंग की व्यवस्था और मार्ग पर लाइटें लगाई गई हैं। मंदिर के मुख्य गेट से मंदिर प्रांगण तक फुट टाइल्स भी लगाई गई हैं। दूसरे चरण में 2 करोड़ रुपये से मंदिर के आधुनिकीकरण का प्रस्ताव बनाया गया था। इसमें मंदिर मार्ग की दुकानों को शिफ्ट कर मार्ग को चौड़ा करने, अलग-अलग एंट्री व निकासी गेट बनाने के साथ ही ग्रीनपार्क चौराहे से मंदिर तक जाने वाले मार्ग का सुंदरीकरण होना है। ग्रीनपार्क चौराहे के पास ही एक बड़ा एंट्री गेट भी बनाया जाने का प्रस्ताव है। लेकिन आज भी यह कार्य अधूरे हैं।

श्याम नगर स्थित पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया के कार्यालय में बैठक करते पदाधिकारी।

बूथों पर पहुंच मतदाता सूची पुनरीक्षण का लिया जायजा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एसआईआर अभियान के तहत जिला प्रवासी अनूप अवस्थी ने छावनी विधानसभा में किया प्रवास

अमृत विचार। गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान को गति देने के उद्देश्य से बुधवार को भाजपा के जिला प्रवासी अनूप अवस्थी ने छावनी विधानसभा में प्रवास किया। उन्होंने सबसे पहले ऑक्सफोर्ड शक्ति केंद्र, श्याम नगर के विभिन्न बूथों पर पहुंचकर बूथ अध्यक्षों, बूथ प्रवासियों तथा बीएलए-2 के साथ अभियान की विस्तृत समीक्षा की।

अवस्थी ने बूथ स्तर पर चल रही मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रगति का जायजा लिया और प्रत्येक कार्यकर्ता को निर्धारित समयसीमा में लक्ष्य पूरा करने के लिए आग्रह किया। दोपहर में वह श्याम नगर स्थित पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया के कार्यालय पहुंचे, जहाँ विधानसभा वार रूम में प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनूप अवस्थी ने कहा कि हर बूथ पर हेल्प डेस्क स्थापित किया जाए, जहां नए मतदाता, स्थानांतरण, मृतक मतदाता हटाने सहित सभी प्रकार के फॉर्म भरवाने में लोगों को सहयोग मिल सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करें और कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से न छूटने पाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक बूथ पर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की एक टोली गठित कर सक्रिय रखा जाए, जिससे पुनरीक्षण कार्य में कोई भी लापरवाही न हो। इस दौरान पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया, महिला आयोग की सदस्य, मंडल अध्यक्ष आलोक वर्मा, विधानसभा संयोजक अर्जुन बेरिया, राघवेंद्र सिंह, संदीप भदौरिया आदि रहे।

जमीन आवंटन मामले में आज बैठक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पार्क की जमीन आवंटन के मामले में दाखिल जनहित याचिका में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रमुख सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग को केडीए द्वारा पार्क की जमीन आवंटित किए जाने के मामले की जांच के लिए टीम गठित करने आदेश दिए थे। शासन ने आवास सचिव बलकार सिंह और विशेष सचिव राजेश राय को जांच कमेटी का सदस्य बनाया है। इसके तहत आवास एंव शहरी नियोजन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में आवास एंव विकास परिषद लखनऊ स्थित सभागार में सुबह 12 बजे जांच समिति की बैठक बुलायी है। शासन ने कई बिंदुओं पर जवाब मांगा है। इसको तैयार करके केडीए अफसर ले जाएगे।

भूखंड किस आवासीय योजना में स्थित है और यह योजना कब विकसित की गयी थी? भूखंड किस श्रेणी का है और इसका भू उपयोग क्या है?, भूखंड से संबंधित योजना कब पूर्ण हुई थी और यह कब नगर निगम को हस्तानांतरित की गयी ? भूखंड 15 सितंबर 1998 को किसको आवंटित या लीज पर दिया गया था और किसके अनुमोदन से दिया गया? साक्ष्य सहित दिया जाए। उक्त लीज व आवंटन पर प्राधिकरण बोर्ड का अनुमोदन प्राप्त किया गया था? लीज व आवंटन अवधि क्या थी? यदि लीज अवधि समाप्त हो गयी तो उक्त भूखंड को वापस लेने के लिए क्या प्रयास किए गए? इन सभी के जवाब मांगे है। केडीए अफसर तैयार करने में जुटे हुए हैं।

मनोरमा एजुकेशन सेंटर में कार्यक्रम हुआ। अमृत विचार

बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

कानपुर। मनोरमा एजुकेशन सेन्टर गोविन्द नगर में कक्षा यूकेजी में बुधवार को रीडिंग काम्पटीशन आयोजित हुआ। जिसमें बच्चों ने प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने अंग्रेजी के कठिन से कठिन वाक्यों को पूरी सरलता से पढ़कर अपने आत्मविश्वास का परिचय दिया। स्कूल की प्रधानाचार्या भक्ति जुनेजा ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से बच्चों के रीडिंग स्कील्स, शब्दो के उच्चारण, स्पीकिंग स्कील्स, शब्दावली वीकैबुलरी में एक सुधार होता है।

पनकी में मालगाड़ी हो गई बेपटरी

कानपुर। पनकी में भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की साइडिंग लाइन पर बुधवार को लाइन शिफ्ट कर रही मालगाड़ी का एक टैंकर बेपटरी हो गया। अधिकारियों ने बताया कि टैंकर खाली था और इस लाइन पर कोई यातायात नहीं था।

बुधवार दोपहर एक मालगाड़ी तेल लेने डिपो की ओर जा रही थी। बीपीसीएल लाइन, भौंती खेड़ा के पास मालगाड़ी के पिछले हिस्से के एक वैगन के पहिए बेपटरी हो गए। लोको पायलट ने तुरंत मालगाड़ी रोक दी और नीचे उतरकर मौके पर जाकर देखा। इसकी सूचना रेलवे कंट्रोल रूम को दी गई। इस पर रेलवे अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। बताया गया कि मालगाड़ी एक से दूसरे ट्रैक पर जा रही थी तभी ट्रैक की गैपिंग में खामी की वजह से वैगन बेपटरी हो गया।

शपथ दिलाते मंडलायुक्त। अमृत विचार

संविधान दिवस पर मण्डलायुक्त ने दिलाई कर्तव्य पालन की शपथ

कानपुर। संविधान दिवस के अवसर पर मण्डलायुक्त के. विजयेन्द्र पांडियन ने मण्डलायुक्त कार्यालय सभागार में उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अधिवक्ताओं को संविधान प्रदत्त दायित्वों और मूल कर्तव्यों के निर्वहन की शपथ दिलाई।

मण्डलायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की आत्मा है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने कार्यों का निष्पादन पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता व संवेदनशीलता के साथ करें, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंच सके। अपर आयुक्त प्रशासन रेनू सिंह, अपर आयुक्त न्यायिक पूनम निगम सहित मण्डलीय कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं अधिवक्ता शामिल हुए।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD EHTISHAM से बदलकर EHAT RAM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-FARAHA, ADD-GRAM TIRGAWAN, POST-RAHIMABAD, DIST-LUCKNOW-227117 (U.P.)

सूचना

मैं अर्जुन कश्यप पुत्र समली, निवासी आसायस, उन्नाव, उ0प्र0 , मेरे आधार कार्ड व पैनकार्ड पर मेरा नाम अर्जुन कश्यप अंकित है जबकि पासपोर्ट पर मेरा नाम अर्जुन अंकित हो गया है। अतः पासपोर्ट में मेरा नाम अर्जुन के स्थान पर अर्जुन कश्यप अंकित किया जाय।

बेदखली सूचना

मेरे बड़े पुत्र आशिफ खान का चाल– चलन ठीक नही है और वह मेरे कहने सुनने में नही है। आशिफ खान के गलत कार्यो एवं व्यवहार के कारण मैंने उसे अपनी समस्त चल– अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आशिफ खान के किसी कार्य से मेरा सम्बन्ध नहीं है। **अबूशाद खान पुत्र मो.इदरीश खान निवासी ग्राम सुरौली, थाना गोसाईगंज जिला सुलतानपुर**

सूचना

मैं बबीता सिंह पत्नी ईश्वर सिंह, निवासिनी– ग्राम देवलसा,पोस्ट –जिवधारा थाना बखिरा जनपद संत कबीर नगर, मेरा हाईस्कूल अंकपत्र अनुकमांक–2721749 वर्ष 2014 वास्तव में खो गया है।

सूचना

यह कि मैरे पुत्र शिवम व पुत्र वधू मोहनी पत्नी शिवम का चाल चलन सही न होने कारण उनसे संबध विच्छेद करके अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया। अब उनके कार्यो की वह दोनो जिम्मेदार होंगे। मेरा कोई ताल्लूक वास्ता नही रहेगा। **शिवसिंह ऊर्फ शिवकुमार पुत्र मेवाराम निवासी सिखवापुर मौजा जैनपुर थाना ठठिया, जनपद कन्नौज**

सूचना

सर्व विदित हो कि मैं **रिहाना, फैजान अंसारी, मो. सूफियान पत्नी व पुत्र स्व. मो.अली** 193/19 **गौस गंज अमीनाबाद लखनऊ** ने अपने पुत्र/भाई मो.रिजवान से पूर्ण संबंध विच्छेद कर लिया है उनके द्वारा करे गये किसी कार्य से हम सबका कोई सरोकार नहीं होगा।

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ASHIF से बदलकर MD ASHIF रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-HAKIMUDDIN ADD-RAHIMABAD KAUDUHAR] PO-BAMHRAULI, DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ-211012 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ILYAS से बदलकर MOHD ILYAS BEG रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-LATE MOHD ISHAQ ADD-HOUSE No-6 MARWA APPERTEMENT, SARAI AAGHA MEER NADAN MEHAL ROAD DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम MOHAMMAD JAFAR था से बदलकर MO JAFAR रख लिया है। अब मुझे MO JAFAR के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MO JAMAL ADD-99 JODHEPUR POST-ATHEHA DIST- PRATAPGARH-230125 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD YOUSUF से बदलकर MOHD YUSUF रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHD AFAQ ADD-214 MUZAFFAR KHEDA SAROSA BHAROSA DIST-LUCKNOW-226008 (U.P.)

सार्वजनिक सूचना

मैं घोषणाकर्ता वसी अहमद आयु लगभग 65 वर्ष पुत्र स्वर्गीय नबी अहमद निवासी ग्राम साहिलामऊ, रहमान खेड़ा, मलिहाबाद पोस्ट–काकोरी तहसील व थाना मलिहाबाद जिला लखनऊ का निवासी हूं। मैं शपथ पूर्वक घोषणा करता हूं कि मैंने अपने पुत्र मुईद अहमद व उसकी पत्नी जेबा खान के बुरे बर्ताव वह आचार– व्यवहार से तंग आकर अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति एवं गृहस्थी के समान से पूर्ण रूप से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है। भविष्य में अपने पुत्र मुईद अहमद व उसकी पत्नी जेबा खान द्वारा किए गए किसी भी अच्छे या बुरे क्रिया कलापों व लेन–देन से मेरा वह मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं है। यह निर्णय मेरा है, जो मैंने बिना किसी जोर दबाव के भली–भांति सोच समझ कर लिया है। **घोषणाकर्ता – वसी अहमद, ग्राम साहिलामऊ रहमान खेड़ा, मलिहाबाद लखनऊ ऊ.प्र.**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरोज दुबे पुत्री श्री बाबूलाल दुबे निवासी गोरा बाजार पीएसी गेट के सामने का स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (एसआर नं.–7262) त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि के कारण निरस्त कर दिया गया तथा नये संशोधित स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र को विद्यालय से प्राप्त कर ले। यदि त्रुटिपूर्ण स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र आपके द्वारा या किसी अन्य के द्वारा प्रयोग में लाया जाता है तो इसकी स्वयं उसकी जिम्मेदारी होगी।

प्रधानाचार्य
संत कंवर राम इंटर कालेज
रायबरेली

सिटी ब्रीफ

दिल्ली में होंगे सम्मानित

कानपुर। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, स्टार्टअप एवं उद्यमी संघ की ओर से दिल्ली में 30 नवंबर को आयोजित होने वाले इंडिया एट 2047 कॉन्फ्रेंस में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के ब्रांड एंबेसडर डॉ सिधांशु राय को भारत के महारथी सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। आईबीएसईए के अध्यक्ष डॉ अंशुमान सिंह के अनुसार कॉन्फ्रेंस में देश एवं विदेश के 7 सौ से ज्यादा प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे। इस दौरान विकसित भारत 2047 पर चर्चा भी होगी। कार्यक्रम में देश के 50 विशिष्ट शख्सियतों का सम्मान होगा। डॉ सिधांशु राय ने जिला प्रशासन द्वारा गठित विजन कानपुर 2047 के समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा कानपुर का विजन डेवलप किया है।

डॉ. सिधांशु।

सिर उठाकर चलने का अधिकार दिया बाबा ने

कानपुर। बाबा साहब ने संविधान में ऐसी व्यवस्था की है कि बहुजन समाज के लोग भी सिर उठाकर चलते हैं। बुधवार को बी एस 4 कार्यालय लक्ष्मी पुरवा में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बी एस 4 के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू भारती ने कहा कि बाबा साहब ने भारत का संविधान लिखा ऐसी व्यवस्था की कि बहुजन समाज को भी जीने का अधिकार मिल गया। कानपुर मंडल के मुख्य प्रभारी संजय सिंह, फूलमती गौतम, रमेश, राजकुमार, ओम प्रकाश पेंटर, सुरे पूनम, शकुंतला, रानी बाल्मीकि, यशोदा आदि थे।

प्रदेश में सबसे ठंडा कानपुर

कानपुर। बुधवार को शहर पूरे प्रदेश में सबसे अधिक ठंडा शहर बना। सीएसए विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि शहर का न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस कम आंका गया। प्रदेश में दूसरे नंबर पर बाराबंकी रहा जहां का तामपान 7.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके बाद अलीगढ़ का तापमान 7.6 व मुजफ्फर नगर 7.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

जैन शोध पीठ में दीक्षाएं

कानपुर। सीएसजेएमयू में स्थित आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ के मुनिपुंगव सुधासागर महाराज ने संघस्थ पूज्य क्षुल्लक वरिष्ठसागर, विदेहसागर सहित 12 अन्य ब्रह्मचर्य साधक श्रावकों को दीक्षा दी। तीर्थक्षेत्र थूबौन जी मध्यप्रदेश में हुए आयोजन में तीर्थक्षेत्र पर लगभग 50 हजार श्रावक-श्राविकाओं मौजूद रहे। बताया गया कि कानपुर विश्वविद्यालय में आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ के वे मूल प्रेरणा स्रोत हैं| जिसमें इस समय जैन दर्शन एवं प्राकृत विषयों में शताधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं| श्रावक संस्कारों के निर्वाण में भी उनका महत्वपूर्ण अवदान है| इस दौरान शोध पीठ के प्रदीप जैन, सीए सुधीन्द्र जैन, महेंद्र कुमार कटारिया, सीए अरविंद कुमार जैन, विनीत जैन, आमोद जैन रहे।

समस्या अराजकता से परेशान व्यापारी बोले, सुविधा हो व्यवस्थित, जाम की बनते हैं वजह, खरीदारों को दुकानों तक आने में परेशानी

ई रिक्शों की अराजकता ने बिगाड़ी कल्याणपुर बाजार की चाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर बाजार में ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या अब बाजार को चलने में प्रभावित कर रहीं हैं। बाजार के व्यापारी इन रिक्शा की अराजकता से परेशान हो चुके हैं। उनका कहना है कि इन ई रिक्शा की वजह से दुकानों तक में खरीदारों को आने में परेशानी होती है। इसी तरह इन रिक्शों की अराजकता को व्यापारी जाम की सबसे बड़ी वजह बता रहे हैं।

कल्याणपुर बाजार में दोपहर बाद से ई रिक्शों की अराजकता को व्यापारियों ने कारोबार के बढ़ने में सबसे बड़ी बाधा बताया है। उनका कहना है कि इनकी अव्यवस्था से खरीदार अब बाजार आने से बचते हैं। व्यापारियों ने अव्यवस्था की एक वजह ई रिक्शा का कोई स्टैंड न होना भी बताया है। कहा कि स्टैंड या कोई चिन्हित स्थान न होने से रिक्शा चालक मनमाने तरीके से ईरिक्शा को बाजार में कहीं भी खड़ा करते हैं। इससे दुकानों तक में खरीदारों को पहुंचने में समस्या होती है। इसके अलावा रास्ता काफी कम होने की वजह से जाम की स्थिति हर समय बनी रहती है। जाम और खरीदारों के वाहन खड़ा करने की जगह न मिलने जैसी अराजकता की वजह से खरीदारों ने दूसरी बाजारों की ओर रुख करना शुरु कर दिया है। जिससे सिर्फ सहालग की बात की जाए तो औसत बिक्री से 20 फीसदी से अधिक की गिरावट बाजार में दर्ज की जा रही है। व्यापारियों ने कहा कि यदि इस समस्या का जल्द निराकरण नहीं किया गया तो बाजार में बिक्री का ग्राफ लगातार गिरता जाएगा।

सड़क पर आटो-ईरिक्शा का कब्जा। अमृत विचार

बाजार में ई रिक्शा की अराजकता की शिकायत कई अधिकारियों से की गई। बावजूद अब कोई निराकरण नहीं हो पाया। बाजार में सभी व्यापारी ई रिक्शा वालों की आराजकता से परेशान हैं। इससे बाजार में खरीदारी में लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। खरीदार अराजकता से बचने के लिए दूसरी बाजारों की ओर रुख कर रहे हैं।

-संदीप पाण्डेय, जिलाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश कल्याणकारी व्यापार मंडल

कल्याणपुर बाजार में अव्यवस्थाओं का अंबार है। इस बाजार से लगभग 10 हजार खरीदार रोज खरीदारी करते हैं। सहालगों में इनकी संख्या में इजाफा हो जाता है। इस बार खरीदारों की संख्या कम रही। इसकी वजह बाजार में ई रिक्शा से लगने वाला जाम रहा। यह समस्या दूर होती भी नहीं दिख रहीं है। हम लोग प्रयास कर रहे हैं।

-विमल सिंह, अध्यक्ष कल्याणपुर व्यापार मंडल उत्तरी

ई रिक्शा बाजार में खरीदारों की सहूलियत के लिए थे। अब वे बाजार और खरीदारों के लिए ही सरदर्द व परेशानी बन चुके हैं। हालात यह है कि कई बार लोग बाजार में इनकी अराजकता के चलते दूसरे रास्तों से होकर गुजरने लगे हैं। ऐसे में बाजार का काफी नुकसान हो रहा है। इनके लिए नियम बनने जरूरी हैं।

-दर्शन लाल कोहली महानगर उपाध्यक्ष

बाजार में यदि हम लोग खरीदारों को सहूलियत नहीं देंगे तो वे ऑनलाइन खरीदारी की ओर मुड़ जाते हैं। यदि ऑनलाइन खरीदारी की ओर वे रुख न करें तो दूसरी बाजार या मॉल चले जाते हैं। ऐसे में सिर्फ बाजार की अराजकता की वजह से दुकानदार अपने पारंपरिक ग्राहक खो रहे हैं। इसे रोका जाना बहुत जरूरी है।

-निजाम अहमद, अध्यक्ष एल्यूमिनियम फैब्रिकेटर एसोसिएशन

न्यूज ब्रीफ

बच्चों को संविधान का महत्व बताया

कानपुर। संविधान दिवस पर बुधवार को राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद ,शिक्षा मंत्रालय व सिंधु इंटरनेशनल स्कूल की ओर से कार्यक्रम आयोजित हुआ। स्कूल कैंपस ऑडिटोरियम में हुए आयोजन में देशभक्ति से ओतप्रोत आयोजन हुए। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिंधी सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अंशवानी ने कहा कि भारत का संविधान दुनिया के कई अन्य देशों के मुकाबले अधिक प्रभावी एवं खूबसूरत है। यह संविधान की ही ताकत है कि देश में चाय बेचने वाला भी प्रधानमंत्री बन सकता है। कोई किसान का बेटा मुख्यमंत्री किसी मजदूर का बेटा बड़ा प्रशासनिक अधिकारी बन सकता है। संविधान की ताकत से ही लोकतंत्र खूब फल-फूल रहा है और लोगों को उनके अधिकार मिल रहे हैं। कायक्रम में संविधान दिवस जिंदाबाद जैसे नारे भी लगाए गए। कार्यक्रम में अतुल अंशवानी, कैलाश झुरियानी, प्रहलाद श्यामनी, टीना अंशवानी, राजेश मिश्रा सहित अन्य ने विचार रखे।

सीएसए में मनाया संविधान दिवस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में 'संविधान दिवस हमारा, संविधान हमारा सम्मान' थीम पर आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के 250 से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कृषि संकाय अधिष्ठाता डॉ सीएल मौर्य ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा संविधान की विस्तृत जानकारी दी गई एवं छात्रों को संयम बरतने के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के पालन एवं संविधान की शपथ दिलाई गई।

रावतपुर में महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कल्याणपुर। रावतपुर के आदर्श नगर निवासी शुभम ऑटो चालक है। बुधवार शाम शुभम घर पहुंचे। तो पत्नी मोना (28) रस्सी के सहारे पंखे से झूल रही थी। आनन-फानन में शुभम पत्नी को फंदे से उतार कर पास के नीचे अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रावतपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि पति की नशेबाजी को लेकर महिला का आयदिन झगड़ा होता था। जिससे तंग आकर महिला के आत्महत्या करने की जानकारी प्राप्त हुई है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

मजदूर लेने गई बस में शराबियों ने की तोड़फोड़

घाटमपुर। रेवना थाना क्षेत्र के गांव दहेली चौराहा के पास शराबियों ने उपद्रव कर बस में पत्थर मार कर शीशे तोड़ दिए। सूचना पर पहुंची रेवना पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा, एक फरार हो गया। घटनाक्रम के अनुसार बीती शाम दहेली चौराहा पर शराब के नशे में गांव दहेली निवासी छोटू सचान पुत्र वासुदेव सचान, सुधीर पुत्र बनवारी, छोटू पुत्र चंद्रिका प्रसाद संखवार व एक अज्ञात ने नशे में होकर बस चालक को पीटा और बस में तोड़फोड़ की। शिकायत पर पहुंची रेवना पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि ये बस रायपुर कंपनी द्वारा संचालित है और आसपास गांव क्षेत्र तथा मखौली तक के मजदूरों को ले जाने और छोड़ने का काम करती है।

एचबीटीयू में एआई और मशीन लर्निंग की शिक्षा दी जाएगी

विश्वविद्यालय की अकादमिक काउंसिल की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एचबीटीयू की अकादमिक काउंसिल की बैठक बुधवार को हुई। बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इन निर्णयों में यह भी तय किया गया कि सत्र 2026-27 से विश्वविद्यालय में एआईएमएल का कोर्स भी शुरू किया जाएगा। कोर्स के तहत शुरुआत में 60 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे।

अकादमिक काउंसिल की बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो समशेर, रजिस्ट्रार अमित कुमार राठौर व हेड बायोकेमिकल प्रो ललित कुमार सहित अन्य मौजूद रहे। डीजी सिल्वा कुमार जे बैठक में ऑनलाइन शामिल रहीं। बैठक के दौरान तय किया गया कि नए कोर्स एआईएमएल के जरिये विश्वविद्यालय में युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की भी शिक्षा दी जाएगी। फिलहाल विश्वविद्यालय में बीटेक प्रोग्राम में कंप्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग की पढ़ाई होती है। माना जा रहा है कि इस नए कोर्स के जरिए विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट का ग्राफ काफी बढ़ेगा। इसी तरह एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में परीक्षाओं को लेकर तय किया गया कि फेल होने वाले छात्र मिड सेमेस्टर परीक्षा दोबारा दे सकेंगे। यह परीक्षा उनके फाइनल इयर में होगी। विश्वविद्यालय में शोध कार्य को बढ़ावा दिए जाने के लिए भी निर्णय लिया गया। इस निर्णय के तहत पीएचडी करने वाले ऐसे शोधार्थी जो कहीं नौकरी भी कर रहे हैं उनकी संख्या पीएचडी कराने वाले प्रोफेशर की लक्ष्य संख्या में नहीं जोड़ा जा सकेगा। इससे एक प्रोफेसर 8 से अधिक संख्या में शोधार्थियों को पीएचडी करा सकेंगे। इस निर्णय से विश्वविद्यालय में शोधार्थियों की संख्या में इजाफा हो सकेगा।

परीक्षा देकर निकलते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

उड़नदस्तों ने 9 नकलची पकड़े, 40 ने छोड़ी परीक्षा

- **कानपुर।** छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के कैंपस में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हुईं। परीक्षा के दूसरे दिन बुधवार को पहली पाली में तीसरे सेमेस्टर के 94 पेपर की परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें कैंपस के 4,327 परीक्षार्थी शामिल हुए। दूसरी पाली में सांतवे सेमेस्टर के नौ विषयों के पेपर की परीक्षा हुई। परीक्षा के दौरान उड़दस्तों ने 9 को नकल में पकड़ा। परीक्षा के दौरान 657 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। 40 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कारणों से परीक्षा छोड़ दी। विश्वविद्यालय कैंपस के परीक्षा नियंत्रक डॉ. बीपी सिंह ने बताया कि दूसरे दिन भी परीक्षा केंद्रों का डीन एकेडमिक प्रो .बृष्टि मित्रा, परीक्षा प्रभारी और वरिष्ठ प्रोफेसर्स ने औचक निरीक्षण किया। छात्र-छात्राओं की तलाशी ली। उन्होंने कहा कि नकल विहीन परीक्षा करने के लिए सभी उपाय और चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों से भी परीक्षा की निगरानी की जा रही है।

ज्योतिष सम्मेलन में केए दुबे पद्मेश, आचार्य अमरेश मिश्र, प्रीति श्रीवास्तव आदि। अमृत विचार

ज्योतिष कोई अंधविश्वास नहीं

- **ज्योतिष सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि ज्योतिष सकारात्मक विचार लाता है**

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। डॉ. एस भगवान सहाय ज्योतिष फाउंडेशन की ओर से जय नारायण इंटर कालेज में ज्योतिष सम्मेलन आयोजित हुआ। यह सम्मेलन डॉ. एस भगवान सहाय के जन्मोत्सव के मौके पर हुआ। सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने ज्योतिष को अंधविश्वास के बजाय विज्ञान माना। कहा कि ज्योतिष मनुष्य के जीवन में सकारात्मकता का भाव लाता है।

सम्मेलन में 'ज्योतिष अंधविश्वास नहीं विज्ञान है' विषय पर विद्वानों ने अपनी राय रखी। सम्मेलन की शुरुआत ज्योतिषाचार्य केए दुबे पद्मेश ने की। उन्होंने कहा कि ज्योतिष एक ऐसी विद्या है जो भारत के साथ अब ब्रिटेन और चीन में भी प्रचलित हैं। विदेशों में भारतीय ज्योतिष में अंतर सिर्फ इतना है कि वहां के ग्रहों के नाम अलग हैं। विदेशों में भी लोगों का ज्योतिष पर पूरा भरोसा है। ज्योतिष पूरी तरह से सत्य के धरातल पर है। उन्होंने कहा कि ज्योतिष विज्ञानिक रूप से घर, व्यवसाय, नौकरी व स्वास्थ्य की समस्याओं का निराकरण करता है। ज्योतिष विद्वानों ने आम समस्याओं से जुड़े और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भरने के लिए कई उपाय भी बताए। सचिव एसएस कान्वेंट, हाईस्कूल समिति, प्रयागराज प्रीति श्रीवास्तव ने भी विशेष अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया। कहा कि ज्यातिष विद्या सिर्फ ग्रहों और नक्षत्रों को समझने की कला ही नहीं है। ज्योतिष विद्या मानव प्रवत्ती को समझने का भी विज्ञान है। कार्यक्रम की अध्यक्षता शकुन्तला शक्तिपीठ के संचालक पं. डॉ. अमरेश मिश्र ने की। उन्होंने कहा कि ज्योतिष विद्या अनादि है, आज तक यह तथ्य कोई नहीं निकाल पाया कि इसका उदय कहां से है। उन्होंने कहा कि ज्योतिष विद्या भूत, भविष्य व वर्तमना को जानने का विज्ञान है। यह विद्या बाधाओं का निस्तारण बेहद सटीकता से कर सकती है। इसके अलावा मनुष्य के जीवन में उन्नत की राह खोल सकती है। इस विद्या में ग्रह शांति मंत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। इन मंत्रों से बाधा पहुंचाने वाले ग्रहों को शांत किया जा सकता है। सम्मेलन के दौरान संस्थापक एवं निदेशक, मां गायत्री समूह संस्थान, प्रयागराज डॉ. अनिल श्रीवास्तव, दंडी स्वामी रामानन्द व फाउंडेशन संयोजिका डॉ. मंजुला श्रीवास्तव प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

स्वास्थ्य कैंप में 456 बंदियों को मिला लाभ

कानपुर। जिला कारागार में बुधवार को वेदांता मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल की ओर से चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व अपराध मुक्त सामाजिक चिकित्सा समिति का संयुक्त शिविर रहा। कैंप में वृहद स्तर पर रोगियों का चेकअप हुआ। जेल अधीक्षक डॉ. बीडी पांडेय ने बताया कि शिविर के आयोजन से पहले बंदियों की सूची तैयार थी। शिविर का शुभारंभ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कमलेश मौर्य ने किया। वेदांता के निदेशक डॉ. गोविंद त्रिवेदी विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के साथ सुबह 11 बजे कारागार पहुंचे। डॉ. हड्डी रोग विशेषज्ञ गोविंद त्रिवेदी, लिगामेंट स्पेशलिस्ट डॉ. शिवांश त्रिवेदी, फिजीशियन जनरल मेडिसिन डॉ. प्रशांत पांडेय, गैस्ट्रो मेडिसिन डॉ. देवांश त्रिवेदी, डेंटल ओरल सर्जन डॉ. पारूल आहूजा, डॉ. शिवशंकर झा, डॉ. एके सिंह व डॉ. आरती गुप्ता, हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड शरद त्रिपाठी आदि रहे। इलेक्ट्रोथरेपी मशीन से बंदियों की फिजियोथरेपी की गई।

कानपुर। श्री रामलीला महोत्सव आयोजन समिति की ओर से बुधवार को श्री राम कथा की शुरुआत हुई। इस दौरान कलश यात्रा भी निकाली गई। इसमें क्षेत्र के निवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए। यात्रा के दौरान महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर मन्नतें मांगीं। यात्रा में बड़ी संख्या में भक्त प्रभु भजनों पर नाचते हुए चल रहे थे। यह यात्रा जरौली क्षेत्र का भ्रमण करते हुए कथा स्थल पहुंची। रास्में कई जगहो पर यात्रा का स्वागत किया गया। इस दौरान वृंदावन धाम से आए संत भारत शरण जी महाराज एवं कानपुर के प्रांत के संघ चालक श्रीराम मौजूद रहे। कार्यक्रम में रामदेव शुक्ल, पार्षद अभय शुक्ला, संतोष साहू, मुनेश वाजपेई, राजेश शुक्ला, अनिल शुक्ला, सोनू शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे। अमृत विचार

पनकी धाम में हुए यज्ञ में श्रद्धालुओं ने दी आहुति

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री पंचमुखी हनुमानजी मन्दिर पनकी धाम में चल रहे महायज्ञ में पंडित अमित कुमार अग्निहोत्री ने यज्ञ आरम्भ किया। जिसमे महामंडलेश्वर जितेन्द्र दास शास्त्री समेत मन्दिर के समस्त पुजारी व श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति दी। श्री राम कथा में प्रमुख कथा वाचक सुरेश तिवारी ने कहा कि जिस जटायु को मृत्यु ललकार रही है और वो छू भी नहीं पा रही है। गीधराज जटायु ने कहा तुझे मैं स्वीकार करूंगा किन्तु मुझे तब तक स्पर्श नहीं करना, जब तक मेरे प्रभु श्री राम न आ जायें और मैं उन्हें सीताहरण की गाथा न सुना दूं। कथा समाप्ति के बाद कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक व श्री पंचमुखी हनुमान जी मन्दिर के महंत महामंडलेश्वर जितेन्द्र दास शास्त्री ने श्री राम दरबार व हनुमान जी की आरती की। पंडित दिवाकर शुक्ला, पंडित बालकदास ब्रह्मचारी, आचार्य कुश चन्द्र शुक्ला, महंत सुरेशानंद, पंडित रामकृपाल त्रिपाठी, चन्द्रशेखर पांडेय, अमित, लव शुक्ला रहे।

एसआईआर अभियान के लिए भाजपाइयों ने तय की रणनीति

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। बुधवार को एसआईआर अभियान के अंतर्गत घाटमपुर विधानसभा के वाररूम की एक विस्तृत एवं महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक भाजपा पदाधिकारियों के द्वारा सौरभ त्रिवेदी के आवास पर आयोजित की गई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर अभियान को पूर्ण प्रभावशीलता के साथ धरातल पर उतारना, मतदाता सूची के शुद्धिकरण कार्य को गति देना तथा बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत बनाना रहा है। बैठक में प्रभारी एवं बीएलए संदीप बाजपेयी ने बताया की अभियान निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित एक विशेष पहल है। जिसका मकसद मतदाता सूची में मौजूद त्रुटियों को दूर करना, दोहरी प्रविष्टियों को हटाना, मृतक मतदाताओं के नाम हटाना तथा जो पात्र मतदाता अब तक सूची में शामिल नहीं हो सके हैं, उन्हें तत्काल जोड़ना है। इस अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। इसमें विशेष ध्यान युवाओं, नई उम्र के मतदाताओं, महिलाओं तथा नए आवास स्थान पर आए परिवारों पर दिया जा रहा है, ताकि कोई भी योग्य व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। कार्यक्रम में जिला प्रवासी गणेश यादव, विधानसभा प्रभारी (एसआईआर वाररूम) सौरभ त्रिवेदी, मंडल प्रभारी (एसआईआर वाररूम) सचिन शुक्ला, डॉ. रणवीर सचान, रोहित पाण्डेय, शुभम गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बैठक के दौरान मौजूद भाजपा पदाधिकारी। अमृत विचार

हमीरपुर में शकुंतला, जालौन में उर्विजा को अध्यक्ष की कमान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भाजपा उत्तर प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व ने देर रात कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के के बचे हुए 4 जिला अध्यक्षों की घोषणा कर दी। इससे पहले पार्टी ने 17 में से 13 जिला अध्यक्षों की घोषणा कर दी थी। भाजपा उत्तर प्रदेश चुनाव संगठन के चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडेय ने शेष बचे जिलों के अध्यक्षों की घोषणा की। घोषित सूची के अनुसार हमीरपुर का जिला अध्यक्ष, शकुंतला निषाद झांसी महानगर का अध्यक्ष सुधीर सिंह,

फतेहपुर का जिला अन्नू श्रीवास्तव और जालौन का जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित को बनाया गया है।नवनियुक्त अध्यक्षों को बधाई देते हुए भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री प्रकाश पाल ने कहा कि संगठन में मिली यह जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी नव नियुक्त अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन एवं प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह की संगठनात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप बूथ से लेकर मंडल और जिले तक संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नव नियुक्त अध्यक्ष अपने-अपने जिलों में संगठन के विस्तार, कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण, बूथ प्रबंधन तथा आगामी चुनावी तैयारियों में अहम भूमिका निभाएंगे और भाजपा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने जिला अध्यक्ष घोषित होने की पुष्टि की है।

बच्चे को दुलराते एसडीएम। अमृत विचार

खेल स्पर्धा में दिव्यांग बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बिल्हौर। बिल्हौर में समेकित शिक्षा के अंतर्गत तहसील स्तरीय विशिष्ट आवश्यकताओं वाले दिव्यांग बच्चों हेतु खेल-दिवस, सांस्कृतिक प्रतियोगिता एवं स्पोर्ट्स इवेंट का भव्य आयोजन मंगलवार को बीआरसी बिल्हौर में किया गया। विकास खंड बिल्हौर, ककवन, शिवराजपुर एवं चौबेपुर के कुल 75 प्रतिभागी बच्चों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का माहौल बच्चों के जोश और ऊर्जा से सराबोर रहा। प्रतिभागियों ने अपनी क्षमताओं का सुंदर प्रदर्शन करते हुए यह संदेश दिया कि अवसर और प्रोत्साहन मिले तो उनकी प्रतिभा किसी से कम नहीं। आयोजन में बच्चों के लिए अनेक रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जैसे रस्साकसी, फुटबॉल मैच, कुर्सी दौड़, छूकर पहचानो, दौड़ प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, ऊंची कूद । इन सभी प्रतियोगिताओं में बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी कला और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। दर्शकों ने बच्चों के हौसले को खूब सराहा।

परखी व्यवस्था | संयुक्त विकास आयुक्त ने किया ककवन ब्लॉक का निरीक्षण

विकास कार्यों और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। कानपुर मंडल के संयुक्त विकास आयुक्त प्रवीण कुमार राय ने बुधवार को ककवन विकासखंड कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ब्लॉक में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की हकीकत देखी और कार्यालय परिसर की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। इस मौके बीडीओ यशवीर सिंह, एडीओ पंचायत राकेश दीक्षित, एपीओ शिशिर कुमार मौजूद रहे।

निरीक्षण की शुरुआत में संयुक्त विकास आयुक्त ने ब्लॉक परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने शौचालयों की स्थिति देखी और स्वच्छता बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कार्यालय में मौजूद वर्तमान पत्रावलियों का गहन अवलोकन किया ताकि कार्यों की प्रगति और रिकॉर्ड रखरखाव की सटीकता सुनिश्चित की जा सके। हालांकि लेखाकार के न रहने पर जेडीसी द्वारा नाराजगी जताई गई।

मनरेगा कार्यों का भी अवलोकन किया : जेडीसी प्रवीण कुमार राय ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत विकासखंड में कराए जा रहे कार्यों का भी अवलोकन किया। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुपालन की जांच की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायतों उठ्ठा सिहुरा, दारा शिकोह और इब्राहिमपुर रौंस का भी दौरा किया। इन ग्राम पंचायतों में उन्होंने तमाम जांच-पड़ताल की और वर्तमान समय में चल रहे विकास कार्यों से संबंधित पत्रावलियों को देखा। साफ-सफाई को लेकर उनका ज्यादा फोकस रहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, और इस संबंध में उन्होंने संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए कि वे अपने कार्यालय और परिसर की साफ-सफाई को प्राथमिकता दें और उचित व्यवस्था बनाए रखें। उनके द्वारा बताया गया की खंड विकास कार्यालय में आवासीय परिसर को जल्द ही बजट दिए जाने के लिए शासन को पत्र लिखा जाएगा और नए खंड विकास अधिकारी कार्यालय बनाया जाएगा। इसके बाद उन्होंने ब्लॉक कार्यालय के साथ ही बगल में स्थित आवासीय परिसर का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण करते संयुक्त विकास आयुक्त। अमृत विचार

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

तेज रफ्तार लोडर की टक्कर से किशोरी घायल

घाटमपुर। चौकी नंदना अंतर्गत गांव हथेही निवासी रामासरे शंखवार की पुत्री आरती (20 वर्ष) बीते दिन 23 तारीख को खेतों पर काम करने जा रही थी। तभी गजनेर की तरफ से तेज रफ्तार लोडर ने हथेही चौराहा पर उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में आरती गंभीर रूप से घायल हो गई। लोडर चालक ने भागने का प्रयास किया तभी वहां चौराहा पर बैठे ग्रामीणों ने लोडर का पीछा करके पुलिस को सूचना देते हुए उनके हवाले कर दिया। आरती के परिजनों का आरोप है कि उक्त घटना को चौथा दिन है लेकिन पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। आरोपी चालक व लोडर को नंदना पुलिस द्वारा उसी दिन छोड़ दिया गया था। आरती के पिता ने बताया गरीबी आर्थिक तंगी के चलते पुत्री को जिला अस्पताल अकबरपुर ले गए जहां से उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

नौरंगा, भीतरगांव में धान, ज्वार खरीद केंद्रों में बिचौलियों का बोलबाला

- **एसडीएम ने दिए जांच के निर्देश सीएम से शिकायत करेंगी विधायक**

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के भीतरगांव, नौरंगा घाटमपुर में ज्वार, धान, बाजरा, मक्का खरीद केंद्र पर बिचौलियों का बोलबाला है। जहां पर बिचौलियों के माध्यम से ज्वार बाजरा, मक्का, धान खरीदा जा रहा है। वहीं छोटे-छोटे किसानो की फसलें नहीं ली जा रहीं। जिससे किसानों में आक्रोश है। फिलहाल एसडीएम घाटमपुर ने घाटमपुर, नौरंगा, भीतरगांव, पतारा खरीद केंद्र में एसडीएम लगातार निरीक्षण कर किसानों का ही माल लेने की बात कही गई है। एसडीएम की सख्ती के बावजूद भी बिचौलिया सक्रिय हैं। अब इस मामले की एसडीएम ने स्वयं नायब तहसीलदार के माध्यम से जांच शुरू कर दी है। वहीं मामले को लेकर खरीद केंद्र में हड़कंप मचा हुआ है। घाटमपुर विकासखंड के अंतर्गत मढ़ा गांव निवासी निधि देवी ने 15 नवंबर को निधि के नाम पर खाता संख्या 353 व 7 की खतौनी लगाई थी। लेकिन हकीकत में उसके नाम पर पूरे गांव में एक बिस्वा जमीन नहीं है। यही हाल एक और विक्रेता का भी है, जिसने नौरंगा केंद्र में 44 क्विंटल ज्वार खरीदा गया है जिसके नाम एक बिस्वा भी जमीन नहीं है। इन दोनों का नाम स्थानीय लेखपाल ने सत्यापन भी कर दिया है। जिससे यह जांच का विषय बन गया है। इसके साथ ही राज बहादुर, अवधेश कुमार आदि फर्जी किसानों का तहसील से लेखपाल आयुष यादव ने सत्यापन कर दिया और अन्य अधिकारियों की नजर भी इस धोखाधड़ी पर नहीं पड़ सकी फिर भी प्रभारी विनोद ने भी इस फर्जीवाड़े पर पूरा समर्थन देते हुए खरीद कर ली। जबकि अन्य किसानों को महीने भर से समय नहीं दिया गया और उनका ज्वार घर में पड़ा हुआ है। यही हाल भीतरगांव राजकीय क्रय केंद्र का है। जहां पर एक किसान के नाम एक बिस्वा भी जमीन नहीं है परंतु उसका 90 क्विंटल ज्वर खरीदा गया है। इस पर किसानों ने ज्ञापन भी दिया है। मामले में एसडीएम घाटमपुर ने कहा कि मामला अत्यंत गंभीर है। लेखपाल के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर नयाब तहसीलदार को जांच सौंपी गई है। मैं खुद भी इस प्रकरण की जांच कर रहा हूं। अगले कुछ दिनों में जांच पूरी होने पर दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं विधायक सरोज कुरील ने कहा कि किसानों को परेशान किया जा रहा है। इस तरह की मनमानी बर्दाश्त नहीं होगी। इस मामले को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के सामने रखा जाएगा।

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

वीरेंद्र कुमार सिंह : बरेली की योग्यतम संतान को मुख्यधारा में लाए

बरेली शहर अपने अस्तित्व के साथ ही वाणिज्य का प्रमुख केंद्र बना रहा। सल्तनत काल के बाद मुगल आए, उन्होंने भी बड़ा व्यापारिक केंद्र होने के नाते बरेली पर फोकस रखा। अंग्रेजों ने तो प्रशासनिक व्यवस्था के संचालन के लिए बरेली को ही केंद्र बना लिया। यहां तैनात रहे तमाम अधिकारियों ने शहर के विकास पर ज्यादा जोर दिया। इन सबके बीच जिले में तैनात रहे कुछ अफसरों ने लीक से हटकर काम किया और उनकी यादें लोगों के दिलो-दिमाग पर कायम हो गईं। ऐसे अफसरों की कार्यशैली की प्रशंसा करते हैं और नजीर के तौर पर पेश भी करते हैं। बरेलियंस के दिलो-दिमाग पर छाए अफसरों की फेहरिस्त लंबी है। इनमें जिन अफसरों की यादें लोगों के जेहन में लंबे समय से पैबस्त हैं, उनमें आईएएस अफसरों में दीपक सिंघल, रमारमण, नितीश कुमार, देशदीपक वर्मा, टी. वेंकटेश, वीरेंद्र कुमार सिंह, केबी अग्रवाल, संजय भूस रेड्डी, सीताराम मीणा, अनिल गर्ग, पुलिस अफसरों में सीडी कैंथ, उदयन परमार, वीके मौर्य, आनंद स्वरूप, गुरु वचन लाल, पीसीएस अफसरों में बाबा हरदेव सिंह,मंजुल जोशी, दिनेश कुमार सिंह शामिल हैं। कलेक्ट्रेट के प्रशासनिक अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हो चुके बनवारी लाल अरोड़ा बताते हैं कि बरेली में तैनात रहे सभी पुलिस और प्रशासनिक अफसर अपनी काबिलियत में बेमिसाल थे, लेकिन कई अफसरों ने अपनी कार्यशैली के जरिये लोगों को अपना मुरीद बना लिया। यही कारण है कि लोग आज भी उन्हें बड़े ही प्यार और अदब से याद करते हैं। अमृत विचार की मेरा शहर -मेरी प्रेरणा सीरीज में कुछ खास अफसरों के बारे में सुनील सिंह की विशेष रिपोर्ट ...

राधेश्याम कथावाचक के जरिये बना दिया साहित्यिक माहौल

रिटायर्ड आईएएस अफसर वीरेंद्र कुमार सिंह वर्ष 2018-19 में बरेली के कलेक्टर रहे। प्रशासनिक कार्यों के बीच बरेली में साहित्यिक माहौल बनाने में उन्होंने बड़ा योगदान किया, जो कि एक प्रशासनिक अफसर की भूमिका के रूप में बेहद अलग था। वह बताते हैं कि जब इस शहर में आए और उन्होंने लोगों से बात शुरू की तब पता चला कि बरेली शहर की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को लोग विस्मृत कर रहे हैं। राधेश्याम रामायण देश के तमाम हिस्सों में आज भी प्रचलित है। अवधी रामलीला का मुख्य आधार ही राधेश्याम रामायण है। इसके अलावा पंजाब से लेकर लाहौर तक उनकी रामायण पढ़ी और मंचित की जाती थी। यही नहीं अपनी विशिष्ट शैली के कारण उनके लिखे नाटकों का उत्तर भारत में जबरदस्त आकर्षण था। वह कहते हैं कि इस बात से उन्हें बहुत आघात लगा कि बरेली शहर के ही लोग राधेश्याम कथावाचक को भूलते जा रहे हैं।

वह कहते हैं कि इसके बाद तय किया कि बरेली की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को एक बार फिर जनमानस के बीच में स्थापित करेंगे। इसके लिए शहर के प्रमुख रंगकर्मियों और साहित्यकारों को जोड़ा। शहर के प्रबुध लोगों को योजना पसंद आई और पहली संजय कम्युनिटी हाल में उनके जन्मदिन 25 नवंबर पर सप्ताह भर का पंडित राधेश्याम कथावाचक नाट्य उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें पंडित जी के नाटकों का मंचन किया गया। शहर के गणमान्य लोग, प्रबुद्ध जन और आम लोग पहुंचे। कार्यक्रम के बाद से पंडित जी के लेखन को लेकर शहर में सकारात्मक माहौल बना। वह बताते हैं कि उनके कार्यकाल में दो बार आयोजन हुआ। उनके जाने के बाद शहर के लोगों इस आयोजन की कमान संभाल ली। तीसरा आयोजन फ्यूचर यूनिवर्सिटी में किया गया। इस आयोजन में वह लखनऊ से आकर शामिल हुए थे। शहर के वरिष्ठ पत्रकार रणजीत पांचाले समेत अन्य लोग आयोजन की कमान संभाले हुए हैं। रणजीत पांचाले बताते हैं कि पिछले दो सालों से इस आयोजन का स्वरूप थोड़ा बदल गया है। अब उनके नाटकों के मंचन से ज्यादा बौद्धिक पक्ष पर चर्चा पर फोकस किया जाता है। हालांकि उनके नाटकों का मंचन भी जारी है। अभी कुछ समय पहले उनकी पुण्यतिथि पर शहर में आयोजित नाट्य महोत्सव में राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का मंचन किया गया है। उन्होंने प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित नाट्य उत्सव का आयोजन कराया था।

जिला लाइब्रेरी में स्थानीय रचनाकारों की बनवाई दीर्घा

बकौल वीरेंद्र कुमार सिंह राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का आकर्षण महान उपान्यासकार प्रेमचंद के उपन्यास गबन को पढ़कर समझा जा सकता है। गबन उपन्यास का नायक गबन करने के बाद पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए कलकत्ता में जाकर छिप जाता है। अपनी फरारी के दौरान उसे पता चलता है कि कलकत्ता शहर में राधेश्याम कथावाचक के नाटक का मंचन होने जा रहा है। यह जानते हुए कि पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है, लेकिन उपन्यास का नायक अपने छिपे हुए स्थान से बाहर निकल कर नाटक देखने के लिए पहुंच जाता है। रणजीत पांचाले कहते हैं कि वीरेंद्र कुमार सिंह का योगदान यहीं नहीं रुक जाता है। उन्होंने इस शहर के प्रमुख साहित्यकारों प्रख्यात शायर वसीम बरेलवी से लेकर प्रबुद्ध आलोचक मधुरेश तक की रचनाओं को संकलित कराकर राजकीय पुस्तकाल में अलग दीर्घा बनवाई थी। इस दीर्घा में बरेली के सभी साहित्यकारों की रचनाओं को स्थान दिया गया था। जिला जेल में प्रेमचंद का साहित्य रखवाया गया था।

एलेक्जेंडर इज्जत : पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाकर इज्जत नगर के रूप में शहर का हिस्सा हो गए

अंग्रेजी शासनकाल में बरेली व्यापार के साथ ही शासन प्रशासन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया था। अंग्रेजों ने आसपास के क्षेत्रों पर अपना आधिपत्य बरकरार रखने के साथ कारोबार के लिए द्रुतगामी यातायात के साधनों का विकास शुरू किया। अंग्रेजों ने 1857 में पहाड़ों को मैदानी हिस्से से जोड़ने की परियोजना पर काम शुरू हुआ। ब्रिटिश रेलवे अफसर एलेक्जैंडर इज्जत ने 1883 में परियोजना की कमान संभाली। उन्होंने बरेली-काठगोदाम रेलवे ट्रैक काम शुरू किया। इसके साथ ही बरेली से लखनऊ के लिए रेलवे लाइन बिछा दी।

एलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने 31 साल की रेलवे की सेवा

अलेक्जेंडर इज्जत के नाम पर वाराणसी-प्रयागराज रेलवे लाइन पर प्रयागराज में गंगा नदी पर बने पुराने पुल को भी इज्जत पुल कहा जाता था। इस पुल के पहले कमांडर अलेक्जेंडर इज्जत थे। उन्होंने 1883 से 1904 तक बीएनडब्ल्यूआर के दूसरे एजेंट के रूप में कार्य किया। इसी दौरान सोनपुर से चोपन, सीवान, गोरखपुर होते हुए लखनऊ तक बीएनडब्ल्यूआर की मुख्य लाइन बिछाई गई थी। एलेक्जेंडर इज्जत के पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डब्ल्यू. आर. 1920 से लेकर 1927 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट नियुक्त रहे। उनके पुत्र सर जे. रेनी इज्जत 1941 से 1944 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट रहे। पिता-पुत्र-पौत्र की इस तिकड़ी ने 31 वर्षों तक इस रेलवे के भविष्य को आकार दिया, जो पूर्वोत्तर रेलवे के गठन के महत्वपूर्ण वर्ष थे।

इज्जत स्टेशन से रेलवे डिवीजन बनने की कहानी

बरेली स्थित इज्जत नगर रेलवे स्टेशन की स्थापना 1875 में की गई थी। नार्दर्न रेलवे मेंस यूनियन से जुड़े बसंत चतुर्वेदी कहते हैं कि अलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाने के लिए कार्य किया। अलेक्जेंडर इज्जत के काम के सम्मान में, स्टेशन का नाम इज्जत रेलवे स्टेशन रखा गया था। लोगों ने धीरे-धीरे इसे इज्जत नगर कहना शुरू कर दिया और यही नाम रेलवे रिकॉर्ड में भी दर्ज हो गया है। आजादी के बाद 14 अप्रैल 1952 को इज्जत नगर को पूर्वोत्तर रेलवे का डिवीजन बना दिया गया।

बाबा हरदेव सिंह : रसूख के आगे कभी नहीं थमा निगम का बुलडोजर

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के बुलडोजर बाबा के रूप में प्रसिद्ध होने से करीब 23 साल पहले यूपी सरकार के पीसीएस अफसर हरदेव सिंह बुलडोजर वाला अफसर के नाम से प्रसिद्धि पा चुके हैं। बाद में तो उनके नाम के बाबा शब्द जुड़ गया और वह आज भी बाबा हरदेव सिंह के नाम से ही जाने-पहचाने जाते हैं। बरेली शहर में 30 साल पहले मात्र छह महीने के कार्यकाल में ही उन्होंने नगर निगम जैसी राजनैतिक संस्था को प्रशासनिक संस्था के रूप में बदल दिया था।

पीसीएस अफसर हरदेव सिंह को 27 सितंबर 1995 को बरेली के नगर आयुक्त पद पर तैनाती मिली थी। यहां पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले नगर निगम कार्यालय के कर्मचारियों पर अंकुश लगाया। उनकी लेटलतीफी, बिना बताये कार्यालय से गायब होने पर अंकुश लगा दिया। इसके बाद उन्होंने सफाई कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरू किया। बरेली के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनुपम मार्कंडेय बताते हैं कि हरदेव सिंह सुबह छह बजे ही सड़कों पर निकल पड़ते थे। सड़कों और नालियों की सफाई को बेहद संजीदगी से चेक करते थे। कई बार तो वह स्वयं नाली में हाथ डालकर चेक करते थे कि सिल्ट पूरी तरह से निकाली गई है या नहीं। सफाई मनमाफिक न मिलने पर दुबारा अपने सामने सफाई कराते थे।

वह कहते हैं कि हरदेव सिंह का असली रूप तो अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दिखा। हरदेव सिंह ने इस शहर को पहली बार बताया कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। उस दौर में शहर के बड़े-बड़े शूरमाओं के अतिक्रमण देखते-देखते ध्वस्त करा दिए। धीर-धीरे उनके खिलाफ माहौल बनने लगा। रसूख वालों ने हरदेव सिंह से परेशान नगर निगम कर्मचारियों से उनके खिलाफ मोर्चा खुलवा दिया। सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। नगर निगम के गेट पर मरा हुआ कुत्ता रस्सी से बांध कर लटका दिया गया और कूड़े के ढेर लगा दिए गए। इसके बाद शासन ने 31 मार्च 1996 को उनका तबादला कर दिया।

मंजुल जोशी : बवालियों को नाम से बुलाकर कर देते थे शर्मशार

सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील हो चले बरेली शहर में लंबे समय तक या यूं कहें कि रिकॉर्ड समय तक एडीएम सिटी रहने वाले मंजुल कुमार जोशी शहर के लोगों के दिलों में आज भी बसते हैं। सिटी मजिस्ट्रेट फिर एडीएम सिटी के दो कार्यकाल पूरे करने वाले मंजुल कुमार जोशी उत्तराखंड राज्य बनने पर वहां भेज दिए गए थे। उत्तराखंड में आईएएस कैडर से सेवानिवृत्त होने वाले मंजुल कुमार जोशी इन दिनों हल्द्वानी में रहते हैं, लेकिन बरेली लगातार उनके दिलों में बसता है। मंजुल कुमार जोशी की खासियत यह रही है कि वह बरेली शहर के चप्पे-चप्पे से ही वाकिफ नहीं थे, बल्कि यहां रहने वाले लोगों को भी व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए थे। बरेली शुरू से ही संवेदनशील शहर था और आए दिन दोनों समुदायों के लोग आमने-सामने आ जाते थे, लेकिन जब मंजुल जोशी उनके बीच में आ जाते तो दो दोनों पक्ष शांत हो जाते थे, क्योंकि आमने-सामने खड़े अधिकांश लोग उनके अजीज हुआ करते थे। ऐसे में उन लोगों की तनी हुई हुईं भौंहें अपने आप झुक जाया करती थीं। मंजुल जोशी बरेली में 1982 से 1984 तक एसडीएम, फिर 1990 से 1995 तक सिटी मजिस्ट्रेट और एडीएम सिटी के रूप में तैनात रहे। बाद में दो साल के लिए नैनीताल स्थित प्रशासनिक अकादमी में तैनात रहे और वर्ष 1997 में फिर एडीएम सिटी के पद पर नियुक्त किए गए। बाद में कुछ समय के लिए अपर आयुक्त के पद भी तैनात रहें। वर्ष 2001 में अलग उत्तराखंड राज्य बनने पर उन्हें वहां भेज दिया गया।

बरेली में तैनाती के दिनों को लेकर जब उनसे बात शुरू हुई तो जैसे उनके अंदर से 10 साल से ज्यादा समय तक बरेली में गुजारे गए समय की बहुत सी यादों की गांठें खुलती चली जा रही हों। वह कहने लगे कि

> मैंने काफी समय पहले एक फिल्म देखी थी, फिल्म का नाम तो नहीं याद आ रहा है, लेकिन उसके विलेन का एक बहुत चर्चित डॉयलाग था, वह आज भी याद है। फिल्म में डायलाग था कि इस शहर की ऐसी कोई हूर नहीं जिसे वह जानता नहीं, उसी तरह बरेली शहर के बारे में मेरा अनुभव है। बरेली शहर की ऐसी कोई गली नहीं और वहां रहने वाला चाहे नोटोरियस हो या फिर प्रबुध नागरिक, सभी को वह जानते हैं। इनमें से बहुत सारे लोगों से आज भी संपर्क है और त्योहारों तथा खास मौकों पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान भी होता है।

बरेली बहुत हसीन जगह थी और यहां का सहजीवन लाजवाब था। जैसे पूरे देश का सहजीवन बिखर रहा है, उसी तरह बरेली में भी दरारें खिंचती जा रही हैं। पहले ऐसा नहीं था। सत्ता में भागीदारी और आर्थिक साधनों को लेकर टकराव तो अवश्य होते थे, लेकिन दिलों की दूरियां कम नहीं होती थीं। बरेली में पहली बार बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय जो बवाल हुआ उसमें कई लोगों की जानें गईं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन के हाथ से निकल गए और शासन के निर्देश पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलानी पड़ी। धीरे-धीरे माहौल शांत हुआ, जीवन पटरी पर लौटने लगा, लेकिन दिलों में खाई चौड़ी हो गई। बाद में वर्ष 1995 में बिहारी पुर मोहल्ले से एक जुलूस निकाला गया और सिविल लाइन्स में हनुमान मंदिर के सामने नमाज अता किए जाने से बवाल भड़क उठा। उन लोगों ने संभालने के लिए बहुत प्रयास किए। अगले दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती का बरेली दौरा प्रस्तावित था। यह माहौल खराब करने की जान-बूझकर कोशिश की गई थी। हालात नियंत्रित न होते देखकर शहर में कर्फ्यू लगाना पड़ा और पूरे प्रशासनिक अमले का ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि दो साल बाद पुनः एडीएम सिटी के पद पर तैनाती मिल गई, लेकिन शहर की फिजां काफी बदल चुकी थी। लोग उनकी बात तब भी सुनते थे, लेकिन अदब-लिहाज तो कम हुआ था।

वह कहते हैं कि बरेली की बसावट ऐसी है कि बिना सहजीवन के अस्तित्व ही नहीं बचेगा। प्रशासनिक अफसरों को इसे समझना होगा। इसके लिए उन्हें बरेली की गलियों में जाकर देखना होगा। सामाजिक ताने-बाने को समझना होगा। वहां के लोगों से राब्ता कामय करना होगा। उनके सुख-दुख में शरीक होना होगा। वह कहते हैं कि उम्मीद अभी कायम है। शहर में कई इंस्टीट्यूशन ऐसे हैं जो अभी भी समाज को जोड़े रखने की कोशिशों में जुड़े हुए हैं। वह कमजोर अवश्य हुए हैं, लेकिन पूरी तरह से खारिज नहीं हुए हैं, इससे एक उम्मीद अवश्य जगती है। अंत में वह कहते हैं कि ...

भरोसे पर किसी के जब भी ठोकर खाई होती है,
तो सारी जिंदगी उस जख्म की तुरपाई होती है।

पीटर क्लटर बक : कलक्टरबक गंज आज भी गाता जिसकी गौरव गाथा

यूनाइटेड प्रॉविंस के चीफ कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट सर पीटर क्लटर बक तत्कालीन संयुक्त प्रांत में अपनी तैनाती के दौरान वनों को संरक्षित करने के लिए उन्हें आर्थिकी के साथ जोड़ने का प्रयास किया। उनका मानना था कि जब तक वनोपज धनोपार्जन का जरिया नहीं बनेगी तब तक वनों को संरक्षित नहीं किया जा सकेगा। स्थानीय लोगों को वनों को आर्थिक रूप से मददगार या उनके रोजगार का जरिया बनाना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने बरेली जनपद में 1918 में एक यूटिलाइजेशन सर्किल बनाया था। पहले इस इलाक़े को महेशपुर अटरिया के नाम से जाना जाता था। बाद में इसे सर पीटर के सम्मान में क्लटर बक गंज कहा जाने लगा। स्थानीय लोगों की जुबान पर अंग्रेजी नाम चढ़ने में दिक्कत दे रहा था, इसलिए धीरे-धीरे इसका नाम कलक्टरबक गंज प्रचलित हो गया। यह आज भी बरेली के औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित है।

पीटर क्लटर बक के प्रयास रंग लाए और यहां पर वनोपज पर आधारित उद्योग स्थापित हुए। इससे जंगली क्षेत्र और इसके आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया हुए। यहां पर 1926 में भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) की स्थापना हुई। वनों से निकलने वाला लीसा इसका मुख्य कच्चा माल था। अंग्रेजी कंपनी के ठेकेदार भारतीय मजदूरों से जंगल से लीजा इकट्ठा कराते थे और कंपनी को आपूर्ति करते थे। इसके कुछ समय बाद 1937 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (WIMCO) स्थापित हुई। यहां पर कैंफर फैक्ट्री की भी स्थापना की गई। इन उद्योगों के जरिये क्लटर बक गंज की पहचान प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में होने लगी। बड़े उद्योग धंधे स्थापित हुए तो आवागमन बढ़ा, इसलिए क्लटर बक गंज के नाम पर मुरादाबाद-लखनऊ रेल रूट पर रेलवे स्टेशन स्थापित किया गया।

एफआरआई देहरादून में क्लटर बक के नाम पर सड़क

बरेली के वरिष्ठ पत्रकार प्रभात सिंह बताते हैं कि वनों के संरक्षण और उनके आर्थिक दोहन के लिए लिए सर पीटर क्लटर बक की ओर से किए गए उल्लेखनीय कार्यों को सम्मान देने के लिए देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंटीट्यूट में एक सड़क का नाम क्लटरबक रोड रखा गया है। वह आगे जोड़ते हैं कि जंगलों के संरक्षण और उन्हें विस्तार देने के लिए किए गए प्रयासों के लिए क्लटर बक इससे ज्यादा सम्मान के पात्र थे, लेकिन कलक्टरबक गंज के रूप में वह हमेशा हमारे बीच जीवित रहेंगे।

आजादी के बाद 1958 में यूपी राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) ने क्लटर बक गंज में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना की। इसके बाद कई स्थानीय उद्यमियों ने अपने उद्योग स्थापित किए। हालांकि औद्योगिक नीतियों में बदलाव और अन्य स्थानीय कारणों से भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) कारखाने ने अप्रैल 1998 में उत्पादन बंद कर दिया और कभी देश भर में माचिस की आपूर्ति करने वाली विमको फैक्ट्री 2014 में बंद हो गई। हालांकि क्लटर बक गंज से ही सटे परसाखेड़ा में कई नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं।

अमृत विचार

गुरुवार, 27 नवंबर 2025

हवा की दवा करें

धरती पर सबसे जहरीली हवा हमारी राजधानी की है। यह न केवल देश की, बल्कि वायु प्रदूषण की वैश्विक राजधानी बन गई है। इसका वायु प्रदूषण स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से 20 गुना होना दर्शाता है कि स्थिति बेलगाम है। हर साल अक्तूबर से फरवरी तक राजधानी की जहरीली हवा पर खबरों का तकरीबन रोज़ाना रिपीट होना इस बात का प्रमाण है कि इस स्थिति के प्रति हम महज़ बयानबाज़ी और खानापूरी तक सीमित हैं। समस्या के समूल समाधान के प्रति हमारी व्यवस्था में व्यापक अकर्मण्यता और पर्याप्त उदासीनता व्याप्त है। इसका सबूत है कि डब्ल्यूएचओ ने जब 2016 में दुनिया के सबसे 15 प्रदूषित शहरों की सूची जारी की, तो दिल्ली अव्वल थी। आज 2025 में भी हालात कमोबेश वही हैं।

आज सर्वाधिक वायु प्रदूषण वाले 183 देशों में हमारा स्थान 177वां है। यह धारणा बलवती है कि दिल्ली या बड़े औद्योगिक शहरों की हवा ही ज़हरीली है और बाकी जगहें अपेक्षाकृत दुरुस्त हैं, पर ऐसा नहीं है। बरेली, मुरादाबाद, लखनऊ, अयोध्या जैसे तमाम शहरों के लोग वायु गुणवत्ता सूचकांक के 200 के आसपास की हवा में जी रहे हैं, जो बहुत अस्वास्थ्यकर है। वे यह सोच भी नहीं सकते कि कभी वायु प्रदूषण से ग्रस्त नार्वे के ओस्लो का औसत एक्यूआई 1–2 तक, ऑटो इंडस्ट्री के चलते कभी कुख्यात डेट्रॉइट का 8 और भारी वाहन यातायात व औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाने वाला अल्जीयर्स का 11 भी हो सकता है। सरकार हो या समाज, यह लापरवाही आत्मघाती है। इससे पहले कि वातावरण दमघोंटू हो जाए और सवा दशक पहले के बीजिंग, हेबेई और तिआनजिन जैसे शहरों की तरह अस्पतालों के बेड वायु प्रदूषण प्रभावितों से भर जाएं, लोग कैन या पाउच में अपनी साफ हवा लेकर चलें और खास तरह के मास्क व पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन जैसे उत्पादों वाला 'प्रदूषण बाज़ार' लोगों को बेज़ार करे, हमें इस समस्या का स्थायी हल खोजना होगा। तय है कि पानी का छिड़काव, कृत्रिम बारिश या कुछ समय के लिए वाहनों पर रोक जैसे अस्थायी समाधान इस जहरीली हवा की अकसीर दवा नहीं बन सकते। हमें दीर्घकालिक, संरचनात्मक उपाय करने होंगे।

बहुत से देशों और शहरों ने अपने वायु गुणवत्ता सूचकांक को सैकड़ों से सतत प्रयासों के जरिए दहाई तक ला दिया। क्या हमें उनसे सीख लेकर वैसे ही उपाय अपनाने चाहिए, या अपनी व्यवस्था, समाज और मिज़ाज के अनुरूप समाधान तलाशने होंगे? यूरोपीय देशों या शहरों की बजाय हमारे लिए चीन एक अधिक उपयुक्त मॉडल लगता है, क्योंकि दोनों के लिए विकास और शहरीकरण वायु प्रदूषण के समान कारक हैं। उसने दीर्घ अवधि की नीतियों और त्वरित क्रियाओं का संयोजन लागू किया है। चीन ने इस बाबत सहयोग की पेशकश भी रखी है। संभव है सरकार सीमा विवाद को परे रख इस मामले में सहयोग की पहल करे। कुछ भी हो वर्तमान में जब सांस दर सांस भारी होती जा रही है, ऐसे में ऐसी भयावह स्थिति में सबसे ज़रूरी है कि साफ हवा के लिए जन-जागरूकता बढ़े और सरकार वोट का मुद्दा न होने के बावजूद इससे निबटने का पूरी ईमानदारी से स्थायी प्रयास करे।

प्रसंगवश

यूपी-बिहार से लौट रहे श्रमिकों का संकट

दिवाली, छठ पूजा और बिहार चुनाव हो जाने के बाद यूपी–बिहार के लाखों प्रवासी श्रमिक अब सूरत, मुंबई, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और देश के अन्य औद्योगिक शहरों की ओर लौट रहे हैं, लेकिन वापसी की यह यात्रा उनके लिए पहले से अधिक कष्टदायक, महंगी और जोखिम भरी साबित हो रही है। रेल प्रशासन द्वारा पर्याप्त विशेष ट्रेनों की व्यवस्था न किए जाने, बस ऑपरेटरों द्वारा मनमाना किराया वसूलने और जनरल कोचों में भयावह भीड़ जैसी समस्याओं ने मजदूरों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। यह स्थिति केवल यात्रियों की परेशानी नहीं, बल्कि उन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी गंभीर चुनौती है, जिनकी अर्थव्यवस्था यूपी–बिहार के श्रमिकों पर निर्भर है। खासकर सूरत का टेक्सटाइल सेक्टर।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

उत्सव की उमंग के बाद लौटने का संघर्ष है। दिवाली और छठ बिहार-यूपी के लिए सबसे बड़े सामाजिक, धार्मिक पर्व माने जाते हैं। इन दिनों प्रवासी श्रमिक अपने परिवारों के बीच रहना चाहते हैं, इसलिए लाखों की संख्या में लोग वापस अपने गांव, कस्बों की ओर जाते हैं। त्योहार और चुनाव खत्म होते ही जब वे रोज़गार के लिए लौटना चाहते हैं, तो उन्हें सबसे पहले जिस समस्या का सामना करना पड़ता है, वह है कन्फर्म टिकट का संकट। सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, राजस्थान सहित देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों से यूपी–बिहार आने वाली लगभग सभी ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी है।

इधर से जाने वाली तकरीबन सभी ट्रेनों में एक भी कन्फर्म सीट मिलना लगभग नामुमकिन हो चुका है। स्थिति यह है कि त्योहार वाले सप्ताह में भर गई वेटिंग अब भी कम होने का नाम नहीं ले रही। कन्फर्म टिकट न मिलने के कारण लाखों यात्री मजबूरी में जनरल कोचों में सफर कर रहे हैं। इन डिब्बों की स्थिति इतनी दयनीय है कि लोग इसे दहनिय कोच कहने लगे हैं। भीड़, घुटन, गर्मी और जान जोखिम में डालने वाली यात्रा हो गई है। एक कोच की क्षमता 100-120 यात्रियों की होती है, लेकिन इसमें 400-500 लोग ठूंसे जा रहे हैं। शौचालय तक पहुंचना असंभव है। खड़े रहने की जगह तक नहीं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। रेल प्रशासन इस भीड़ को नियंत्रित करने में असमर्थ दिखाई देता है। सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिहाज से यह स्थिति बेहद खतरनाक है।

बस ऑपरेटरों की मनमानी की वजह से किराया ढाई से तीन गुना बढ़ा दिया गया है। जब ट्रेन में जगह नहीं मिलती, तो श्रमिकों के पास बस का विकल्प बचता है, लेकिन बस ऑपरेटर स्थिति का फायदा उठाकर यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। बिहार–यूपी से सूरत का किराया सामान्य दिनों में 1800–2200 रुपये होता है। मौजूदा स्थिति में वसूला जा रहा किराया 5000 रुपये तक है। किराए में न भोजन मिलता है न आराम और कई बार तो असुरक्षित व अवैध बसों में यात्रा करनी पड़ती है। दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह खर्च बहुत भारी पड़ता है। जो लोग त्योहार के दौरान अपनी जमा-पूंजी खर्च कर चुके होते हैं, वे लौटते समय कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं।

बाधित यात्रा का सबसे बड़ा असर सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर पड़ा है। सूरत, जो देश का सबसे बड़ा सिंथेटिक टेक्सटाइल हब है, उसकी रीढ़ यूपी–बिहार के ही श्रमिक हैं। पावरलूम, डाइंग, प्रिंटिंग, एम्ब्रॉयडरी और फिनिशिंग यूनिट्स में काम करने वाले 60–70% मजदूर इन्हीं राज्यों से आते हैं। त्योहार के बाद आधी मशीनें बंद पड़ी हैं। मजदूर नहीं लौटने से उत्पादन घट रहा है।

आलोचना और स्वतंत्र सोच, क्रांतिकारी के दो अनिवार्य गुण हैं।
–शहीदे आजम भगत सिंह

भारतीयों की सभ्यता और सोच के संदर्भ

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

यूरोप व अमेरिका से जब नस्लीय भेदभाव और हिंसा की खबरें आती हैं, तो हम हिंदुस्तानी जाहिर करते हैं, जैसे इन देशों ने आर्थिक तरक्की भले कर ली हो, लेकिन वास्तव में उनका सभ्य होना अभी बाकी है। इस तरह की धारणाएं हमारे अतीत या भविष्य में 'वसुधैव कुटुंबकम्' का उद्घोष करने वाला विश्वगुरु होने के दावे को वैधता भी देती हैं। हमारे समाज की सचाई अचानक सामने आ गई, जब कोलकाता में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और विकेट कीपर ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहकर संबोधित किया। बुमराह ने एक बहुप्रचलित देसी गाली भी दी। याद आना स्वाभाविक है कि इसके पहले हरभजन सिंह ने एंड्रू साइमंड को 'मंकी' कहा था, जिसे एक नस्लीय टिप्पणी मानकर उन्हें दंडित भी किया गया था।

भारत जब अंग्रेजों के अधीन था, यह नस्लवाद दो स्तरों पर दिखाई देता था। अंग्रेज खुद को श्रेष्ठ मानते थे। भारतीयों को काला और असभ्य कहते थे। वे घमंड से भरकर सोचते थे कि श्रेष्ठ होने के कारण असभ्य और गंदे भारतीयों को सभ्य बनाना उनका दायित्व है। इस सिद्धांत को 'वाइट मैंस बर्डेन' के नाम से जाना जाता है। यानी बलपूर्वक कायम किए गए अपने औपनिवेशिक वर्चस्व को सभ्यता का दायित्व बताया जाता था। दूसरे स्तर पर कुछ शास्त्र सम्मत घोषित ऊंची जातियों के भारतीय दूसरे अनार्य, द्रविड़ और आदिवासी भारतीयों को अपने से नीचा ही नहीं मानते थे, बल्कि उनको छूने से भी बचते थे। स्पर्श हो जाए तो उन्हें दंडित करने के बहुत से क्रूर तरीके प्रचलन में थे।

नस्ली सोच के इन दो स्तरों का एक अच्छा उदाहरण आजादी से पहले बांबे जिमखाना क्लब की क्रिकेट टीम हुआ करती थी, जिसमें गोरे और भारतीय दोनों तरह के खिलाड़ी शामिल थे। इस टीम के इकलौते मीडियम पेसर गेंदबाज का नाम था, पावलंकर बालू, जिसे अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में जाने की मनाही थी। दलित होने के कारण उसके लंच की व्यवस्था भी बाकी खिलाड़ियों से अलग की जाती थी। बंगाल की जैसोर रियासत के राजा ने यह भेदभाव देखा तो पी बालू को अपने यहां ले गए। पी बालू पहले डॉ. भीमराव आंबेडकर के समर्थक रहे, फिर कई साल बाद उनके खिलाफ चुनाव भी लड़े।

इस नस्लीय श्रेष्ठता का एक तीसरा स्तर पर भी है, जिसके तहत भारतीय अफ्रीकी लोगों को अपने से नीचा मानते रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत का ईडन गार्डेन मैदान पर पहले टेस्ट मैच के दौरान दक्षिणी अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहना इस सोच का एक और नमूना भर है। अपने यहां काला, नाटा, काना, लूला-लंगड़ा यानी हर तरह की भिन्नता के आधार पर अपमानजनक शुभ-अशुभ विचार और कर्मकांडों की परंपरा रही है। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि भारत दशकों तक गोरे करने वाली एक खतरनाक क्रीम का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश क्यों रहा है! काला होना सामाजिक अभिशाप है! यह आज भी वैवाहिक विज्ञापनों पर एक नजर डालने से समझ में आ जाएगा।

जब दुनिया में अपने ही जैसा काला या भूरा समझा जाने वाला कोई भारतीय नस्ली आधार पर अफ्रीकियों का उपहास करता है, तो उन्हें दोहरी चोट लगती है। अफ्रीका के लोग भारतीयों की ही तरह गोरों के नस्लवाद के शिकार रहे हैं। वहां के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक जीवन पर गोरों का लंबे समय तक वर्चस्व रहा है। नेल्सन मंडेला ने चौथाई सदी से लंबी जेल काटी और लंबा संघर्ष चला, तब जाकर रंगभेदी शासन का अंत हुआ। याद आना स्वाभाविक है कि 1948 में गोरों ने एक ऐसा कानून बनाया था, जिसके तहत कोई भी अश्वेत दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम में शामिल नहीं हो सकता था। अभी सिर्फ नौ साल पहले 2016 में 11 में से छह अश्वेत खिलाड़ियों को अफ्रीकी क्रिकेट टीम में शामिल करना अनिवार्य किया गया। इन छह में से भी कम से कम दो खिलाड़ी 'अफ्रीकी ब्लैक' होने चाहिए, यह व्यवस्था की गई।

यह आरक्षण है जिसके तहत दो स्थान अफ्रीका के मूल निवासियों के लिए निश्चित हैं। इस नई व्यवस्था के समय कहा गया था कि इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम से बाहर हो जाएंगे और अफ्रीका क्रिकेट में फिसड्डी हो जाएगा। ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि अफ्रीकी ब्लैक खिलाड़ी इस टीम की रीढ़ बन गए। इसके एक उदाहरण अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंब बेवुमा भी हैं। उन्होंने अफ्रीकी टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब आस्ट्रेलिया को हरा कर दिलाया।

भारतीयों का यह नस्लीय श्रेष्ठता बोध बहुत प्राचीन है और यह सिर्फ अफ्रीकी लोगों तक सीमित नहीं है। हिंदी पट्टी के गेंहुए रंग के लोग खुद को दक्षिण भारत के और हिंदीभाषी प्रांतों के भी काले रंग के लोगों की तुलना में श्रेष्ठ मानते हैं। हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल का। आज भी देखते हैं। इस बोध के सबसे बुरे शिकार पूर्वोत्तर के आदिवासी होते आए हैं जिन्हें अपमानजनक 'चिंकी' नाम से पुकारा जाता रहा है। अन्य हिस्सों के आदिवासियों को भी इसका दंश झेलना पड़ता है।

इन दोनों प्रसिद्ध खिलाड़ियों को अपने शर्मनाक व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि क्रिकेट का खेल नस्ली संघर्ष नहीं, सद्भावना का प्रतीक बने। पहले ही उसे एशिया के धार्मिक कट्टरपंथियों ने लगभग युद्ध का रूप दे दिया है। खेलों ने इतिहास में मनुष्यों के सर्वश्रेष्ठ गुणों को सामने लाने में अहम भूमिका निभाई है, उन्हें घृणा और युद्ध की जगह बनाने वालों के हवाले नहीं किया जाना चाहिए।

हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल के रूप में देखते रहे हैं और आज भी देखते हैं।

आमने सामने

एसआईआर के नाम पर लोगों को डराया जा रहा है। बीजेपी इसके जरिए वोटर लिस्ट फिक्स कर रही है। भाजपा मेरे खेल में मुझे हरा नहीं सकती। बीजेपी ने बंगाल में उन पर हमला करने की कोशिश की, तो वो पूरे भारत में बीजेपी की नींव हिला दूंगी।
–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

अब पश्चिम बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनेगी। वो अब डरी हुई हैं। ममता बनर्जी अब पश्चिम बंगाल को नहीं बचा पाएंगी। वहां पर भी कमल खिलने जा रहा है। ये उनकी घबराहट का नतीजा है।
–केशव प्रसाद मौर्य
डिप्टी सीएम, उत्तर प्रदेश

मनरेगा: 27 लाख श्रमिक हटे, सवालों में प्रक्रिया

शिवालिक अवस्थी
लेखक

मेहनत करके कमाने वाला हर श्रमिक यह सोचता है कि वह रोजगार प्राप्त करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर सके। विशेषकर अकुशल श्रमिक का यह सपना होता है कि उसे सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले रोजगार के दृष्टिकोण से सीधा लाभ प्राप्त हो सके, जिसके लिए वह सदैव प्रयासरत भी रहता है और जिस कारण वह पलायन करने से भी नहीं घबराता। किसी श्रमिक को काम यदि घर के आस-पास ही मिल जाए तो वह उसी काम को और भी लगन के साथ करता है।

आज के दौर में श्रमिकों को अपने घर-परिवार छोड़ कर कहीं दूसरी जगह जाकर काम करना पड़ता है। या यूं कहें तो एक राज्य से दूसरे राज्य में जाकर काम की तलाश करनी पड़ती है। एक जगह से दूसरी जगह पलायन करने के कारण श्रमिकों को कई तरह की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। निश्चित ही अपना घर छोड़कर कहीं ओर जाकर काम करना भला किसको अच्छा लगता है? लेकिन परिवार की जिम्मेदारी श्रीमिकों को पलायन करने से रोक नहीं पाती। हालांकि सरकारें चाहती हैं कि श्रमिकों को उनके घर द्वार पर ही रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए जाएं लेकिन यह कहना जितना सरल है वास्तविकता में उतना ही कठिन भी है।

इसी कड़ी में वर्ष 2005 को भारत की केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए रोजगार गारंटी योजना शुरू की गई। इस योजना का नाम राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रखा गया। हालांकि बाद में यानी वर्ष 2009 में इसका नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रख दिया गया। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों के सदस्यों को न्यूनतम मजदूरी भत्ते पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया गया। इसके परिणामस्वरूप किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य इस योजना का हिस्सा बन सकते थे।

इसके तहत अकुशल वयस्क सदस्यों को भी कार्य करने के प्रति प्रोत्साहन दिया गया। यह मुख्यतः काम का अधिकार पर आधारित है। काम का अधिकार मतलब समाज में रह रहे हर व्यक्ति को अपनी रोजी-रोटी कमाने अथवा अपना परिवार चलाने के लिए काम का अधिकार उपलब्ध करवाना है। सामाजिक सुधार, महिलाओं का सशक्तिकरण, सुरक्षित आय व गांव का विकास इसके संचालन के मुख्य कारण माने जाते हैं।

हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के तहत बड़े चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। दरअसल, 10 अक्टूबर 2025 से 14 नवंबर 2025 के बीच लगभग 27 लाख मनरेगा श्रमिकों को हटा दिया गया है। इतने बड़े स्तर पर श्रमिकों को हटाना निश्चित ही चौंकाने वाला है। करीब 10.50 लाख नए श्रमिकों को इस योजना के तहत जोड़ा गया है। गत पहली नवंबर 2025 से इस योजना के तहत ई-केवाईसी को भी अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा करीब 15.2 लाख श्रमिकों को अप्रैल से सितंबर 2025 के मध्य मनरेगा योजना से हटाया जा चुका है और 98.8 लाख श्रमिकों को इस योजना के अंतर्गत जोड़ा भी गया है, जो कुल मिलाकर 83.6 लाख की वृद्धि आंकी गई है। श्रीमिकों को योजना से हटाए जाने वाला आंकड़ा जो करीब इन छह महीनों में सामने आया, उससे कहीं अधिक आंकड़ा तकरीबन एक महीने में सामने आ गया।

रिपोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि लगभग छह लाख के करीब सक्रिय श्रमिकों की कमी भी सामने आई है। यह ऐसे श्रमिक हैं, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक दिन का रोजगार प्राप्त किया है। यह सब तब सामने आया है जब मंत्रालय द्वारा ई-केवाईसी को आवश्यक कर दिया गया है, ताकि अमान्य अथवा अपात्र श्रमिकों को इस योजना से हटाया जा सके। शीर्ष तीन राज्यों में जहां ई-केवाईसी का कार्य संपन्न हो चुका है, उनमें सबसे ज्यादा अपात्र श्रमिकों को हटाए जाने वाला राज्य आंध्र प्रदेश है। आंध्र प्रदेश में तकरीबन 78.4 प्रतिशत श्रमिकों को मनरेगा योजना से हटाया गया है, जबकि तमिलनाडु में यह आंकड़ा 67.6 प्रतिशत और छतीसगढ़ में यह आंकड़ा 66.6 प्रतिशत सामने आया है।

एक तरफ देखा जाए तो ई-केवाईसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे अपनाना अति आवश्यक भी है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके, हालांकि सरकार के अनुसार गड़बड़ियों का निपटारा करने के लिए ही ई-केवाईसी प्रणाली को लागू किया गया है। ई-केवाईसी प्रणाली से मनरेगा के कार्यों पर पारदर्शिता लाई जा सकेगी, लेकिन ई-केवाईसी के दौरान विलोपन में भारी वृद्धि देखना कहीं न कहीं अव्यवस्था को जरूर दर्शाता है। या तो अभी तक अपात्र लोग श्रमिकों का स्थान लिए बैठे थे या ई-केवाईसी के दौरान श्रमिकों के पास उचित दस्तावेज ही उपलब्ध नहीं थे, जिसकी वजह से विलोपन का आंकड़ा इतना ज्यादा बढ़ गया।

यानी किसी न किसी किनारे में चूक तो अवश्य हुई है। ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण रूप से अभी संपन्न भी नहीं हुआ है और आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। सरकारी योजना चाहे कोई भी हो, यदि पात्र लोग वंचित रह जाएं और अपात्र लोगों तक इसका सीधा फायदा पहुंचे तो यह उस योजना पर निश्चित तौर पर सवालिया निशान खड़ा कर देता है।

एक महीने में लगभग 27 लाख श्रमिक मनरेगा से हटा दिए गए हैं। कई लाख जोड़े भी गए हैं। यह आंकड़े प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं।

सोशल फोरम

द हीरो हू लिव्ड

भारत के इतिहास में शोले शायद इकलौती फ़िल्म होगी, जिसका हर किरदार, हर डायलॉग, उसके रिलीज के 50 साल बाद भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। गब्बर सिंह के रूप में अमजद खान तो आईकॉनिक हैं ही। जया, हेमा, अमिताभ, धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, जगदीप, असरानी, मैक मोहन, लीला मिश्रा, जलाल आगा, हेलन, एके हंगल जैसे मिनट भर की प्रेजेंस वाले रोल भी हमारी स्मृतियों में ताजा हैं। इनमें हीरो कौन था? कुछ नियमों को फॉलो करें- मेन हीरोइन किसे मिलती है, अंत में विलेन किससे पिटता है- इस आधार पर धर्मेंद्र हीरो हैं, ट्रेजेडी यही है। हीरो होकर भी, वे पूरी फिल्म में, डोमिनेटिंग हीरो बनकर जेहन में छप नहीं पाते। मर जाने वाले अमिताभ सारी सहानुभूति लूट जाते हैं। जी जाने वाले धर्मेंद्र पीछे रह जाते हैं। फ़िल्म इंड्रस्टी में 50 साल से अधिक साल तक छाए रहने के बावजूद, वे सुपरस्टार नही गिने गए। कभी राजेश खन्ना, कभी अमिताभ ने वह दर्जा रखा, लेकिन धर्मेंद्र का औरा कायम रहा। अनपढ़ और बंदिनी जैसी फिल्मों से फूल और पत्थर, हकीकत, सत्यकाम, खामोशी से सफर यमला पगला दीवाना तक पहुंचता है, लेकिन मौजूदा दौर में ज्यादातर लोगों के जेहन में उनकी छवि, 80-90 के दशक के हीमैन की है।

रिबोर्न मनीष
ब्लॉगर

यही उनके साथ अन्याय है। उनका असली कद उनकी अभिनय रेंज में छिपा है। छह दशक के कॅरियर और तीन सौ से अधिक फिल्मों में उन्होंने हर छोर को छुआ। सत्यकाम में सत्यनिष्ठ शख्स, अनुपमा में टूटे पिता का अपराधबोध, जीवन मृत्यु में एक ही फिल्म में क्रूर ठाकुर से शांत डॉक्टर तक का सफर और चुपके-चुपके में का वो प्रोफेसर, जिसके हालात से हंसी फूटती थी। गंवई जट से शहरी बुद्धिजीवी तक, एक्शन हीरो से हास्य कलाकार तक, वे फिट रहे। हृषिकेश मुखर्जी, ऋत्विक घटक और रमेश सिप्पी, तीन अलग ध्रुवों के निर्देशकों के सबसे भरोसेमंद अभिनेता थे। उनकी रेंज यह नहीं कि वे कितने रोल कर सकते थे, बल्कि मिलने वाले हर रोल में वह कितना असली लगते हैं। धर्मेंद्र उस श्रेणी के अभिनेता रहे। हिंदी सिनेमा में इतनी लंबी पारी और ऐसी रेंज के अभिनेता कम हैं।

निजी जीवन में भी उनकी रेंज दिलचस्प है। आजकल ज्यादा बात उनके दिलावर खान बनकर, हेमा मालिनी से विवाह की होती है, पर एक सेलिब्रिटी होकर, स्टार और पब्लिक की आलोचना की तमाम संभावनाओं के बावजूद, उन्होंने प्रेम को निबाहा- सबके सामने अंगीकार किया। ये साहस और जिद की बात है। नों लड़के स्टार हुए। धन, यश, प्रेम, आनंद और कंट्रोवर्सी से भरपूर, एक जीने योग्य जीवन के बाद, धर्मेंद्र गए हैं। –फेसबुक वाल से

सामयिकी

नारी सुरक्षा पर चुप्पी नहीं बदलाव की जरूरत

आधी आबादी के सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर हर दिन गहरा आघात पहुंच रहा है। महिलाओं पर बढ़ती हिंसा न केवल मानवाधिकारों का सबसे गंभीर उल्लंघन है, बल्कि सामाजिक प्रगति, न्याय, समानता और सतत विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा भी है। आज स्थिति यह है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा मानव जाति के इतिहास में सबसे व्यापक, सबसे स्थायी और सबसे कम दंडित अपराधों में से एक है। वैश्विक स्तर पर हर तीन में से एक महिला अपने जीवनकाल में किसी न किसी प्रकार की शारीरिक, मानसिक या यौन हिंसा का शिकार होती है। वर्ष 2024 और 2025 की संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन) की रिपोर्टें बताती है कि दुनियाभर में 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग की लगभग डेढ़ करोड़ किशोरियां कभी न कभी यौन उत्पीड़न या हिंसा झेलती हैं। मानव तस्करी के शिकार लोगों में आधे से अधिक व्यस्क महिलाएं शामिल हैं।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

चौंकाने वाली बात यह है कि हिंसा का बड़ा हिस्सा कभी रिपोर्ट ही नहीं होता। नई वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार, 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं किसी भी प्रकार की हिंसा की शिकायत दर्ज कराने से कतराती हैं। कभी समाज के डर से, कभी परिवार की दबाव नीति के कारण, तो कभी इसलिए कि उन्हें पुलिस की संवेदनशीलता और न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा नहीं होता। यही कारण है कि असंख्य पीड़िताएं अपने घाव छिपाकर जीने को मजबूर हैं और अपराधी निर्भीक होकर समाज में घूमते रहते हैं। डिजिटल युग ने हिंसा के रूपों को और जटिल बना दिया है। आज साइबर स्टॉकिंग, डॉक्सिंग, मॉर्फिंग, ट्रोलिंग, बदनाम करने वाले अभियान और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की निजी जानकारी का दुरुपयोग, बदनाम करने वाले वीडियो, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और 'डीपफेक' तकनीक के इस्तेमाल से उत्पन्न यौनिक हिंसा ने एक नया संकट खड़ा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2024-25 की रिपोर्ट में डिजिटल हिंसा को 'नई वैश्विक महामारी' तक कह दिया है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार, महिलाओं पर हिंसा के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रतिवर्ष खरबों डॉलर का नुकसान होता है क्योंकि इससे महिलाओं की उत्पादकता घटती है, स्वास्थ्य खर्च बढ़ता है, सामाजिक असमानता गहराती है और विकास की गति प्रभावित होती है। भारत में भी स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। निर्भया कांड के बाद उम्मीद जगी थी कि समाज में संवेदनशीलता बढ़ेगी, कानून कठोर होंगे और अपराधियों में भय पैदा होगा। वास्तव में कानून तो कठोर हुए, फास्ट-ट्रैक कोर्ट बने, महिला सुरक्षा के लिए नई पहलें की गईं, लेकिन धरातल पर तस्वीर बदली नहीं। आज भी कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता, जब देश के किसी न किसी हिस्से से बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज हत्या, घरेलू अत्याचार, अपहरण या क्रूरता की घटनाएं सामने न आती हों।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की सुरक्षा भी आज की सबसे बड़ी जरूरत है। सरकारों और तकनीकी कंपनियों को मिलकर मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे, एआई-आधारित मॉनिटरिंग, अभद्र व्यवहार की त्वरित रिपोर्टिंग और डिजिटल अपराधियों को कड़ी सजा देने वाली प्रणाली तैयार करनी होगी। महिलाओं के प्रति हिंसा रोकना केवल शासन का काम नहीं बल्कि सरकार, समाज, डिजिटल प्लेटफॉर्म, शिक्षा प्रणाली, मीडिया और नागरिकों की संयुक्त जिम्मेदारी है। जब तक समाज स्त्री को बराबरी के सम्मान योग्य मनुष्य के रूप में नहीं स्वीकार करेगा, तब तक कानून अकेले कोई बदलाव नहीं ला पाएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

मानद उपाधियां
घटता सम्मान-बढ़ता व्यापार

शिक्षा के पवित्र क्षेत्र में पिछले कुछ समय में एक विचित्र प्रवृत्ति उभर आई है। देश-विदेश की तमाम तथाकथित संस्थाएं रुपये लेकर लोगों को 'डॉ.' बना रही हैं, जो उपाधि कभी उपलब्धि का प्रतीक थी, अब दिखावे और प्रचार का माध्यम बन गई हैं। ऑनरेरी (मानद) डॉक्टरेट, जिसका उद्देश्य असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना था, अब पैसों के लेन-देन का औजार बन गई है। इंटरनेट पर ऐसे प्रमाणपत्र आसानी से उपलब्ध हैं- बस भुगतान कीजिए, एक 'ग्लोबल समिट' में मंच पर फोटो खिंचवाइए और नाम के आगे 'डॉ. (Dr.)' जोड़ लीजिए, जो कभी उपलब्धि का प्रतीक था, अब प्रदर्शन का औजार बन गया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

ऑनरेरी डॉक्टरेट या मानद उपाधि का मूल विचार बहुत ही गरिमामय था। इसका उद्देश्य उन व्यक्तियों को सम्मानित करना था, जिन्होंने समाज, विज्ञान, साहित्य, कला या मानवता के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो। पश्चिम में ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड या कैंब्रिज जैसे विश्वविद्यालय जब ऐसी उपाधियां देते हैं, तो यह स्पष्ट कर देते हैं कि यह शैक्षणिक डिग्री नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सम्मान है। भारत में भी कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय यह परंपरा निभाते हैं। उद्देश्य केवल सम्मान देना है, न कि 'डॉक्टर' कहलाने का अधिकार प्रदान करना।

क्या कहता है कानून

कानून भी इस भेद को स्पष्ट करता है। यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 22 के अनुसार, 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' या 'डॉक्टर ऑफ साइंस' जैसी उपाधियां केवल वही विश्वविद्यालय प्रदान कर सकते हैं, जिन्हें विधिवत मान्यता प्राप्त है। कोई भी निजी संस्था या पंजीकृत सोसायटी ऐसा करने का अधिकार नहीं रखती। इसके बावजूद, सोशल मीडिया पर सैकड़ों 'इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीज' और 'ग्लोबल काउंसिल्स' सक्रिय हैं, जो विदेशी नामों और सुनहरी मोहरों वाले आकर्षक प्रमाणपत्र थमा रही हैं। इन प्रमाणपत्रों का कोई शैक्षणिक मूल्य नहीं होता, फिर भी इन्हें लेने वाले अपने विजिटिंग कार्ड, सोशल मीडिया प्रोफाइल और नामपट्ट पर 'Dr' जोड़ लेते हैं। यह सब इतना गंभीर क्यों है? इसलिए कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षा की नैतिकता पर सीधा प्रहार है। जो व्यक्ति वर्षों की मेहनत, शोध और मार्गदर्शन के बाद डॉक्टरेट की उपाधि अर्जित करता है, उसका श्रम उस समय बेमानी हो जाता है, जब कोई व्यक्ति कुछ हज़ार रुपये देकर वही उपाधि 'सम्मान' के नाम पर हासिल कर लेता है। असली डॉक्टरेट के पीछे कठोर अनुसंधान, थीसिस, समीक्षाएं और प्रकाशन की प्रक्रिया होती है, जबकि इन 'ऑनरेरी उपाधियों' के पीछे सिर्फ़ एक पेमेंट लिंक होता है।

भ्रामक प्रतिष्ठा

यह प्रवृत्ति केवल शिक्षा की साख नहीं गिरा रही, बल्कि समाज में ज्ञान की विश्वसनीयता भी तोड़ रही है। जब कोई व्यक्ति अपनी सोशल मीडिया बायो में 'Dr.' जोड़ लेता है, तो लोग उसे विशेषज्ञ मान लेते हैं चाहे वह असल में किसी विषय का प्राथमिक ज्ञान भी न रखता हो। ऐसे लोग अक्सर 'लाइफ कोच', 'मोटिवेशनल स्पीकर' या 'ग्लोबल एंबेसडर' के रूप में सामने आते हैं और 'ऑनरेरी डॉक्टरेट' को अपनी योग्यता का प्रमाण बना लेते हैं। यह समाज में भ्रामक प्रतिष्ठा और झूठे अधिकार का भ्रम पैदा करता है। यह आचरण केवल भ्रामक नहीं, बल्कि यदि जानबूझकर किसी को भ्रमित करने या व्यक्तिगत लाभ के लिए किया जाए, तो कानूनन धोखाधड़ी की श्रेणी में भी आ सकता है। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि यह सच्चे शोधकर्ताओं और विद्वानों की मेहनत का अनादर है, शिक्षा की गरिमा और ईमानदारी दोनों पर धब्बा है। यह भी सच है कि दोष केवल इन संस्थाओं का नहीं। उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी उस मौन स्वीकृति की है, जो समाज देता है। मंचों पर ऐसे लोगों को 'डॉ.' कहकर बुलाया जाता है, उन्हें सम्मानित किया जाता है, मीडिया में उनके 'अंतर्राष्ट्रीय सम्मान' की खबरें छपती हैं। तालियों की वह गूंज नकली उपाधियों को वैधता दे देती है। धीरे-धीरे असली और नकली के बीच की रेखा मिटने लगती है।

इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी

यूजीसी समय-समय पर फर्जी विश्वविद्यालयों और अवैध उपाधियां बांटने वाली संस्थाओं की सूची जारी करता है, परंतु फिर भी बड़ी संख्या में लोग इनके जाल में फंस रहे हैं। विदेशी नामों, अंग्रेजी आभा और तथाकथित 'ग्लोबल' पहचान का आकर्षण हमारे समाज की उस मानसिकता को भी उजागर करता है, जहां दिखावे को सार से अधिक महत्व दिया जाता है। यह शिक्षा नहीं, प्रतिष्ठा का सौदा है। जब सम्मान बिकने लगता है, तो वह सम्मान नहीं रहता- वह विज्ञापन बन जाता है। इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी है। यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय को ऐसे संस्थानों और उनसे उपाधि लेने वालों के विरुद्ध निरंतर और ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही समाज को भी अपनी सोच में परिपक्वता लानी होगी। ऑनरेरी डॉक्टरेट का असली अर्थ सम्मान में निहित है, व्यापार में नहीं। जब यह खरीदी जाती है, तो 'सम्मान' शब्द अपनी गरिमा खो देता है और शिक्षा, जो समाज की आत्मा है- सिर्फ दिखावे का मुखौटा बन जाती है। शिक्षा का सार ज्ञान है और ज्ञान का सार ईमानदारी, जब उपाधियां बिकने लगती हैं, तो शिक्षा का अर्थ ही खो जाता है। मानद डॉक्टरेट का वास्तविक सौंदर्य उसकी विनम्रता में है। सम्मान देने और पाने, दोनों की मर्यादा में। यह परंपरा तभी जीवित रह सकती है, जब इसे दिखावे, प्रचार और पैसों की पहुंच से बचाया जाए। डॉक्टरेट की उपाधि का मूल्य उसकी कठिनाई और श्रम में है। उसे खरीदा नहीं जा सकता, केवल अर्जित किया जा सकता है। इसलिए किसी नाम के आगे "डॉ." देखकर अंधविश्वास न करें, बल्कि यह जानें कि उपाधि कहां से और किस आधार पर प्राप्त की गई है। यही समझ जब समाज में फिर से स्थापित होगी, तब 'सम्मान' अपनी खोई हुई ऊंचाई पर लौट आएगा।

जॉब अलर्ट

राइट्स लिमिटेड (RITES Ltd.)

- पद का नाम : सहायक प्रबंधक
- पदों की संख्या : 400 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : प्रासंगिक इंजीनियरिंग में स्नातक और 2 वर्ष का अनुभव
- आयु सीमा : 40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 25-12-2025
- वेबसाइट : www.rites.com

इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB)

- पद का नाम : मल्टी-टास्किंग स्टाफ
- पदों की संख्या : 362 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : 10 th या समकक्ष
- आयु सीमा : 18-25 वर्ष
- अंतिम तिथि : 14-12-2025
- वेबसाइट : www.mha.gov.in

दूरदर्शन केंद्र हैदराबाद

- पद का नाम : प्रसारण सहायक, कॉपी एडिटर
- वेतन : 1500-2400 रुपये प्रतिदिन
- योग्यता : स्नातक या डिप्लोमा
- आयु सीमा : 21-50 वर्ष
- अंतिम तिथि : 15-12-2025
- वेबसाइट : prasarbharati.gov.in

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम : फैकल्टी
- वेतन : 30,000 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : पदानुसार स्नातक/ स्नाकोत्तर
- आयु सीमा : 22-40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 10-12-2025
- वेबसाइट : www.centralbankofindia.co.in

कैंपस में पहला दिन
आईए एक-दूसरे को जानने की शुरुआत करें...

स्कूल के दिनों से ही हम सब कॉलेज लाइफ की चमकदार कहानियां सुनते आते हैं। कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा, वहां असली आजादी मिलेगी, यूनिफॉर्म नहीं, नए दोस्त, नए सपने, नए अनुभवइन्हीं ख्वाबों को अपने दिल में सजाए, मैं 16 अगस्त 2019 की सुबह इनवर्टिस के गेट के सामने खड़ी थी। थोड़ी देर से एडमिशन लेने की वजह से यह दिन और भी खास था, जैसे मेरी खुद की कहानी अब शुरू हो रही हो। कॉलेज के पहले दृश्य ने दिल जीत लिया। जब मेरी नजर उस बड़े, खूबसूरत कैंपस पर पड़ी, तो आंखें खुद-ब-खुद बड़ी हो गईं। वो चौड़ा गेट, ऊंची-ऊंची इमारतें, चारों ओर हरियाली, छात्रों की भीड़, हंसी की आवाजें, लॉन में बैठे स्टूडेंट्स, हर तरफ नई ऊर्जा की गूंज थी। सब कुछ फिल्मी था, जैसे किसी फिल्म का सेट हो और मैं उस कहानी की नई किरदार। पर इतना असली कि उस पल मेरी धड़कनें तेज हो गईं। दिल में अचानक एक उम्मीद जग गई कि हां! यही है, वो जगह जहां मेरा सपना जी उठेगा।

क्लासरूम में कदम रखते ही एक अलग माहौल महसूस हुआ। सभी स्टूडेंट्स casual कपड़ों में, हंसी से भरा माहौल, थोड़ी-सी घबराहट, पर उससे कहीं ज्यादा उत्साह में बैठे थे। हर चेहरा जैसे एक नई कहानी लेकर आया था। कोई नए जूते दिखा रहा था, कोई अपनी जगह ढूंढ रहा था, कोई किसी से बस यूं ही बात शुरू कर रहा था और फिर मेरी नज़र सामने खड़े एक व्यक्ति पर पड़ी, पहले तो लगा कोई सीनियर होंगे, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद पता चला कि वो हमारे HOD हैं। HOD होकर भी इतने कूल कि लगा जैसे कॉलेज की किताबें नहीं, जिंदगी खुद हमें पढ़ाने आई हो।

पहले ही दिन HOD सर ने कहा, "Books later Let's start by knowing each other." फिर शुरू हुई एक-एक करके introductions की बारिश, किसी ने कहा उसे singing पसंद है, किसी ने बताया कि वो शहर पहली बार छोड़कर आया है, किसी ने अपने भविष्य के सपने सुनाए और इन छोटी-छोटी बातों ने हम सबको एक-दूसरे के करीब ला दिया। उनका पढ़ाने का तरीका सबसे अलग, दिन की शुरुआत ice-breaking session से करते थे, कहानियों के जरिये पढ़ाते, practicals से समझाते और अपने अनुभवों के सहारे हमारे सपनों में नई उड़ान भर देते। हमेशा सुनती थी कि कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा।

पहले दिन ही समझ आ गया कि वो ऐसा क्यों कहते हैं। यहां कोई सख्त अनुशासन नहीं, कोई यूनिफॉर्म नहीं, कोई डर नहीं क्योंकि कॉलेज में सिर्फ मिली सब कुछ सीखने और खुद को पहचानने की पूरी आजादी। कॉलेज की पहली हवा ही अलग थी, खुली, आजादी और उम्मीदों से भरी। क्लास के बीच-बीच में हम सभी एक-दूसरे को जानने लगे। कौन कहां से आया है, किसके क्या सपने हैं, हर बातचीत से एक नया रिश्ता बनता चला गया। कब मैं अपने पहले ग्रुप का हिस्सा बन गई, ये मुझे खुद भी नहीं पता चला। कॉलेज का जादू यही है। यहां हर कोई एक-दूसरे से बात करता है, रिश्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं, और अजनबी दोस्त बन जाते हैं। उस दिन की हंसी, वो नए चेहरे, वो अनजाना सा अपनापन, सबने मिलकर मेरे पहले दिन को "यादगार" और "दिल के करीब" बना दिया।

-निकिता चौधरी, बरेली

नोटिस बोर्ड

- लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए विप्रो, हाइक एजुकेशन और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जा रही है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बीसीए, बीबीए, बीकॉम, बीए, बीएचएम व बीएससी के छात्र कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव पद पर 3.08 लाख रुपये वार्षिक पैकेज हेतु आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टॉक, एचआर स्क्रीनिंग तथा वॉयस एवं एक्सेंट राउंड शामिल हैं। तीनों कंपनियों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है।
- आईआईटी कानपुर में अगले सप्ताह अर्थात 1 दिसंबर से प्लेसमेंट अभियान शुरू होने जा रहा है। यह अभियान 15 दिसंबर तक चलेगा। इस बार के अभियान में देश-विदेश की लगभग 250 कंपनियां शामिल हो सकती हैं।

फ्रीलांसिंग से बनाएं मजबूत करियर

आज के डिजिटल दौर में फ्रीलांसिंग से घर बैठे करियर बनाने का सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका बनकर उभरा है। अगर आप ग्रेजुएट हैं और पारंपरिक नौकरी के दबाव से दूर अपनी सुविधा के अनुसार काम करना चाहते हैं, तो यह आपके लिए बेहतरीन मौका हो सकता है। खासकर उन लोगों के लिए जो किसी वजह से घर से बाहर काम नहीं कर पाते, जैसे महिलाएं, स्टूडेंट्स या होममेकर फ्रीलांसिंग कम समय में स्थिर और अच्छी कमाई का जरिया बन सकती है। सिर्फ एक लैपटॉप, इंटरनेट और थोड़ी-सी स्किल के साथ आप अपनी प्रतिभा को आय में बदल सकते हैं और एक स्वतंत्र व सफल करियर की शुरुआत कर सकते हैं। आइए आज आपको बताते हैं, फ्रीलांसिंग के बेस्ट करियर विकल्प : *– फीचर डेस्क*

डाटा एंट्री

आज के कंप्यूटर युग में डाटा एंट्री का काम काफी लोकप्रिय हो गया है। इस काम में आपको सिर्फ एक निर्धारित डाटा को कंप्यूटर की मदद से किसी सॉफ्टवेयर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भरना होता है। अगर आपके पास कंप्यूटर, इंटरनेट और अच्छी टाइपिंग स्पीड है, तो यह काम आपके लिए सबसे आसान विकल्पों में से एक है। यहां आपको आमतौर पर प्रति घंटे के हिसाब से पेमेंट मिलता है। डाटा एंट्री में प्रति घंटे 1,500 से 3,000 रुपये तक की कमाई संभव है।

ट्रांसलेटर

घर बैठे ट्रांसलेटर के रूप में काम करना भी एक बढ़िया विकल्प है। इस काम के लिए आपकी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है। यदि आपको अंग्रेजी या कोई अन्य विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच आदि आती है, तो आप आसानी से यह काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में पेमेंट प्रोजेक्ट के आधार पर मिलता है।

यूट्यूबर

अगर कैमरे के सामने आने में आप सहज हैं और आपके पास कोई जानकारी या स्किल है, जिसे आप दूसरों के साथ साझा करना चाहते हैं, तो आपके लिए यूट्यूब एक शानदार मंच बन सकता है। आप बिल्कुल बेसिक सेटअप के साथ घर बैठे अपना चैनल शुरू कर सकते हैं। कमाई मुख्य रूप से आपके वीडियो के व्यूज और क्लिक्स पर निर्भर करती है।

कॉन्टेंट राइटिंग

यदि आपको लिखना पसंद है, तो यह क्षेत्र आपके लिए ideal साबित हो सकता है। फ्रीलांसिंग में कॉन्टेंट राइटिंग को सबसे बेहतरीन करियर विकल्प माना जाता है। आज हर छोटे-बड़े ब्रांड की अपनी वेबसाइट होती है, जिन पर नियमित रूप से कंटेंट की जरूरत पड़ती है। घर बैठे आप इस पेशे के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं और समय के साथ आय में भी वृद्धि होती है।

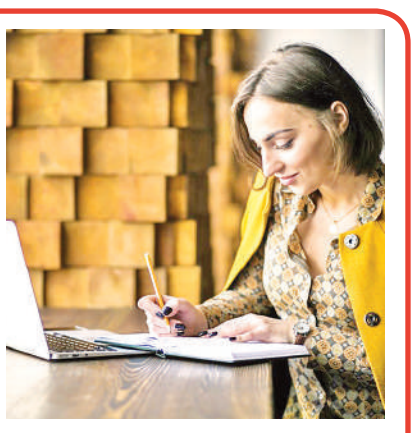

वेब डेवलपमेंट

अगर आप वेब डिजाइनिंग या कोडिंग में माहिर हैं, तो घर बैठे ही वेब डेवलपमेंट का काम शुरू कर सकते हैं। लिंक्डइन और अन्य जॉब ऐप्स के माध्यम से आप आसानी से कंपनियों व क्लाइंट्स से जुड़ सकते हैं। इस क्षेत्र में कमाई काफी अच्छी होती है और अनुभव बढ़ने के साथ आय लाखों में पहुंच सकती है।

ब्लॉगिंग

ब्लॉगिंग उन लोगों के लिए बढ़िया विकल्प है, जिन्हें लिखना पसंद है। आपको अपना ब्लॉग गूगल एडसेंस से जोड़ना होता है, जिसके बाद विज्ञापन के माध्यम से कमाई शुरू होती है। शुरुआत में आय कम होती है, लेकिन जैसे-जैसे आपके ब्लॉग की ट्रैफिक, लोकप्रियता और पहुंच बढ़ती है, आपकी कमाई भी बढ़ने लगती है। ब्लॉगिंग से होने वाली आय आपकी रीडरशिप व लोकेशन पर निर्भर करती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,609 .51	26,205 .30
बढ़त	1,022 .50	320 .50
प्रतिशत में	1.21	1.24

सोना 1,30,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,63,100 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

डीवीसी को मिलीं तीन कोयला खानें

नई दिल्ली। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) वाणिज्यिक खानों की नीलामी के 13वें दौर में तीन कोयला खानों के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाली बनी है। इन खानों से प्रतिवर्ष 4,621 करोड़ का राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। डीवीसी झारखंड में दो नॉन-कोकिंग कोयला खानों और ओडिशा में नॉन-कोकिंग कोयला खदान के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी। नॉन-कोकिंग कोयले का मुख्य उपयोग बिजली उत्पादन और सीमेंट तथा उर्वरक जैसे औद्योगिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है। कोयला मंत्रालय के अनुसार, ये तीनों खदानें प्रतिवर्ष 4,620 .69 करोड़ का राजस्व उत्पन्न करने, 7,350 करोड़ के पूंजी निवेश को आकर्षित करने और 66,248 रोजगार सृजन करने की क्षमता रखती हैं।

आईएलएंडएफएस ने दिए 48,463 करोड़ ऋण

नई दिल्ली। कर्ज में डूबे आईएलएंडएफएस समूह ने सितंबर, 2025 तक अपने लेनदारों को 48,463 करोड़ का भुगतान कर दिया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष दायर नवीनतम स्थिति रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। यह भुगतान मार्च, 2025 तक चुकाए गए 45,281 करोड़ की तुलना में 7 .02% अधिक है। आईएलएंडएफएस द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया कि 30 सितंबर 2025 तक आईएलएंडएफएस द्वारा अपने ऋणदाताओं को 48,463 करोड़ का कर्ज चुकाया गया है। आईएलएंडएफएस ने 99,355 करोड़ के ऋण में से 61,000 करोड़ चुकाने का लक्ष्य रखा है। 48,463 करोड़ के भुगतान के साथ, लक्षित 61,000 करोड़ रुपये के ऋण समाधान का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो चुका है।

एनआईएम लक्ष्य पाने का भरोसा : एसबीआई

नई दिल्ली। एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक अगले सप्ताह नीतिगत ब्याज दर में 0 .25% की कटौती की स्थिति में भी अपना 3% शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) हासिल करने को लेकर आश्वस्त है। शेट्टी ने कहा कि रिजर्व बैंक नीतिगत रेपो दर पर अगले सप्ताह एक मुश्किल फैसला लेगा, लेकिन बैंक का अनुमान है कि अगर ब्याज दर में कटौती होती है, तो यह सिर्फ 0 .25% की मामूली कटौती होगी, जिसका मार्जिन पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सुधार-उन्मुख भारत ले रहा बड़े फैसले : मोदी

प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के इंजन एमआरओ संयंत्र का किया ऑनलाइन उद्घाटन

हैदराबाद, एजेंसी

समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

- बोले- देश को भरोसेमंद साझेदार, बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की निवेश क्षमता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि सुधारों को तेजी से लागू कर रहा भारत अब बड़े फैसले लेता है और निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के विमान इंजन एमआरओ संयंत्र का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि यह संयंत्र युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। भारत ने व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया है और राष्ट्रीय एकल-खिड़की व्यवस्था से विभिन्न अनुमोदन को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार, चेहरा-रहित कर आकलन, नए श्रम कानून और दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के आने से शासन पहले से अधिक सरल और पारदर्शी बना है। उन्होंने कहा कि इन कोशिशों से भारत को अब एक भरोसेमंद साझेदार, एक बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा है। आज भारत में तेजी से वृद्धि हो रही है, सरकार स्थिर है, सुधार पर ध्यान देने वाली सोच है, युवा प्रतिभाओं की भरमार है और एक बड़ा घरेलू बाजार है। सबसे जरूरी बात, भारत में निवेश करने वालों को देश सिर्फ निवेशक नहीं, बल्कि विकसित भारत के सफर में सह-निर्माता और हितधारक मानता है।

संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ का शुरुआती निवेश करेगा सैफरान

सैफरान की इकाई सैफरान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) ने हैदराबाद में अपने एमआरओ संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश किया है। यहां एयरबस ए320 निओ और बोइंग 737 मैक्स विमानों में इस्तेमाल होने वाले लीप इंजन की सर्विसिंग होगी। इस संयंत्र को प्रति वर्ष 300 इंजन की सर्विसिंग क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है और 2035 तक 1,000 से अधिक कुशल भारतीय तकनीशियन और इंजीनियर यहां कार्यरत होंगे। इस संयंत्र में 2026 में परिचालन शुरू होने वाला है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि भारत में एमआरओ क्षमताओं का विकास विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करेगा, उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसर सृजित करेगा, आपूर्ति शृंखला की मजबूती बढ़ाएगा और भारत को वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

अतिरिक्त ऑर्डर मिला तो असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध : सीईओ

फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान ने कहा कि भारतीय वायुसेना राफेल लड़ाकू विमानों के लिए अतिरिक्त ऑर्डर देती है तो कंपनी राफेल के इंजन एवं अन्य महत्वपूर्ण कलपुर्जों के लिए भारत में अंतिम असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध होगी। सैफरान के सीईओ ओलिवर एंड्रीस ने कंपनी के लीप इंजन रखरखाव, मरम्मत और देखभाल (मेंटेनेंस, रिपेयर ओवरहॉल-एमआरओ) केंद्र के उद्घाटन के बाद कहा कि अगर ऐसा होता है, तो यह फ्रांस के बाहर ऐसी पहली इकाई होगी। एंड्रीस ने कहा कि कंपनी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ इंजन के सह-विकास पर तकनीकी एवं वाणिज्यिक चर्चाएं करेगी। भारत एकमात्र देश है जिसके लिए कंपनी इंजन प्रौद्योगिकी का पूरी तरह हस्तांतरण करने का प्रस्ताव दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का नागर विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और देश का घरेलू बाजार दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 1,500 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है। विमानों के रखरखाव, मरम्मत एवं देखभाल यानी एमआरओ का करीब 85 प्रतिशत काम विदेशों में होने से लागत बढ़ती है और विमानों को लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है।

डिजिटल कनेक्शन डेटा सेंटर पर खर्च करेगी 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

- ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम ने की घोषणा

डिजिटल अवसंरचना कंपनी डिजिटल कनेक्शन ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 2030 तक 11 अरब डॉलर (98,000 करोड़ रुपये) का निवेश कर एक गीगावॉट क्षमता वाले डेटा सेंटर विकसित करने की घोषणा की। ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अमेरिकी कंपनी डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा (एआई) सक्षम डेटा सेंटर पांच वर्षों में 400 एकड़ क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे। कंपनी ने आंध्र प्रदेश आर्थिक विकास बोर्ड के साथ इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि उसके डेटा सेंटर उन्नत एआई कार्यभार को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इनमें मजबूत सबस्टेशन, दोहरी बिजली फीड व्यवस्था और उच्च कंप्यूटिंग क्षमता जैसी सुविधाएं शामिल होंगी, जो अगले दशक की डिजिटल नवाचार आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी। विशाखापट्टनम में यह निवेश उस समय सामने आया है जब पिछले महीने गूगल ने भी आंध्र प्रदेश में एआई हब और डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए 15 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी। डिजिटल कनेक्शन चेन्नई में परिसर संचालित कर रही है और मुंबई के चांदीवली क्षेत्र में उसका एक अन्य डेटा सेंटर निर्माणाधीन है।

मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं : गुप्ता

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने कहा- अनुमानों के लिए कई मॉडल और चर्चाओं का होता है उपयोग

भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है, पर केंद्रीय बैंक के मुद्रास्फीति अनुमान में व्यवस्था के स्तर पर पूर्वाग्रह वाली बात नहीं है। गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति अनुमानों पर पहुंचने के लिए विभिन्न मॉडल और विशेषज्ञ चर्चाओं का उपयोग करता है और अनुमानों का गलत होना सिर्फ यहां का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक घटना है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक भुगतान संतुलन के आंकड़े मासिक आधार पर जारी करने पर भी विचार कर रहा है। वर्तमान में तिमाही आधार पर ये आंकड़ें जारी किए जाते हैं। वैश्विक व्यापार नीतियों में हो रहे व्यापक बदलाव के बीच उन्होंने यह बात कही। भुगतान संतुलन देश की बाह्य स्थिति के बारे में संकेत देता है। मुद्रास्फीति अनुमान को लेकर चिंता आंकड़ों को अधिक दिखाने के अनुमान से उत्पन्न हुई है। इसके बारे में आलोचकों का तर्क है कि इसने आरबीआई को पिछले कुछ महीनों में नीतिगत दरों में और कटौती करने से रोका है। उनका तर्क है कि दरों में कटौती अर्थव्यवस्था के लिए मददगार होती और संभवतः अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करती।

गुप्ता ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के कार्यक्रम में कहा कि अनुमान की त्रुटियों को कम करना भी महत्वपूर्ण है, लेकिन अनुमान में कोई व्यवस्थित पूर्वाग्रह नहीं है। ऐसा नहीं है कि पूर्वानुमान किसी विशेष रूप से पक्षपाती है। मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान पर आलोचनाओं को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया में लेख पढ़ना मजेदार है, और बातों को कठोरता से लिखा जाता हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि आरबीआई इन विचारों को बहुत गंभीरता से लेता है। आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में अपने सहयोगियों के साथ बातचीत का हवाला देते हुए, गुप्ता ने कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है और ऐसा कोई भी पूर्वानुमान लगाने वाला नहीं है जो हर बार सही हो। यह दुनिया के अन्य देशों में भी होता है।

अमेरिकी नीतिगत दर घटने की उम्मीद से बाजार झूमा

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स 1,022 अंक चढ़ा, निफ्टी रिकॉर्ड स्तर के करीब, तीन सत्रों से जारी गिरावट पर लगा विराम

स्थानीय शेयर बाजार में तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और चौतरफा लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 1,000 अंक से अधिक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी ने फिर से 26,000 अंक के स्तर को प्राप्त कर लिया।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजार में उछाल आया।

बीएसई का सेंसेक्स 1,022.50 अंक चढ़कर 85,609.51 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 320.50 अंक की बढ़त के साथ 26,205.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर से केवल 10 अंक कम है। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर बढ़ती उम्मीद ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूत किया। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स के शेयर नुकसान में रहे। बाजार में भागीदारी व्यापक रही। धातु, ऊर्जा और आईटी सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई। मझोली और छोटी कंपनियों से जुड़े सूचकांकों में भी एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहे। हालांकि, चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

एफआईआई और डीआईआई ने की खरीदारी

शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 785 .32 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 3,912 .47 करोड़ की लिवाली की। मझोली कंपनियों से जुड़ा मिडकैप सूचकांक 1 .32 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 1 .23 प्रतिशत के लाभ में रहा। बीएसई में सूचीबद्ध 2,800 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,371 शेयरों में गिरावट आई। 154 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0 .03 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 62 .50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

राष्ट्रीय

प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार

सीजेआई सूर्यकांत ने 60 वर्ष से अधिक के अधिवक्ताओं को अनुमति दिए जाने का कोर्ट में विचार रखा

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने गंभीर वायु प्रदूषण के कारण सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई केवल डिजिटल तरीके से करने की संभावना पर विचार करते हुए कहा कि एक दिन पहले जब वह एक घंटे की सैर पर गए थे तो उन्होंने खुद को अस्वस्थ महसूस किया था। उन्होंने कहा कि वह बार से परामर्श के बाद निर्णय करेंगे, हालांकि 60 वर्ष से अधिक आयु के अधिवक्ताओं के लिए डिजिटल तरीके से सुनवाई की अनुमति देने का विचार अदालत में रखा गया था।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह टिप्पणी तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की शुरुआत में कीं, जब आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मांगी। द्विवेदी ने कहा कि मुझे प्रदूषण से दिक्कत है... कृपया मेरे सहकर्मी को नोट लेने की अनुमति दें। मैं अगली तारीख पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होना चाहता हूं।

उन्होंने बताया कि सुबह की सैर पर जाने के बाद से उन्हें कुछ दिक्कत हो रही है। मुझे आपकी अनुमति चाहिए। ऑनलाइन पेश होने की अनुमति दी जाए, मेरी तबियत ठीक नहीं है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सहमति जताते हुए कहा कि इस उम्र में, हम इस खराब हवा में सांस ले रहे हैं, जबकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400-500 है। सीजेआई ने कहा कि कल मैं एक घंटे टहलने गया था। मैं ठीक महसूस नहीं कर रहा था। इसके बाद, 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के वकीलों को सुनवायी के लिए भौतिक पेशी से छूट देने की संभावना पर विचार किया गया।

देश को भगौड़े अपराधियों को वापस लाने का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि देश को कानून से बचने वाले अपराधियों को वापस लाने का अधिकार है। न्यायालय ने एक व्यक्ति की उस याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया, जिसमें उसने संयुक्त अरब अमीरात से उसके प्रत्यर्पण के लिए किए गए अनुरोध को वापस लेने की प्रार्थना की थी। अधिकारियों के अनुसार, याचिकाकर्ता विजय मुरलीधर उधवानी के खिलाफ 153 मामले दर्ज हैं, जिसने जुलाई 2022 में दुबई की यात्रा की थी और उस पर अवैध शराब की तस्करी और अन्य अपराधों की संगठित अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ उधवानी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था। उधवानी ने गुजरात उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उसके खिलाफ जारी रेड कॉर्नर नोटिस को रद्द करने और प्रत्यर्पण के लिए संयुक्त अरब अमीरात को किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध को वापस लेने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से उपस्थित वकील से कहा कि कई अपराध हैं... आप वापस आएं। आपका भव्य स्वागत किया जाएगा। वकील ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ 38 निषेध अपराध दर्ज हैं, लेकिन उसे उनमें से एक का भी विवरण नहीं पता है। जब उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता जुलाई 2022 में दुबई गया था, तो पीठ ने कहा कि तब से वह वापस नहीं आया है।

शराब घोटाले में तीन आरोपियों को अंतरिम राहत

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश में 3,500 करोड़ के शराब घोटाले में तीन आरोपियों को आत्मसमर्पण करने से बुधवार को अंतरिम राहत दे दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी, जिनमें आरोपियों की जमानत रद्द कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने उन्हें मामले की सुनवाई कर रही अदालत में 26 नवंबर को आत्मसमर्पण करने और नियमित जमानत के लिए अनुरोध करने का निर्देश दिया था।

पानी और भोजन की खराब गुणवत्ता पर वीआईटी में छात्रों का हंगामा, तोड़फोड़

सीहोर (मप्र), एजेंसी

- 4,000 से ज्यादा छात्रों ने किया प्रदर्शन, कॉलेज प्रबंधन ने की 30 नवंबर तक छुट्टी

सीहोर जिले में वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी) के छात्रों ने भोजन और पानी की कथित खराब गुणवत्ता को लेकर हिंसक प्रदर्शन किया, कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ की और वाहनों में आग लगा दी। पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार देर रात आगजनी के दौरान एक बस, चार पहिया दो वाहन, एक एम्बुलेंस, छात्रावास की खिड़की के शीशे, एक आरओ प्लांट और परिसर के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि 3,000 से 4,000 छात्रों ने भोजन और पानी की गुणवत्ता को लेकर प्रदर्शन किया। सूचना के बाद पुलिस अनुमंडल अधिकारी (आष्टा) और कई थानों के पुलिसकर्मी कॉलेज पहुंचे। कर्मियों ने छात्रों के साथ विस्तृत चर्चा की, उनकी चिंताओं को सुना और उन्हें समस्याओं को हल करने के लिए कार्रवाई का आश्वासन दिया। आष्टा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) आकाश अमालकर ने कहा कि कॉलेज और छात्रावास परिसर में स्थिति वर्तमान में नियंत्रण में है। परिसर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस बीच, कॉलेज प्रबंधन ने 30 नवंबर तक छुट्टी घोषित कर दी है।

सीहोर के एसपी दीपक शुक्ला ने कहा कि स्थिति सामान्य है। वीआईटी ने 30 नवंबर तक अवकाश घोषित किया है और कुछ छात्र घर जा रहे हैं। एसडीएम और एसडीओपी वीआईटी के सभी छात्रावास के छात्रों से उनकी समस्याओं और बीमार छात्रों के बारे में जानकारी लेंगे और फिर कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर दावा किया कि राज्य के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान वीआईटी में पीलिया व्यापक रूप से फैल गया है। भोपाल, आष्टा और सीहोर के अस्पतालों में बड़ी संख्या में छात्र भर्ती हैं। कई बच्चों के गंभीर रूप से बीमार होने की भी खबरें हैं।

वीआईटी के प्रोफेसर की रहस्यमयी मौत

सीहोर। वीआईटी में छात्रों के प्रदर्शन के एक दिन बाद इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रोफेसर संग्राम केसरी दास का शव मिला है। प्रोफेसर का शव शाम को उनके किराए के कमरे में था। दास ओडिशा के निवासी थे। मकान मालिक व पड़ोसियों ने दास के न दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कमरे का दरवाज़ा तोड़ा तो प्रोफेसर शव पड़ा था। शुरुआती जांच में चोट के निशान नहीं मिले, जिससे मृत्यु के कारणों पर और रहस्य गहरा गया है।

निर्वाचन आयोग ने सीईओ कार्यालय पर प्रदर्शन की पुलिस से रिपोर्ट मांगी

कोलकाता, एजेंसी

- मुख्यमंत्री ममता ने बीएलओ की मांग को उचित बताया

निर्वाचन आयोग ने प. बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय पर बीएलओ के विरोध प्रदर्शन को लेकर कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज कुमार वर्मा को बुधवार को पत्र लिखा और इसे गंभीर सुरक्षा उल्लंघन बताया तथा 48 घंटे में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीएलओ के प्रदर्शन को निर्वाचन आयोग के अहंकार को जिम्मेदार ठहराया। पत्र में आयोग के सचिव सुजीत मिश्रा ने कहा कि सीईओ मनोज अग्रवाल के कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा अपर्याप्त है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अत्यधिक कार्य दबाव का आरोप लगाते हुए, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने मंगलवार शाम तक सीईओ कार्यालय के बाहर 30 घंटे का प्रदर्शन किया। आयोग ने पत्र में कहा कि सीईओ कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा स्थिति से निपटने के लिए अपर्याप्त प्रतीत होती है, जिससे मुख्य निर्वाचन अधिकारी, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में काम करने वाले अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। पत्र की प्रतिलिपि मुख्य सचिव, राज्य के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भेजी गई।

बीएलओ को अपना पक्ष रखने का अधिकार

इस संबंध में मुख्यमंत्री बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीएलओ को अपनी शिकायतें रखने के लिए उनके दफ्तर के बाहर घंटों इंतजार क्यों कराया गया। बंगाल ही नहीं, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी बीएलओ काम के दबाव में दम तोड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़: 41 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 32 पर थे एक करोड़ 19 लाख के इनाम

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एक करोड़ 19 लाख के इनामी 32 समेत 41 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इनमें कई आठ लाख के इनामी है। वहीं, कई पर पांच लाख का इनाम था। इसके अलावा 12 नक्सलियों पर दो-दो लाख तथा आठ नक्सलियों पर एक-एक लाख का इनाम था।

अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के अलावा तेलंगाना स्टेट कमेटी और धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड डिवीजन के नक्सली भी शामिल हैं। राज्य शासन द्वारा अपनाई गई व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति ने दक्षिण बस्तर क्षेत्र में स्थायी शांति की मजबूत नींव स्थापित की है। पुलिस, सुरक्षाबलों, स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों और क्षेत्र के जागरुक नागरिकों के सामूहिक तथा समन्वित प्रयासों से हिंसा और भय की संस्कृति को संवाद और विकास की संस्कृति में बदलने में बड़ी सफलता मिली है।

परिवार को पूरा लाभ न देने पर शहीद अग्निवीर की मां पहुंचीं हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

- शहीद की मां ने दावा किया- अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों में फर्क पैदा करती है

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए अग्निवीर मुरली नाइक की मां ने मुंबई हाईकोर्ट का रुख किया है और नियमित सैनिक के परिवार को मिलने वाले लाभ देने से इन्कार करने को चुनौती दी है। नाइक की मां ज्योतिबाई नाइक की अर्जी में दावा किया गया कि अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच मनमाना फर्क पैदा करती है। इसमें उन्होंने संपूर्ण मृत्यु लाभ देने से इन्कर करने को भेदभावपूर्ण बताते हुए सवाल उठाया है।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी सेना की ओर से गोलाबारी और मोर्टार से हमलों में नौ मई को मुरली नाइक शहीद हो गए थे। अधिवक्ता संदेश मोरे, हेमंत घाडीगांवकर और हितेन्द्र गांधी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि अग्निवीर नियमित सैनिकों के समान ही कर्तव्य निभाते हैं और उन्हीं जोखिमों का सामना करते हैं, फिर भी अग्निवीरों के परिवारों को दीर्घकालिक पेंशन और कल्याणकारी लाभों से वंचित रखा गया है। सरकार द्वारा शुरू की गई अग्निपथ योजना में अग्निवीरों को सेवा के बाद मिलने वाले उन पेंशन लाभ और अन्य दीर्घकालिक कल्याणकारी अधिकारों से स्पष्ट रूप से वंचित रखा गया है।

जज बदलने की राबड़ी देवी की याचिका पर सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले की सुनवाई किसी अन्य जज को भेजने की मांग वाली याचिका पर बुधवार को दिल्ली की अदालत ने सीबीआई से जवाब मांगा है।

प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश भट्ट ने राजद नेता की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीआई को नोटिस जारी किया। अदालत ने सीबीआई मामले में जारी सुनवाई की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इससे पहले सोमवार को राबड़ी देवी ने अपने खिलाफ दर्ज सीबीआई और ईडी के मामलों को दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी।

हांगकांग में भीषण आग...

हांगकांग के ताई पो जिले में एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में बुधवार को आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य व्यक्ति अस्पताल में भर्ती हैं। इमारतों में कुछ लोगों के फंसे होने की सूचना है।

2,700 साल बाद भारत से इजराइल वापसी

बेनी मेनाशे एक समुदाय है जो अपने को प्राचीन इज़राइल के मेनाशे कबीले का वंशज मानता है। यह समुदाय भारत के पूर्वोत्तर में रहने वाला एक अनोखा और ऐतिहासिक समुदाय है। माना जाता है कि लगभग 2,700 साल पहले असिरियन साम्राज्य द्वारा इज़राइल पर कब्जे के दौरान मेनाशे कबीले के लोग मध्य एशिया और फिर पूर्व की ओर पलायन कर गए। समय के साथ यह समुदाय चीन होते हुए म्यांमार और फिर भारत के मणिपुर व मिजोरम क्षेत्र में आकर बस गया। बेनी मेनाशे पूर्वोत्तर भारत के यहूदी समुदायों का सामूहिक नाम है, जो मुख्य रूप से मिजोरम और मणिपुर में रह रहे हैं। यहां इनकी आबादी लगभग 5,800 है जिन्हें इजराइल की सरकार ने वतन वापसी की मंजूरी दे दी है।

कौन हैं बेनी मेनाशे समुदाय

इजराइल ने दी वापसी की मंजूरी

इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से सभी 5,800 यहूदियों (बेनी मेनाशे) को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के अलियाह (आव्रजन) को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को मंजूरी दे दी। इस ऐतिहासिक निर्णय से 2030 तक समुदाय के लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 सदस्यों को 2026 में लाने के लिए स्वीकृत मिल गई है।

वापसी के लिए खास इंतजाम

बेनी मेनाशे के वतन वापसी पर इजराइल अनुमानत: नौ करोड़ शेकेल (2.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर) खर्च करेगा जिससे इन आप्रवासियों की उड़ानों, धर्म संबंधी शिक्षाओं, आवास, हिब्रू पाठ और अन्य चीजों को कवर किया जाएगा। रब्बियों (धार्मिक नेताओं) के एक प्रतिनिधिमंडल के भी इनसे मिलने भारत आने की संभावना है। प्रतिनिधिमंडल लगभग 3,000 बेनी मेनाशे लोगों का साक्षात्कार करेगा, जिनके इजराइल में रिश्तेदार हैं।

पहले ही जा चुके 2,500 सदस्य

बेनी मेनाशे समुदाय के लगभग 2,500 सदस्य पहले ही इजराइल में बस चुके हैं। समुदाय के अधिकतर युवा इजराइली रक्षा बलों की लड़ाकू इकाइयों में सेवारत हैं। इनके वतन वापसी का काम देख रही जुइश एजेंसी इजराइल आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो अलियाह को मुख्य मूल्य के रूप में आगे बढ़ाकर इजराइल और दुनिया भर के यहूदी लोगों को मजबूत करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करता है।

समुदाय का धर्म और संस्कृति

बेनी मेनाशे समुदाय का धर्म यहूदी है, लेकिन समय के साथ उन्होंने स्थानीय परंपराओं और अन्य धर्मों के प्रभाव को भी अपनाया है। कई लोग ईसाई और हिंदू धर्म को भी मानते हैं। भाषा : बेनी मेनाशे समुदाय की भाषा मुख्य रूप से मिजो और मैते है, लेकिन कई लोग हिब्रू और अंग्रेजी भी बोलते हैं। पोशाक : समुदाय की पोशाक में पारंपरिक मिजो और मैते कपड़े शामिल होते हैं। भोजन : इनका भोजन मुख्य रूप से मांसाहारी होता है, जिसमें मछली, मांस, और सब्जियां शामिल होती हैं। त्योहार : ये यहूदी त्योहारों को मनाते हैं, जैसे कि रोश हशनाह और योम किप्पुर, साथ ही स्थानीय त्योहार भी मनाते हैं। संगीत-नृत्य : इनका संगीत-नृत्य मिजो और मैते संस्कृति से प्रभावित है, जिसमें पारंपरिक वाद्ययंत्र और नृत्य शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

40 अरब डॉलर के हथियार लेगा ताइवान

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब अमेरिकी डॉलर का विशेष बजट पेश करेगी। यह निर्णय ताइवान पर अपने रक्षा खर्च में बढ़ोतरी करने के अमेरिका के दबाव के बीच लिया जा रहा है। कू ने बताया कि यह बजट नई रक्षा प्रणालियों की खरीद पर खर्च किया जाएगा, जिनमें अमेरिका से खरीदे जाने वाले सैन्य उपकरण भी शामिल होंगे।

बोल्सोनारो की 27 साल की सजा शुरू

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने मंगलवार से 27 साल की जेल की सजा काटना शुरू कर दिया। बोल्सोनारो को 2022 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश का दोषी पाया गया था। इस मामले पर सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे दे मोरेस ने आदेश दिया कि बोल्सोनारो को उसी संघीय पुलिस मुख्यालय में रखा जाएगा।

पाकिस्तान ने किया मिसाइल का परीक्षण

कराची। पाकिस्तानी नौसेना ने एक स्वदेश विकसित पोत रोधी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल को समुद्र और धरती, दोनों स्थानों पर लक्ष्य भेदने में सक्षम है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह परीक्षण मंगलवार को स्थानीय स्तर पर निर्मित नौसैन्य प्लेटफॉर्म से किया गया, जिससे देश की रक्षा क्षमताएं बढ़ी हैं। यह मिसाइल समुद्र और जमीन से हमले में सक्षम है।

इजराइल ने गाजा से भेजे शव पहचाने

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उनके देश ने गाजा से हाल में लाए गए एक शव की पहचान बंधक द्रोर ओर के अवशेषों के रूप में की है। अब गाजा में दो बंधकों के शव बचे हैं। इजराइल-हमास संघर्ष विराम का पहला चरण पूरा होने वाला है।

सरकोजी की दोषसिद्धि को बरकरार रखा

पेरिस। फ्रांस की शीर्ष अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को उनके पुनर्निर्वाचन अभियान के लिए अवैध वित्तपोषण के मामले में दोषी ठहराए जाने के फैसले को बरकरार रखा। सर्वोच्च अपीलीय न्यायालय (कोर्ट ऑफ कैसेशन) ने यह निर्णय सुनाया।

आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, मानव जाति के लिए अभिशाप

मुंबई हमले की बरसी : आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने पर गृहमंत्री शाह का जोर

- हमले की 17वीं बरसी पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

आतंकवादी हमले में मारे गए शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मुंबई में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान अपनों को याद कर रो पड़ी एक पीड़िता।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को बुधवार को पुष्पांजलि अर्पित की। हमले की 17वीं बरसी पर अपने संदेश में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी नागरिकों से आतंकवाद से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने को कहा, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति को रेखांकित किया। कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मंत्री आशीष शेलार ने भी दक्षिण मुंबई में पुलिस आयुक्त कार्यालय परिसर में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

शाह ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है। उन्होंने कहा कि मुंबई आतंकी हमले का डटकर सामना करते हुए अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं और इस कायराना हमले में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मोदी सरकार की आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की नीति स्पष्ट है, जिसे पूरा विश्व सराह रहा है और भारत के आतंकवाद विरोधी अभियानों को व्यापक समर्थन दे रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी एक्स पर शहीदों को याद करते हुए कहा कि 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों की बरसी पर, मैं उन वीर सैनिकों को नमन करती हूं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक याद करता है। मुर्मू ने कहा कि आइए! हम हर तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। आइए! हम एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के संकल्प के साथ प्रगति के पथ पर एक साथ आगे बढ़ें। 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों द्वारा मुंबई के कई हिस्सों में एक साथ किए गए हमलों में 166 लोगों की जान चली गई थी और 300 से अधिक घायल हो गए थे। पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एलईटी के 10 सशस्त्र आतंकवादी समुद्र के रास्ते शहर में घुसे थे।

हमलों की वैश्विक स्तर पर की गई निंदा

इन हमलों की वैश्विक स्तर पर निंदा हुई और इसके बाद भारत के आतंकवाद-रोधी उपायों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। कई लोगों ने सीएसएमटी, कामा व आल्बलेस रुग्णालय तथा अन्य स्थानों पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें पाकिस्तानी आतंकवादियों ने निशाना बनाया था। कई लोगों ने सहायक उपनिरीक्षक तुकाराम ओम्बले की प्रतिमा प्रेरणा स्थल पर भी पुष्पांजलि अर्पित की, जो गिरगांव चौपाटी पर आतंकवादी कसाब को पकड़ते समय शहीद हो गए थे।

देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल वाहन लांच

हैदराबाद, एजेंसी

- सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को पलक झपकते मार गिराएगा

काउंटर-ड्रोन एवं एयर डिफेंस प्रौद्योगिकी कंपनी इंद्रजाल ड्रोन डिफेंस ने बुधवार को देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल (एडीपीवी) लॉन्च किया जो सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को मार गिराने में सक्षम होगा।

यह पूरी तरह से मोबाइल एआई से लैस काउंटर ड्रोन सिस्टम है जो ड्रोन हमलों से बचाव के देश के तौर-तरीकों को बदलने की क्षमता रखता है। आज दुनिया में युद्ध के दौरान बढ़ते ड्रोन के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। सीमा पार से आतंकवादी संगठन भी ड्रोन का इस्तेमाल हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए करते हैं। कंपनी ने बताया कि मौजूदा समय में एंटी-ड्रोन उपकरण वाहनों पर अलग से लगाए जाते हैं जो तभी काम करते हैं जब वाहन अपनी जगह पर स्थिर हो। वहीं, इंद्रजाल का एडीपीवी चलते हुए भी ड्रोन का पता लगा सकता है, एआई की मदद से खतरे का आंकलन कर सकता है और तुरंत मारकर गिरा सकता है। इसका इस्तेमाल सीमा पर सड़कों, नहरों, खेतों, बुनियादी ढांचों और शहरी क्षेत्रों में किया जा सकता है।

इंडोनेशिया में बाढ़ से मृतकों की संख्या 17 हुई

मेदान। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित दर्जनों लोगों के बचाव अभियान के दौरान, बचावकर्मियों ने कई और शव बरामद किए हैं। इसके साथ ही, इस आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है, जबकि छह अन्य व्यक्ति अब भी लापता हैं। राष्ट्रीय पुलिस ने एक बयान में कहा कि पिछले सप्ताह हुई मानसूनी बारिश के कारण नदियां उफान पर आ गईं हैं और बाढ़ से इलाके में तबाही मच गई। इस घटना के बाद बचाव दल, उत्तरी सुमात्रा प्रांत के छह जिलों में प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बयान में कहा गया है कि बुधवार तक बचावकर्मियों ने सबसे अधिक प्रभावित शहर सिबोल्गा से कम से कम पांच शव और तीन घायल लोगों को निकाला है।

आईआईटी मद्रास ने विकसित की पोत प्रबंधन की प्रणाली

नई दिल्ली, एजेंसी

- देश की पहली स्वदेशी प्रणाली से कम होगा आयात

आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने देश की पहली स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन प्रणाली विकसित की है और इसे बंदरगाहों में उपयोग में लाया जा रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा उल्लेखित आवश्यकताओं के आधार पर आईआईटी मद्रास स्थित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र (एनटीसीपीडब्ल्यूसी) ने इस प्रणाली को तैयार किया है।

एनटीसीपीडब्ल्यूसी के प्रमुख के. मुरली के अनुसार, यह प्रणाली भारतीय समुद्री क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देगी तथा आयात पर निर्भरता कम करेगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी प्रणाली से पोत की आवाजाही से संबंधित रणनीतिक डेटा के लीक होने का खतरा नहीं होता। मुरली ने कहा कि यह प्रणाली आसानी से उन्नत की जा सकती है ताकि संबंधित हितधारकों की लगातार बदलती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और इसमें वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जा सके। यह प्रणाली पहले ही केरल में स्थित विझिंजम इंटरनेशनल सीपोर्ट लिमिटेड (वीआईएसएल) में लागू कर दी गई है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई में किया था। उन्होंने कहा कि पश्चिमी तट पर स्थित दो अन्य बंदरगाह भी इस प्रणाली को लागू करने के लिए आईआईटी मद्रास से बातचीत कर रहे हैं। स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन का एक प्रमुख लाभ यह है कि सरकार के पास इसके स्रोत कोड, डेटाबेस और समाधान के विभिन्न पहलुओं पर पूरा रणनीतिक नियंत्रण होता है।

गाजा संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर त्रिपक्षीय बातचीत

काहिरा। तुर्की के खुफिया प्रमुख ने काहिरा में अपने मिस्र समकक्ष और कतर के प्रधानमंत्री-सह-विदेश मंत्री से गाजा संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण पर चर्चा की। बातचीत का मुख्य ध्यान संघर्ष विराम को बनाए रखने तथा इसके आगे उल्लंघन को रोकने के लिए आने वाली बाधाओं को दूर करने पर रहा। मिस्र के मीडिया के अनुसार, अधिकारियों ने इजराइल के सिविल-मिलिट्री कोऑर्डिनेशन सेंटर के साथ समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई तथा उल्लंघनों को रोकने और अनुपालन को मजबूत करने के उपायों पर विचार किया।

चीन की हरकत संबंधों को सामान्य बनाने में बाधक

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय महिला को रोके जाने पर विदेश मंत्रालय सख्त

भारत ने अरूणाचल प्रदेश की रहने वाली एक भारतीय महिला के साथ शंघाई हवाई अड्डे पर वीजा और पासपोर्ट को लेकर की गई हरकत पर सख्त रूख अपनाते हुए कहा है कि इस तरह की हरकतें दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने में मददगार नहीं होगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अरूणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और इस तरह की हरकतों से हकीकत नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि भारत पहले भी कई बार यह स्पष्ट कर चुका है कि भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखाना जरूरी शर्त है। प्रवक्ता ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली भारतीय नागरिक के साथ चीन की मनमानी हरकतें दोनों पक्षों द्वारा परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशों में मददगार नहीं हैं।

हसीना के प्रत्यर्पण पर बांग्लादेश को जवाब की उम्मीद

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश ने बुधवार को कहा कि भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के उसके पूर्व के अनुरोध पर कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन बांग्लादेश को भारत से जवाब की उम्मीद है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने और पूर्व प्रधानमंत्री को दोषी ठहराए जाने के बाद अब स्थिति अलग है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने गत सप्ताह भारत को एक आधिकारिक पत्र भेजकर हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की थी। विशेष न्यायाधिकरण ने 17 नवंबर को मानवता के खिलाफ अपराध के लिए उन्हें मौत की सजा सुनाई थी।

यूक्रेन-रूस युद्ध खात्मे की योजना तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी

- राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन और यूक्रेनी अधिकारियों के पास भेजे दूत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्त कराने की उनकी योजना तैयार है और वह अपने दूत स्टीव विटकॉफ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तथा सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल को यूक्रेनी अधिकारियों से बातचीत के लिए भेज रहे हैं।

ट्रंप ने संकेत दिया कि वह भी पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर सकते हैं, लेकिन वार्ता में पर्याप्त प्रगति होने पर। उन्होंने कहा कि वह उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ और ट्रंप के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स के साथ प्रगति की जानकारी लेंगे। ट्रंप की यह टिप्पणी तब आई जब सेना सचिव ड्रिस्कॉल ने सोमवार देर रात और मंगलवार को अबू धाबी में रूसी अधिकारियों से बातचीत की।

कीव पर रात भर बरसीं मिसाइलें

बातचीत जारी रहने के बीच रूस ने कीव पर रातभर मिसाइल हमले किए, जिनमें सात लोग मारे गए जबकि यूक्रेन के हमले में दक्षिणी रूस में तीन लोगों की मौत हुई। पिछले सप्ताह सामने आई ट्रंप की शांति योजना रूस के पक्ष वाली बताई गई है जिसके बाद जेलेंस्की तुरंत अमेरिकी वार्ताकारों से मिले। यूरोपीय देशों ने भी इस पर अपनी चिंताएं जतायी हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि शांति प्रयास महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं और गति पकड़ रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 28 नवंबर 00.29 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

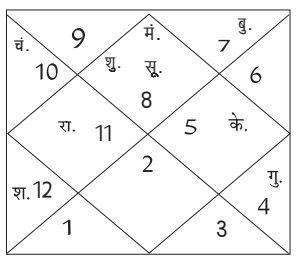

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 28 नवंबर 02.32 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। युवाओं को नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता रहेगी। अपने विरोधियों पर अधिक विश्वास न करें।

वृष — आज आप भविष्य को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय करने का विचार बनाएंगे। बड़े भाई-बहनों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। कारोबार में बड़े ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। प्रतिष्ठित लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे।

मिथुन — आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन करें। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। दूसरों के सामने अपनी छवि को लेकर अत्यंत चिंतित हो सकते हैं। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। विरोधी आपको परेशान करने का प्रयास करेंगे।

कर्क — आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा। शाम के समय आपके कुछ काम अटक सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर समस्या दूर होगी। पारिवारिक सुख का भरपूर आनंद लेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं।

सिंह — आज अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से लाभ होगा। व्यापारियों को धन उधार देने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में मनमानी भरे रवैये के कारण नुकसान हो सकता है। अपने काम के अलावा दूसरे कार्यों में अधिक फोकस कर सकते हैं।

कन्या — आज बेवजह दूसरे लोगों से सलाह न लें। प्रतियोगी परीक्षा में आप बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। गृहस्थ जीवन में सावधानी रखें। प्रेमी जन के साथ तेज आवाज में बात न करें।

तुला — आज अनावश्यक खर्चों से आपको बचना चाहिए। क्रोधपूर्ण व्यवहार के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से काम करें। कंसल्टेंसी से जुड़े कार्यों में लाभ होगा। पुराने मित्रों से चर्चा हो सकती है। साझेदारी वाले व्यवसाय में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज पूरा दिन आपके लिए अत्यंत उत्तम रहने वाला है। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रेरणा लेंगे। आय के नए स्रोत विकसित होने के योग बन रहे हैं। अपने आत्मविश्वास के बलबूते उलझे मामलों को सुलझाने में सफलता मिलेगी।

धनु — आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। आपको पर्याप्त आराम अवश्य करना चाहिए। साझेदारी वाले व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। इंटरनेट का सावधानी पूर्वक प्रयोग करें। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

मकर — आज दिन का प्रारंभिक भाग बहुत अच्छा रहेगा। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। रुके हुए कार्य दोबारा शुरू होने के योग बन रहे हैं। जॉब को लेकर स्थान-परिवर्तन हो सकता है। आप घरेलू कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

कुंभ — आज अपनी गलत आदतों को सुधारने का प्रयास करें। जिद्दी स्वभाव के कारण आपके नजदीकी लोग नाराज हो सकते हैं। अपशब्दों का प्रयोग कम से कम करें। कारोबार में कठिनाई होगी। ज्यादा मेहनत के कारण मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या होगी।

मीन — आज व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होने की संभावना है। विपरीत लिंग के लोगों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। दैनिक दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार और सहयोग अच्छा रखें। घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सुडोकू-173

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2							
				5				
		5		1				
								4
					6			
	1							
	4				3			
							6	

सुडोकू - 172 का हल

1	8	5	2	6	9	3	7	4
4	9	7	5	8	3	6	1	2
2	3	6	7	4	1	8	5	9
3	6	4	1	9	5	7	2	8
9	7	1	6	2	8	5	4	3
8	5	2	4	3	7	1	9	6
7	2	9	3	1	6	4	8	5
6	1	8	9	5	4	2	3	7
5	4	3	8	7	2	9	6	1

भारत को राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष 2030 खेलों की मेजबानी मिलने पर हर्षित हूं। देशवासियों और खेल तंत्र को बधाई । यह हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और खेलभावना है जिसने भारत को वैश्विक खेल मानचित्र पर मजबूती से रखा है।

-नरेंद्र मोदी

स्टेडियम

कानपुर नगर, गुरुवार ,27 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

असलांका की छिन सकती है कप्तानी

कोलंबो : श्रीलंका के कप्तान चरित असलांका का पाकिस्तान का दौरा बीच में छोड़ना देश के क्रिकेट बोर्ड को नागवार गुजरा है जिससे अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गई है। उनकी जगह दासुन शनाका को कप्तान नियुक्त किया गया है। असलांका पाकिस्तान में द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज में टीम की कप्तानी कर रहे थे। वह दौरा बीच में रद्द करने के पक्ष में थे और उन्होंने इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती बम विस्फोट के बाद कथित तौर पर अपने कुछ साथियों को टूर्नामेंट से हटने और स्वदेश लौटने के लिए प्रोत्साहित किया था। यह बात श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को रास नहीं आई और उसने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

चेल्सी ने बार्सिलोना को 3-0 से रौंदा

लंदन : टीम में बदलाव, गलतियों और रक्षात्मक चूक के कारण मैनचेस्टर सिटी और बार्सिलोना को चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर सिटी कोच के रूप में पेप गार्डियोला के चैम्पियंस लीग में 100वें मैच में उनकी टीम बायर लेवरकुसेन से 2-0 से हार गई, जबकि बार्सिलोना को चेल्सी के खिलाफ 3-0 की हार में आत्मघाती गोल और रेड कार्ड का सामना करना पड़ा। गार्डियोला ने शनिवार को प्रीमियर लीग में न्यूकैसल से मिली हार के बाद अपनी शुरुआती लाइनअप में 10 बदलाव किए, जिसमें एर्लिंग हालैंड को बेंच पर रखा गया, लेकिन इसका विपरीत प्रभाव पड़ा। एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो ने 23वें मिनट में लेवरकुसेन की तरफ से पहला और पैट्रिक स्किच ने 54वें मिनट में दूसरा गोल किया।

उप्र ने गोवा को छह विकेट से दी मात

कोलकाता : गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आर्यन जुयाल (नाबाद 93) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर उत्तर प्रदेश ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में गोवा को 10 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान करण शर्मा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बल्लेबाजी करने आये प्रियम गर्ग ने आर्यन जुयान के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 71 रन जोड़े। उत्तर प्रदेश ने 18.2 ओवर में चार विकेटपर 173 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया।

अजलन शाह कप : भारत ने मलेशिया को हराया

इपोह : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अजलन शाह कप में बुधवार को मेजबान मलेशिया को 4-3 से हराया। भारत के लिये सेल्वम कार्ति (सातवां मिनट), सुखजीत सिंह (21वां), अमित रोहिदास (39वां) और संजय (53वां) ने गोल किया। वहीं फैजल सारी (13वां), फितरी सारी (36वां) और मरहान जलील (45वां) ने मलेशिया के लिये गोल दागे। भारत ने आक्रामक शुरूआत की और मेजबान को दबाव में ला दिया। भारत के लिये पहला गोल सातवें मिनट में सुखजीत सिंह के पास पर कार्ति ने किया। भारतीयों ने दबाव बनाये रखा लेकिन बीच में यशदीप सिवाच को गलती पर ग्रीन कार्ड और मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला।

भारत की सबसे बड़ी हार, दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप

गुवाहाटी टेस्ट में भारत को रिकॉर्ड 408 रनों से मिली मात, अपनी धरती पर तीसरी बार हुआ सूपड़ा साफ

गुवाहाटी, एजेंसी

ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने कौशल और दृढ़ संकल्प की कमी वाले भारतीय बल्लेबाजों को फिर से दिन में तारे दिखाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 408 रन की रिकॉर्ड जीत दर्ज करके दो मैच की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। यह हार भारत के टेस्ट इतिहास में एक और शर्मनाक अध्याय है क्योंकि रन के लिहाज़ से यह उसकी सबसे बड़ी हार है। यह तीसरा अवसर है जबकि किसी टीम ने भारत का उसकी धरती पर सूपड़ा साफ किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 2000 में 2-0 से जबकि पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से सीरीज जीती थी।

इस पराजय से भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। भारत के सामने 549 रन का असंभव लक्ष्य था और उसकी पूरी टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन 140 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 201 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में, भारत अब तक घरेलू मैदान पर न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टेस्ट हार चुका है।

पिछले 66 वर्षों में यह पहला अवसर है जबकि भारतीय टीम सात महीनों के अंतराल में पांच टेस्ट हार गई। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही कुछ संघर्ष कर पाए। उन्होंने 87 गेंदों में 54 रन बनाए। हार्मर ने पिच मुझे मिल रहे उछाल और टर्न का पूरा फायदा उठाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 रन देकर छह विकेट तथा मैच में कुल नौ विकेट लिए।

एडेन मार्करम ने नौ कैच लेकर एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने भारत के अजिंक्य रहाणे के 2015 में लिए गए आठ कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भारत ने सुबह दो विकेट पर 27 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई जिसके बाद हार्मर ने अपने टर्न और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने पहले सत्र में नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव (05), ध्रुव जुरेल (02) और कप्तान ऋषभ पंत (13) को पवेलियन की राह दिखाई। बारसापारा की पिच हाल के समय में उपलब्ध कराई गई सर्वश्रेष्ठ भारतीय पिचों में से एक थी, जिसमें उचित तकनीक और अभ्यास से बल्लेबाज रन बनाने में सक्षम थे। इस पिच पर अपनी लेंथ को जानने वाले तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हार्मर ने सुबह के सत्र में आधे घंटे की कड़ी मेहनत के बाद कुलदीप के डिफेंस में सेंध लगाई और फिर इसी ओवर में जुरेल को भी पवेलियन की राह दिखाई। जुरेल ने पहली स्लिप में खड़े मार्क्रम को कैच का अभ्यास कराया। पंत ने केशव महाराज पर छक्का लगाया।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : 489 रन
भारत पहली पारी : 201 रन
दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी : 260/5

एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे हम : गिल

नई दिल्ली : गर्दन की चोट के कारण दूसरा टेस्ट नहीं खेलने वाले कप्तान शुभमन गिल ने एकजुटता और पक्का इरादा दर्शाते हुए कहा कि इस हार के बावजूद टीम और मजबूत होगी। गिल ने 'एक्स' पर लिखा शांत समुद्र आपको रास्ता दिखाना नहीं सिखाता, बल्कि तूफान ही मजबूत बनाता है। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे, एक-दूसरे के लिए लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे।

भारत

140/10 (दूसरी पारी) (63.5 ओवर)

यशस्वी का वेरेन्ने बो यानसेन	13
केएल राहुल बो हार्मर	06
साइ सुदर्शन नाबाद	14
कुलदीप यादव बो हार्मर	05
ध्रुव जुरेल का माक्रम बो हार्मर	02
ऋषभ पंत का माक्रम बो हार्मर	13
जडेजा स्ट वेरेन्ने बो महाराज	54
सुंदर का माक्रम बो हार्मर	16
नीतिश रेड्डी का वेरेन्ने बो हार्मर	00
जसप्रीत बुमराह नाबाद	01
सिराज का यानसेन बो महाराज	00

गेंदबाजी : यानसेन 15-7-23-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 23-6-37-6, महाराज 12.5-1-37-2, मार्करम 2-0-2-0, मुथुसामी 7-1-21-1

रवींद्र जडेजा के स्टंप आउट होने के साथ ही भारत की उम्मीदें भी टूट गईं। एजेंसी

हमें बेहतर बनने की जरूरत : ऋषभ पंत

गुवाहाटी, एजेंसी

- बोले-आप क्रिकेट को हल्के में नहीं ले सकते

कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को स्वीकार किया कि भारत को टेस्ट टीम के रूप में बेहतर बनने की जरूरत है और कहा कि सिर्फ घरेलू हालात में खेलने से नतीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 408 रन से हराकर श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया।

पंत ने मैच के बाद कहा यह थोड़ा निराशाजनक है। एक टीम के तौर पर हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमें विरोधी टीम को श्रेय देना होगा। उन्होंने पूरी श्रृंखला में दबदबा बनाया लेकिन घरेलू धरती पर खेलने से आप क्रिकेट को हल्के से नहीं ले सकते हैं। पंत ने कहा कि भारत को इस श्रृंखला से सीख लेनी होगी और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा हमें इससे सीख लेकर एक टीम के रूप में आगे बढ़ना होगा। हमें अपनी मानसिकता स्पष्ट रखनी होगी। हमें इससे सीखना होगा और बेहतर बनना होगा। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका ने पूरी श्रृंखला में बेहतर क्रिकेट खेली।

यह बहुत बड़ी उपलब्धि है : तेम्बा बावुमा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा श्रृंखला में जीत से खुश हैं। उन्होंने कहा यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। आप हर समय भारत में आकर श्रृंखला नहीं जीत सकते। एक टीम के रूप में हमने भी खराब दिन देखे हैं और ऐसे में पूरा श्रेय खिलाड़ियों को जाता है। हम जैसा करना चाहते हैं उसको लेकर हमारी सोच में बड़ा बदलाव आया है। हमारी तैयारी शानदार थी और हमारे खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मैदान पर उतरते हैं। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और उन्होंने कहा कि वह यहां से सुखद यादें लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा जैसा कि मैंने पिछले टेस्ट में कहा था, यह एक लंबा सफ़र रहा है। मैं 10 साल बाद भारत में खेल रहा था और यह बिल्कुल एक अलग तरह का एहसास है। मैं यहां से सुखद यादें लेकर जाऊंगा। भारतीय टीम वास्तव में बहुत अच्छी है और उसे हराना बड़ी उपलब्धि है।

मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई के हाथ में : गंभीर

गुवाहाटी, एजेंसी

- बोले-लेकिन मेरी सफलताओं को मत भूलना

लोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में मिली करारी हार के बाद उनके भविष्य पर फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को करना है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि उनके कार्यकाल में टीम ने कितनी सफलता हासिल की है। गंभीर बुधवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रन से मिली शर्मनाक हार के बाद बोल रहे थे, जिससे मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली।

गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई को करना है। मैने अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में भी कहा था जब मैं मुख्य कोच बना था । भारतीय क्रिकेट अहम है, मैं नहीं । आज भी मैं वही बात कह रहा हूं । उन्होंने कहा लोग भूल जाते हैं लेकिन मैं वही व्यक्ति हूं जिसने युवा टीम के साथ इंग्लैंड में आपको अनुकूल परिणाम दिलाए। मुझे यकीन है कि आप जल्दी ही भूल जाओगे क्योंकि अधिकांश लोग न्यूजीलैंड (पिछले महीने भारत में 0.3 से मिली हार) के बारे में बात करते रहते हैं । मैने चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में भी जीत दिलाई है ।

गंभीर ने दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से मिली हार के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा दोष सभी का है और इसकी शुरुआत मुझसे होती है। हमें बेहतर खेल दिखाना होगा। पहली पारी में एक समय हमारा स्कोर एक विकेट पर 95 रन था जो सात विकेट पर 122 रन हो गया। यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा आप किसी एक व्यक्ति या किसी ख़ास शॉट को दोष नहीं दे सकते। दोष सबका है। मैंने कभी किसी एक व्यक्ति को दोष नहीं दिया और आगे भी ऐसा नहीं करूंगा। हमें बेहतर खेलना होगा । एक विकेट पर 95 रन से सात विकेट पर 122 रन स्वीकार्य नहीं है। गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 टेस्ट मैचों में से 10 में हार का सामना किया है, जिसमें पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हार भी शामिल है। गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हार टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। उन्होंने कहा टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए आपको बेहद तेज़तर्रार और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की ज़रूरत नहीं है।

डब्ल्यूटीसी तालिका में पांचवें स्थान पर खिसका भारत

नई दिल्ली : दक्षिण अफ्रीका से दोनों टेस्ट मैच में हार झेलने के बाद भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है जिससे उसकी फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है।

बुधवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में मिली हार, पारंपरिक पांच दिवसीय प्रारूप में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। इस साल के शुरू में इंग्लैंड में श्रृंखला बराबर करने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद पाकिस्तान से नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गई है और उसका पीसीटी (प्रतिशत) 48.15 पर आ गया है। भारत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में नौ टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से चार जीते, चार हारे और एक ड्रॉ रहा। भारतीय टीम अब अगले साल अगस्त में दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ श्रृंखला खेलेगी।

उजबेकिस्तान के सिंडारोव ने जीता फिडे विश्व कप

चीन के वेई यी के खिलाफ खेलते उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव (बाएं)। एजेंसी

पणजी, एजेंसी

उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव ने बुधवार को यहां चीन के वेई यी को हराकर फिडे विश्व कप जीत लिया। इससे वह 19 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए।

वेई यी ने सफेद मोहरों के साथ एक और आसान ड्रॉ खेला। लेकिन सिंडारोव ने दूसरे गेम में सफेद मोहरों से जीत दर्ज की। युवा खिलाड़ी सिंडारोव ने 16वें वरीय के रूप में शुरुआत की थी और अब 120000 डॉलर (एक करोड़ रुपये से ज्यादा) की पुरस्कार राशि प्राप्त की। सिंडारोव और वेई दोनों कैंडिडेट्स में खेलेंगे। वेई को 85000 डॉलर की राशि मिली। सिंडारोव, वेई यी और रूस के एंड्री एसिपेंको ने इस विश्व कप से क्वालीफाई किया। उनके साथ अमेरिका के फैबियानो कारुआना, हॉलैंड के अनीश गिरी और जर्मनी के मैथियास ब्लूबाम भी होंगे।

भारत ने जीता एक रजत और एक कांस्य पदक

नई दिल्ली : भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने रोमानिया में आयोजित आईटीटीएफ विश्व युवा चैम्पियनशिप में दमदार पदार्पण करते हुए अंडर -19 लड़कों और अंडर -15 लड़कियों की टीम स्पर्धाओं में क्रमशः एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। अंडर -19 लड़कों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई लेकिन उन्हें जापान से 0-3 से हार का सामना कर दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अंकुर भट्टाचार्य ने रयूसेई कावाकामी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन 17-15, 6-11, 12-10, 4-11, 11-13 से हार गए। जापान के कजाकी योशियामा ने अभिनंद को 11-7, 11-8, 11-6 से हराया। फिर तामितो ने प्रणुज भट्टाचार्य को 11-9, 11-7, 11-3 से मात देकर जापान को स्वर्ण पदक दिलाया। अंडर -15 लड़कियों की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य हासिल किया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति अगले दौर में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में बुधवार को खेले गए रोमांचक मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर-300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में जोरदार शुरुआत की। पुरुष और महिला एकल में शीर्ष भारतीय शटलरों के. श्रीकांत, एचएस प्रणय, प्रियांशु राजावत, किरन जॉर्ज, थारुण मन्नापल्ली और उन्नति हुड्डा ने जीत दर्ज करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पुरुष एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त के. श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के केविन थंगम को 21-13, 21-10 से पराजित किया। श्रीकांत अब दूसरे दौर में सनीथ दयानंद से भिड़ेंगे, जिन्होंने अभिनव ठाकुर को 21-10, 21-14 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त एचएस प्रणय ने भी आत्मविश्वास से भरे खेल का प्रदर्शन किया और हमवतन शाश्वत दलाल को 21-15, 21-10 से मात दी।वहीं पिछले साल के सेमीफाइनलिस्ट प्रियांशु राजावत ने पहले गेम में कड़ी चुनौती झेलने के बावजूद एम. मैसनाम को 21-18, 21-14 से पराजित किया। अगले दौर में उनका मुकाबला बीएम राहुल भारद्वाज से होगा।

महिला सिंगल्स के दौरान शॉट लगातीं भारत की उन्नति हुड्डा। एजेंसी

चौथी वरीयता प्राप्त किरन जॉर्ज ने इजरायल के डैनियल डुबोवेंको को 21-17, 21-9 से हराया, जबकि छठवीं वरीयता प्राप्त थारुण मन्नापल्ली ने सतीश कुमार करुणाकरन को 21-7, 21-9 से मात दी।

- श्रीकांत, प्रियांशु, और प्रणय ने जीत से शुरू किया अभियान

शीर्ष वरीय जिया हेंग जेसन तेह (सिंगापुर) ने भारत के ऋत्विक संजीवी सतीश कुमार को 21-19, 21-17 से हराया। भारत के सिद्धार्थ गुप्ता और आलाप मिश्रा भी अगले दौर में पहुंच गए।

महिला एकल में शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा ने शानदार शुरुआत करते हुए आकर्षी कश्यप को 21-13, 21-18 से हराया। उन्नति ने स्मूथ मूवमेंट और आक्रामक नेट प्ले से विरोधी को कोई मौका नहीं दिया। तस्नीम मीर ने रोमांचक मुकाबले में अदिति भट्ट को 21-15, 11-21, 21-17 से मात दी, जबकि रक्षिता संतोष रामराज ने श्रेया को 21-12, 21-14 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। तान्या हेमनाथ ने ताइपे की यी ईन को 21-13, 21-12 से हराया।

खेल मंत्री ने जताया हर्ष | अहमदाबाद में वर्ष 2030 में होगा आयोजन

राष्ट्रमंडल खेल की मेजबानी मिलना गर्व की बात

नई दिल्ली, एजेंसी

अहमदाबाद को राष्ट्रमंडल खेल 2030 का मेजबान चुने जाने को देश के लिए गर्व का पल बताते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि भारत 2047 तक खेलों में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में अपना नाम दर्ज कराना चाहता है।

ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा के दौरान अहमदाबाद को 2030 खेलों की मेजबानी के अधिकार औपचारिक रूप से प्रदान किए गए जिससे दो दशकों के बाद इस आयोजन के भारत में वापसी का रास्ता साफ हो गया। राष्ट्रमंडल खेलों के सौ साल भी इस अवसर पर पूरे होंगे जो पहली बार 1930 में कनाडा में आयोजित हुए थे। मांडविया ने मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर हरे पटाखों से आतिशबाजी और लेजर शो के बीच कहा राष्ट्रमंडल खेलों के सौवे साल में इन खेलों का आयोजन भारत में होना हमारे लिए गौरव की बात है। राष्ट्रमंडल खेल परिषद के लिए ये खेल बहुत महत्वपूर्ण है और इनके भारत में आयोजन की मुझे खुशी भी है और गर्व भी। उन्होंने कहा मोदी जी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। पिछले एक दशक में खेलों में देश के अलग अलग 18 से अधिक शहरों में 22 से अधिक बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन किया गया। कुछ दिन पहले ही मुक्केबाजी विश्व कप, पैरा एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप, हॉकी विश्व कप का आयोजन हुआ। यह दर्शा रहा है कि यह देश बड़े टूर्नामेंटों के आयोजन के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को 2029 विश्व पुलिस खेलों की मेजबानी का अवसर मिलना भी गर्व की बात है। उन्होंने कहा भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का इच्छुक है। हम पदक तालिका में भी लगातार आगे बढते जा रहे हैं। खेलों भारत नीति और खेल प्रशासन अधिनियम उसमें मजबूती प्रदान कर रहा है।

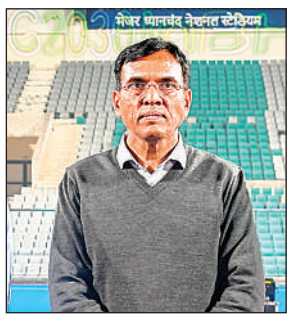

10 साल के लिए खेल नीति तैयार

मांडविया ने कहा कि सरकार का दीर्घकालिन लक्ष्य भारत को 2047 में आजादी के सौवें साल में खेलों में शीर्ष पांच देशों में लाना है। आने वाले दस साल के लिये हमने दीर्घकालिन नीति तैयार की है जिसके तहत काम चल रहा है । मुझे यकीन है कि भारत अगले दस साल में शीर्ष दस खेल देशों में स्थान हासिल करेगा और 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मनायेगा ,तब हम दुनिया के शीर्ष पांच खेल देशों में होंगे। ऐसे बड़े खेलों के आयोजन से देश के युवा खिलाड़ियों को मौका मिलता है। देश का खेलों में प्रदर्शन दिखता है। भारत की उभरती हुई खेल ताकत को हम 2030 में देख पाएंगे।